

संक्षिप्त

25 से 27 अगस्त तक भारी बारिश के आसार

रांची। झारखंड में एक बार फिर मौसम करवट लेने वाला है। मौसम विभाग ने 25, 26 और 27 अगस्त को राज्य के कई जिलों में भारी बारिश की संभावना जताई है। इस दौरान रांची सहित मध्यवर्ती जिलों में भी बारिश होने के आसार हैं। मौसम विभाग के अनुसार, 25 अगस्त को दक्षिण-पश्चिमी जिलों गुमला, सिमडेगा और पश्चिमी सिंहभूम के अलावा मध्यवर्ती जिले खुंटी में कहीं-कहीं भारी बारिश हो सकती है। 26 अगस्त को उत्तर-पश्चिमी और दक्षिण-पश्चिमी हिस्सों में बारिश का जोर रहने की संभावना है। इस दौरान गुमला, सिमडेगा और पश्चिमी सिंहभूम के साथ निकटवर्ती मध्यवर्ती जिलों लोहरदगा और खुंटी में भारी बारिश हो सकती है। 27 अगस्त को रांची, बोकारो, रामगढ़, हजारीबाग, कोडरमा और धनबाद में भारी बारिश की संभावना है। वहीं, निकटवर्ती उत्तर-पश्चिमी जिले चतरा और उत्तर-पूर्वी जिले गिरिडीह में भी कहीं-कहीं भारी बारिश हो सकती है। पिछले 24 घंटों के दौरान सिमडेगा जिले के बानो में सबसे अधिक 38.5 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। इस दौरान पाकुड़ में राज्य का सर्वाधिक तापमान 35.7 डिग्री सेल्सियस और लातेहार में सबसे कम तापमान 21.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। रविवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से मौसम साफ रहा। हालांकि, तेज धूप के साथ भीषण गर्मी और उमस से लोग परेशान रहे। रांची में रविवार को अधिकतम तापमान 32.2 डिग्री और न्यूनतम 23.5 डिग्री सेल्सियस रहा। जमशेदपुर में अधिकतम 34.9 और न्यूनतम 26.2 डिग्री, डाल्टनगंज में 33.6 और 27.1 डिग्री तथा बोकारो में 33.1 और 26.2 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। चाईबासा में अधिकतम तापमान 34.4 और न्यूनतम 25.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

गूंज में युवाओं का दर्द क्यों नहीं : राफिया



रांची। झारखंड में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश प्रवक्ता राफिया नाज ने जेपीएससी, जेएसएससी-सीजीएल परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों और छात्रों से हेमंत सरकार की वादाखिलाफी के विरोध में हुए प्रदर्शन को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि हजारों छात्र लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज उठा रहे थे। इसी दौरान अमीषा प्रसाद, सबिता सहित कई छात्र-छात्राओं के साथ मारपीट की गई। राफिया नाज ने रविवार को प्रेस विज्ञापि जारी कर सवाल किया कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों के साथ इस तरह का व्यवहार करने की इजाजत आखिर किसने दी और छात्रों पर हमला करने वालों के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि एक छात्रा का दुग्धु खींचकर उसके साथ बदसलुकी की गई और छात्र-छात्राओं को झारखंड मुक्ति मोर्चा (झमुमे) के झंडे लगे डंडों से पीटा गया। दूसरी ओर, छात्राओं पर हमला करने वाले खुलेआम घूम रहे हैं, जबकि पुलिस छात्राओं को हिरासत में ले रही है। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि जिन हाथों में किताब और कलम होंगी चाहिए, उन पर चोट के निशान हैं और जिन बेटियों को सुझा मिलनी चाहिए, उनके साथ सड़क पर बदसलुकी की गई। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से सवाल किया, पेपर लोक और परीक्षा में गड़बड़ी के खिलाफ आवाज उठाने, रोजगार और शिक्षा की मांग करने पर छात्रों को लाठी क्यों मिली?

अध्यात्म

बीएयू के पशुपतिनाथ मंदिर में भजन कार्यक्रम

श्रुति शास्त्रीय संगीत केन्द्र के कलाकारों ने बिखेरी छटा

नवप्रदेश संवाददाता

रांची। बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के पशुपतिनाथ मंदिर में रविवार को अपराह्न भव्य भजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें श्रुति शास्त्रीय संगीत केन्द्र के बच्चों ने भगवान् शिव, गणेश, मां सरस्वती, भगवान कृष्ण, हनुमान जी को समर्पित भजन प्रस्तुत किया। इसके अतिरिक्त शास्त्रीय रागों में राग बिलावल, राग यमन, राग भूपाली आदि की प्रस्तुति दी गयी। प्रस्तुति देनेवाले कलाकारों को पशुपतिनाथ मंदिर प्रबंधन समिति के अध्यक्ष डॉ एके श्रीवास्तव द्वारा अंगवस्त्र एवं पट्टा प्रदान कर सम्मानित किया गया।

भजन कार्यक्रम की शुरुआत घर में पधारो गजानन्द जी, मेरे घर में पधारो से हुई। 'मेरे कंठ बसो महारानी, मेरे स्वरों

रांची। राजधानी रांची में लगातार हो रहे धरना-प्रदर्शन, घेराव, जुलूस, रैली और आमसभाओं को लेकर जिला प्रशासन ने महत्वपूर्ण सूचना जारी की है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सार्वजनिक स्थानों पर ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने से पहले सक्षम प्राधिकारी, रांची सदर या बुंदू के अनुमंडल पदाधिकारी से निर्धारित प्रक्रिया के तहत पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य होगा। जिला प्रशासन के अनुसार, रांची के विभिन्न इलाकों में समय-समय पर बड़ी संख्या में लोग धरना-प्रदर्शन, जुलूस, रैली और आमसभाओं में शामिल होते हैं। कई बार आयोजकों की ओर से कार्यक्रम की पूर्व सूचना प्रशासन को नहीं दी जाती। अचानक भीड़ जुटने या जुलूस निकलने से यातायात प्रभावित होने के साथ विधि-व्यवस्था और आम नागरिकों की सुरक्षा के सामने भी चुनौती पैदा होती है।

प्रशासन ने कहा कि कार्यक्रम से पहले आयोजकों को आयोजन से



फाइल फोटो

संबंधित आवश्यक जानकारी उपलब्ध करानी होगी, ताकि सुरक्षा, विधि-व्यवस्था और यातायात नियंत्रण के लिए पर्याप्त इंतजाम किए जा सकें। विशेष रूप से जुलूस और रैली के आयोजकों को प्रस्तावित मार्ग, कार्यक्रम की तिथि, प्रारंभ और समाप्ति का समय तथा संभावित प्रतिभागियों की संख्या की जानकारी देनी होगी। आवश्यकता के अनुसार कार्यक्रम में शामिल होने वाले प्रमुख व्यक्तियों का विवरण

भी प्रशासन को देना होगा।

जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया कि शांतिपूर्ण तरीके से धरना और विरोध-प्रदर्शन करना नागरिकों के संवैधानिक अधिकारों का हिस्सा है। हालांकि, इस अधिकार का प्रयोग सार्वजनिक व्यवस्था, जन-सुरक्षा, यातायात और अन्य नागरिकों के अधिकारों को ध्यान में रखते हुए लागू कानूनों तथा सक्षम प्राधिकारी के वैध निर्देशों के तहत किया जाना चाहिए। प्रशासन ने

कहा कि अनुमति की प्रक्रिया का उद्देश्य लोकतांत्रिक तरीके से होने वाले शांतिपूर्ण कार्यक्रमों को रोकना नहीं है। इसका उद्देश्य कार्यक्रम में शामिल लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ शहर की कानून-व्यवस्था और यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखना है। प्रशासन के मुताबिक, ऐसे आयोजनों के कारण कई बार आम लोगों को आवागमन में परेशानी होती है। एंबुलेंस, स्कूल वाहनों, सार्वजनिक परिवहन और अन्य आवश्यक सेवाओं के आवागमन पर भी असर पड़ सकता है। इसलिए आयोजकों से कार्यक्रम की पूर्व सूचना देने और निर्धारित प्रक्रिया का पालन करने की अपील की गई है। साथ ही सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान ऐसा कोई कार्य नहीं करने को कहा गया है, जिससे सार्वजनिक मार्ग या स्थान पर अनधिकृत रूप से आवागमन बाधित हो। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि किसी भी कार्यक्रम के कारण जन-सुरक्षा प्रभावित नहीं होनी

चाहिए और न ही आम नागरिकों के अधिकारों में अनुचित हस्तक्षेप होना चाहिए। जिला प्रशासन ने छात्रों और आम नागरिकों से अपील की है कि किसी धरना-प्रदर्शन, रैली या जुलूस में शामिल होने से पहले आयोजकों से कार्यक्रम की वैधानिक स्थिति और प्रशासन की ओर से निर्धारित शर्तों की जानकारी जरूर ले। प्रशासन ने अफवाह, सोशल मीडिया पोस्ट या भ्रामक सूचनाओं के आधार पर ऐसा कोई कदम नहीं उठाने की अपील की है, जिससे कानून-व्यवस्था, सुरक्षा या यातायात व्यवस्था प्रभावित हो। प्रशासन ने राजनीतिक दलों, सामाजिक एवं स्वयंसेवी संगठनों, विभिन्न संस्थाओं, छात्र संगठनों और आम नागरिकों से सार्वजनिक कार्यक्रमों के आयोजन में निर्धारित कानूनी प्रक्रिया का पालन करने तथा आवश्यक जानकारी समय पर उपलब्ध कराने की अपील की है, ताकि सुरक्षा, विधि-व्यवस्था और यातायात के लिए पर्याप्त व्यवस्था की जा सके।

झारखंड के छात्रों पर कार्रवाई राहुल गांधी चुप क्यों हैं : बाबूलाल

रांची। झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने छात्रों के मुद्दे को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी देशभर में छात्रों के अधिकारों की बात करते हैं, लेकिन झारखंड में छात्रों पर हुई कार्रवाई के मुद्दे पर उनकी आवाज नहीं निकल रही है। बाबूलाल मरांडी ने रविवार को सोशल मीडिया एप्स पर पोस्ट के जरिए राहुल गांधी से सवाल किया कि झारखंड में कांग्रेस गठबंधन की सरकार है, तो यहाँ छात्रों के साथ

हुए व्यवहार पर वे चुप क्यों हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि विधानसभा घेराव के दौरान शांतिपूर्ण मार्च कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज किया गया। इसके अलावा, पहले से घोषित पुल्ला दहन कार्यक्रमों के दौरान भी छात्रों के खिलाफ पुलिस और सत्ताधारी दल के लोगों की कार्रवाई देखने को मिली। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि झारखंड के छात्र अपने भविष्य और नौकरी के लिए सड़कों पर आंदोलन कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य

सरकार के संरक्षण में युवाओं के साथ अन्याय हो रहा है और नौकरी की प्रक्रिया को लेकर छात्रों का भरोसा लगातार कमजोर हो रहा है। बाबूलाल मरांडी ने राहुल गांधी से पूछा कि जब वे देश के दूसरे हिस्सों में छात्रों के मुद्दे उठाते हैं, तो झारखंड के छात्रों के लिए उनकी आवाज क्यों नहीं उठती। उन्होंने राहुल गांधी पर दोहरी राजनीति करने का आरोप लगाया। भाजपा नेता ने कहा कि देश की जनता सब कुछ देख रही है। नेता की कथनी और करनी में अंतर नहीं



होना चाहिए। बाबूलाल मरांडी ने अपने बयान के अंत में राहुल गांधी

पर तीखा तर्ज कसते हुए उन्हें 'उम मास्टर' तक कह दिया।

अग्रसेन जयंती महोत्सव में 150 प्रतिभागी शामिल



रांची। अग्रवाल सभा रांची के 50वें श्री अग्रसेन जयंती महोत्सव के तहत रविवार को प्रतियोगिताओं के प्रथम वरण का आयोजन किया गया। इस दौरान चित्रकला, सुलेख, मेहंदी, गणित दौड़ और कविता पाठ प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें 150 से अधिक बच्चों और महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अग्रवाल सभा की मीडिया प्रभारी रीना सुरेखा ने बताया कि कार्यक्रम का उद्घाटन वार्टर्ड अकाउंटेंट राजेंद्र कुमार गाड़ोदिया ने किया। सभा के अध्यक्ष मनोज कुमार चौधरी ने उपस्थित अभिभावकों और बच्चों का स्वागत किया। सभा के मंत्री निर्मल बुधिया ने महोत्सव के तहत आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए अग्रवशियों से सभी आयोजनों में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। मेहंदी प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में सुमन चितलागिया और मधु जेजानी शामिल थीं। वहीं, कविता पाठ प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में मीनू जायसवाल, राखी वर्मा और चारु मित्रा शामिल रहीं। कार्यक्रम में श्लका सरावगी, सीमा टाटिया, मंजू केडिया, रचना गिरानिया, निधि सराफ, प्रतिभा अग्रवाल, नम्रता बागला, पदमा वंका, सुनेना तौलका, शालू सिंघानिया, प्रीति फोगला, सीमा खेमका, अकृति सिंघानिया, नेहा तुलसयान, सुनीता मेवाड़ा, शोभा हैतमसरिया और साक्षी केजरीवाल सहित अन्य सदस्य मौजूद थे।

एक नजर

लायंस क्लब रांची ग्लोबल की नयी कार्यकारिणी ने संभाला पदभार



रांची। लायंस क्लब रांची ग्लोबल का चतुर्थ स्थापना समारोह स्थानीय होटल में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला गवर्नर पीएमजेएफ लायन शुभा मजूमदार, स्थाना अधीकारी एवं पूर्व जिला गवर्नर पीएमजेएफ लायन कमल जैन, दीक्षा अधिकारी एवं प्रथम उप जिला गवर्नर एमजेएफ लायन कंचन साहू तथा विशिष्ट अतिथि एवं द्वितीय उप जिला गवर्नर पीएमजेएफ लायन सुजीत कुमार मौजूद रहे। पूर्व जिला गवर्नर पीएमजेएफ लायन माधव लखोटिया की भी विशेष उपस्थिति रही। समारोह के दौरान लायन अरुण कुमार भारतीया ने अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभाली। लायन डॉ. खुशबू अग्रवाल ने सचिव, लायन मोनिका गोयनका ने कोषाध्यक्ष तथा लायन अरुतमाश आलम और लायन संतोष अग्रवाल ने उपाध्यक्ष पद की शपथ ली। वहीं, लायन आलोक सिंह को संयुक्त सचिव और लायन सुमित अग्रवाल को संयुक्त कोषाध्यक्ष बनाया गया। तत्काल पूर्व अध्यक्ष लायन मनोज कुमार मिश्रा ने कहा कि लायंस क्लब रांची ग्लोबल ने सेवा कार्यों के माध्यम से अपनी अलग पहचान बनाई है। उन्हें विश्वास है कि नई कार्यकारिणी क्लब को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी। चार्टर अध्यक्ष लायन शैलेशा अग्रवाल ने कहा कि क्लब की स्थापना सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी के उद्देश्य से की गई थी। नई टीम इसी भावना को आगे बढ़ाते हुए सेवा गतिविधियों को और मजबूत करेगी। नवनि्युक्त अध्यक्ष लायन अरुण कुमार भारतीया ने क्लब के सेवा कार्यों को व्यापक स्तर पर आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। सचिव लायन डॉ. खुशबू अग्रवाल ने बेहतर समन्वय और व्यवस्थित कार्यप्रणाली पर जोर दिया। कोषाध्यक्ष लायन मोनिका गोयनका ने क्लब की वित्तीय व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही बनाए रखने का भरोसा दिलाया। समारोह का संचालन लायन पूरुष आनंद ने किया। समारोह में जनसंपर्क पदाधिकारी लायन धर्मेद्र सिन्हा, क्षेत्रीय अध्यक्ष लायन राकेश चौधरी, लायन शाहीन कौसर, लायन राजीव चौधरी, लायन तनुशी पात्रा, लायन रविंदर सिंह, लायन तलवंदर कौर और लायन कुणाल जालान मौजूद रहे। वहीं, झारखंड चेंबर की ओर से परेश गढ़ानी, विकास विजयवर्गीय, तुलसी पटेल, रोहित अग्रवाल और नवजोत अलंग ने समारोह में सहभागिता की।

श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर मंदिर में श्रीवैष्णवजन सोमवार को करेंगे पुत्रदा एकादशी व्रत



रांची। नगर के प्रसिद्ध दिव्यदेशम् श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर (तिरुपति बालाजी) मंदिर में श्रीवैष्णव मतवलंबी श्रद्धालु सोमवार, 24 अगस्त को श्रावण शुक्ल पक्ष की पुत्रदा एकादशी का व्रत करेंगे। द्वादशी युक्त यह एकादशी अत्यंत पुण्यदायिनी मानी गई है। इस अवसर पर मंदिर में श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया जाएगा। इसके तहत उद्यास्तमन सेवा एवं महाभिषेक का भी आयोजन होगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पुत्रदा एकादशी का व्रत भगवान विष्णु की विशेष कृपा प्राप्त करने का माध्यम माना जाता है। इसे देवताओं के लिए भी दुर्लभ और तपस्वियों के लिए श्रेष्ठ तप के समान बताया गया है। मान्यता है कि यह व्रत सभी वर्णों के लोगों के लिए पालनीय है तथा श्रद्धापूर्वक व्रत करने से भगवान की विशेष कृपा प्राप्त होती है। श्रीवैष्णव परंपरा में एकादशी व्रत के दौरान आहार संबंधी नियमों का विशेष महत्व है। धार्मिक मान्यता के अनुसार एकादशी तिथि में चावल या भात का सेवन नहीं करना चाहिए। तिथि निर्धारण में भी विशेष सावधानी बरती जाती है। यदि दशमी तिथि का अंश एकादशी में पड़ता हो तो ऐसी तिथि का त्याग करने की परंपरा है। वहीं द्वादशी से युक्त एकादशी को श्रेष्ठ माना गया है। मंदिर से मिली जानकारी के अनुसार, यदि एक पल के लिए भी एकादशी तिथि द्वादशी में विद्यमान हो तो उसी दिन एकादशी व्रत करना उचित माना जाता है। द्वादशी युक्त एकादशी का व्रत करने के बाद यदि पारण के लिए द्वादशी तिथि उपलब्ध न हो तो त्रयोदशी में पारण करने का विधान बताया गया है। इस बार व्रत का पारण मंगलवार, 25 अगस्त को प्रातः 5:42 बजे तक द्वादशी तिथि में किया जा सकेगा। मंदिर प्रबंधन ने श्रद्धालुओं से धार्मिक नियमों का पालन करते हुए भगवान श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर की पूजा-अर्चना में शामिल होने की अपील की है।

कोकर स्थित टाटा मोटर्स वर्कशॉप में लगी आग, छह वाहन जलकर राख



रांची। राजधानी रांची के कोकर इंडस्ट्रियल एरिया स्थित वासुदेव टाटा ऑटो मोटर्स वर्कशॉप में रविवार सुबह अचानक भीषण आग लग गई। आग की चोट में आने से वर्कशॉप में खड़े छह वाहन पूरी तरह जलकर राख हो गए। प्रारंभिक जांच में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की दो दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। समय रहते आग पर नियंत्रण किए जाने से इसे वर्कशॉप के अन्य हिस्सों में फैलने से रोक लिया गया। सदर थाना प्रभारी कुलदीप कुमार ने बताया कि वर्कशॉप में खड़े एक वाहन में अचानक आग लगी थी। देखते ही देखते आग ने आसपास खड़े अन्य वाहनों को भी अपनी चपेट में ले लिया। इस घटना में कुल छह वाहन जलकर राख हो गए। पुलिस के अनुसार, प्रथम दृष्टया आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट प्रतीत हो रहा है। हालांकि, घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए जांच-पड़ताल की जा रही है। राहत की बात यह है कि हादसे में किसी के हाताहत होने की सूचना नहीं है।

एमएमडीआर विधेयक झारखंड की आर्थिक व्यवस्था को कमजोर करेगा : कांग्रेस

रांची। केंद्र सरकार की ओर से संसद में पारित खान एवं खनिज विकास एवं विनियमन संशोधन विधेयक 2026 (एमएमडीआर) को लेकर कांग्रेस ने विरोध जताया है। पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता उज्ज्वल प्रकाश तिवारी ने रविवार को प्रेस विज्ञापि जारी कर कहा कि प्रदूषण और विस्थापन की पीड़ा झारखंड के लोग झेलें और नीति-निर्देश केंद्र सरकार तय करे, यह स्थिति किसी भी सुरत में स्वीकार्य नहीं है। तिवारी ने कहा कि केंद्रीय कोल कंपनियों पर झारखंड का पहले से करीब 1.32 लाख करोड़ रुपये बकाया है, जो वर्तमान में बढ़कर लगभग 1.60 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है। इसके बावजूद केंद्र सरकार इस राशि के भुगतान को लगातार रोकें हुए है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन समेत प्रदेश कांग्रेस के तमाम वरिष्ठ नेता लगातार इस बकाया राशि के भुगतान की मांग उठाते रहे हैं, लेकिन केंद्र सरकार पर इसका कोई असर नहीं पड़ा। उन्होंने कहा कि खनिजों पर सेंस लगाने के राज्यों के अधिकार को समाप्त करने का निर्णय केंद्र सरकार की तानाशाही मानसिकता को उजागर करता है। उन्होंने आरोप लगाया कि एमएमडीआर संशोधन विधेयक पारित करके केंद्र सरकार ने झारखंड जैसे एक्पमशील राज्य की आर्थिक व्यवस्था को कमजोर कर का प्रयास किया है। इससे राज्य को मिलने वाले हजारों करोड़ रुपये के राजस्व पर सीधा असर पड़ेगा और प्रदेश की विकास योजनाओं के लिए उपलब्ध वित्तीय संसाधन भी प्रभावित होंगे।

एचआरसीएफ विभागीय बैठक में बीएकेएस सदस्यों का हल्ला बोल लंबित समस्याओं को लेकर कर्मचारियों में आक्रोश

बोकारो। बीएसएल अनाधिशासी कर्मचारी संघ (बीएकेएस) की विभागीय बैठक शनिवार को एचआरसीएफ कैटीन में हुई। बैठक में विभाग के कर्मचारियों ने सेल स्तर, बोकारो इस्पात संयंत्र स्तर और विभागीय स्तर की लंबित समस्याओं को यूनियन, पदाधिकारियों के समक्ष रखा। कर्मचारियों का कहना था कि लंबे समय से समस्याओं का समाधान नहीं होने के कारण उन्हें रोजमर्रा के कामकाज में कई तरह की परेशानियों और मानसिक तनाव का

सामना करना पड़ रहा है। कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि सेल कॉरपोरेट और बीएसएल प्रबंधन की कार्यशैली की तर्ज पर अब एचआरसीएफ प्रबंधन भी केवल उत्पादन पर जोर दे रहा है। कर्मचारियों के अनुसार उनसे लगातार काम लिया जा रहा है, लेकिन उनकी बुनियादी सुविधाओं और लंबित मांगों के समाधान की दिशा में अपेक्षित पहल नहीं की जा रही है। बैठक में कर्मचारियों ने इंसेंटिव/रिवार्ड फॉर्मूले में संशोधन नहीं होने, एक्टिंग अलाउंस की



राशि में बदलाव नहीं होने तथा बिना एक्टिंग अलाउंस के वरिष्ठ ग्रेड का कार्य कराने का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। इसके अलावा कर्मचारियों के लिए जुगाड़ वाले टोन शेड, टोन बेंच और लोहे की कुर्सियों की व्यवस्था, पूल पीट में काम करने वाले कर्मियों के लिए पर्याप्त कुर्सियों का अभाव तथा जर्जर शौचालय और निवमित सफाई नहीं

होने पर भी नाराजगी जताई गई। कर्मचारियों ने अधिकारियों के कथित रूखे व्यवहार, शांप की क्षतिग्रस्त छत के कारण बारिश में पानी भरने, क्रेन ऑपरेटर्स के लिए टूटी कुर्सियों, टूटे शीशों और अत्यधिक गर्मी में क्रेन परिचालन की कठिनाइयों का मुद्दा भी उठाया। उनका कहना था कि लगातार घटते मैगनार के कारण कर्मचारियों पर कार्य का बोझ बढ़ रहा है,

जिससे तनाव की स्थिति पैदा हो रही है। बैठक में किर्कोट उत्पादन के बावजूद नॉन-परइंशियल मोटिवेशनल स्केम शुरू नहीं करने, प्रोत्साहन पुस्स्कार में कथित भेदभाव, कुछ यूनियन कार्यकर्ताओं को मनचाहे अनुभाग में पदस्थापित करने तथा उचित मांग रखने पर स्थानांतरण की धमकी दिए जाने का भी आरोप लगाया गया। विभाग एवं अनुभाग में लगे वाटर प्यूरीफायर की मरम्मत नहीं होने तथा शटडाउन लेने-देने के लिए स्पष्ट नियम नहीं बनाए जाने की समस्या भी सामने रखी गई। यूनियन पदाधिकारियों ने कहा कि इनमें से

अधिकांश समस्याओं का समाधान स्थानीय स्तर पर किया जा सकता है। कुछ मामलों में बीएसएल के अन्य विभागों के साथ समन्वय की आवश्यकता है। इसके बावजूद समस्याओं के समाधान के बजाय केवल उत्पादन पर ध्यान दिए जाने से कर्मचारियों में असंतोष बढ़ रहा है। बैठक में यूनियन के महासचिव हरिओम, कोषाध्यक्ष राहुल साव, एचएसएम विभागीय प्रतिनिधि शत्रुंजय सिंह सहित यूनियन के सदस्य एवं विभाग के कर्मचारी उपस्थित थे।

करमा महोत्सव को लेकर हरिणा से प्रचार रथ रवाना



नवप्रदेश/बाघमारा। 19 सितंबर को होने वाले राज्य स्तरीय करमा महोत्सव 2026 की तैयारी तेज हो गई है। रविवार को हरिणा ग्राउंड से प्रचार रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। प्रखंड प्रमुख गीता देवी, हरिणा मुखिया प्रतिनिधि भोला रवानी, पंसस उषा देवी, डुमरा दक्षिण के मुखिया जीवन लाल महतो, डुमरा उत्तर के मुखिया बिनोद महतो, खानुडीह मुखिया

गोपाल महतो, पंसस नंदलाल रवानी और आयोजन समिति के सदस्यों ने संयुक्त रूप से रथ रवाना किया। इस मौके पर प्रखंड प्रमुख गीता देवी ने कहा कि करमा महोत्सव झारखंडी संस्कृति और नारी शक्ति के सम्मान का प्रतीक है। इसे सफल बनाने में हर संभव सहयोग किया जाएगा। समिति के सचिव जीवन कुमार रवानी ने बताया कि इस बार महोत्सव में 51 टीमों को मंच दिया

जाएगा। विजेताओं को नकद पुरस्कार, उपहार और शौल्ड से सम्मानित किया जाएगा। अध्यक्ष मदन मोहन महतो ने बताया कि केंद्रीय मंत्री को आमंत्रित करने का प्रयास चल रहा है। इस बार का आयोजन पिछले वर्षों से बड़ा होगा। कार्यक्रम में आशा शर्मा, बेबी वर्णवाल, सुनीता कुमारी, बसंतो मंडल, गुलसफा खातून समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

मनईटांड बैंक कॉलोनी में गणेश पूजा की तैयारी शुरू, नई कमेटी का गठन



नवप्रदेश/धनबाद। मनईटांड बैंक कॉलोनी स्थित हरि मंदिर में श्रीश्री गणेश पूजा के आयोजन को लेकर पूजा समिति की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता रवि सोनी ने की। शुरूआत में पुरानी कमेटी को भंग कर नई कमेटी का गठन किया गया। साथ ही पिछले वर्ष के पूजा आयोजन का आय-व्यय प्रस्तुत किया गया।बैठक में इस वर्ष गणेश पूजा धूमधाम से मनाने की रूपरेखा तैयार की गई। पंडाल व मूर्ति निर्माण, पूजा खर्च, महाप्रसाद वितरण और विसर्जन समेत विभिन्न तैयारियों पर चर्चा की गई। सर्वसम्मति से रंजेश सिंह को पूजा समिति का अध्यक्ष बनाया गया। उपाध्यक्ष के रूप में बृजेश सिंह, अरुण चंद्र महतो, आरएन सिन्हा और रणजीत सिंह को जिम्मेदारी दी गई। सचिव सुनील सिंह, रणू महतो, रिकू सोनी, धिवेक गुप्ता और अजीत तिवारी, जबकि सह सचिव प्रदीप सिंह और रंजेश महतो बनाए गए।उपेक्षाध्यक्ष की जिम्मेदारी रवि सोनी और सनी प्रसाद को दी गई। पूजा ईंवाज सोनू सिंह, विवेश भगत और दीपक प्रमाणिक होंगे। पंडाल ईंवाज धनंजय कर्मकर, वीेशिक राय चौधरी, टंकु सोनी, शुभम साव और पीकूष गुप्ता बनाए गए। भोग ईंवाज सनी सिंह, शिपन शाह, रितिक कुमार, मुनेश महतो और रंतिश साव होंगे। भोग सहायगी के रूप में अविनाश हाजरा, दिलीप सिन्हा, अतिल राय और रवि शर्मा को जिम्मेदारी दी गई। वहीं रंजेश कुमार महतो को मीडिया प्रभारी बनाया गया।

वृद्धाश्रम और बाल देखरेख संस्थानों का पीडीजे ने किया निरीक्षण, सुविधाओं का लिया जायजा

खूंटी। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार, नई दिल्ली एवं झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निर्देश पर रविवार को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष रसिकेश कुमार ने जिले के वृद्धाश्रम और विभिन्न बाल देखरेख संस्थानों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संस्थानों में रह रहे वृद्धजनों और बच्चों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण की शुरूआत सुबह नौ बजे पिपरटोली स्थित वृद्धाश्रम से हुई। यहां वर्तमान में 27 वरिष्ठ नागरिक आवासित हैं, जिनमें 19 महिलाएं और आठ पुरुष शामिल हैं। वृद्धजनों को वृद्धावस्था पेंशन सहित अन्य सरकारी योजनाओं से जोड़ने की प्रक्रिया चल रही है। आधार कार्ड में सुधार और नए आधार कार्ड बनाने के लिए जल्द ही वृद्धाश्रम परिसर में विशेष शिविर आयोजित किया जाएगा। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने वृद्धजनों से मिलकर उनकी समस्याएं सुनीं और जिला समाज कल्याण पदाधिकारी निशा कुजूर के साथ मिलकर वस्त्रों का वितरण किया। उन्होंने नालसा की ह्वाजागृतिह्व योजना-2025 के तहत वरिष्ठ नागरिकों को उनके अधिकारों, माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण और कल्याण अधिनियम-2007 तथा नि:शुल्क विधिक सहायता की जानकारी दी। इसके बाद हुटार के डुगडुगिया स्थित बाल देखरेख संस्थान सहयोग विलेज का निरीक्षण किया गया। यहां आठ विशेष आवश्यकता वाले बच्चे आवासित हैं। जिला प्रशासन के सहयोग से अलीमको के माध्यम से बच्चों को आवश्यक विशेष उपकरण उपलब्ध कराए जा चुके हैं। पीडीजे ने बच्चों से संवाद कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली। बच्चों ने संस्थान में बेहतर देखभाल की बात कही। जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी मो. अल्लाफ को बच्चों के रहने, मनोरंजन और अन्य आवश्यक सुविधाएं प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। रांची रोड स्थित आशाकिरण संस्थान में भी निरीक्षण किया गया, जहां 13 बालिकाएं आवासित हैं। उनकी शिक्षा और देखभाल की व्यवस्था संतोषजनक पाई गई।

युवक पुलिस वाहन को देखते ही गाड़ी घुमाकर भागने लगे। पुलिस टीम ने पीछा कर गाँधीनगर शिव मंदिर के पास सिटी हॉक्स 33, 34 के सहयोग से घेराबंदी कर सभी को पकड़ लिया।भागने के संबंध में सतोषजनक जवाब नहीं देने पर जब नाम-पता पूछ गया तो उनकी पहचान -

01. मुकेश कुमार (25 वर्ष), डाक बंला, धनबाद 02. मो॰ साकित हुसैन (23 वर्ष), कुम्हारपट्टी मनईटांड, धनसार 03. किशन बासफोड़ (22 वर्ष),

गोल्फ ग्राउंड डोम बस्ती, धनबाद 04. बबलू यादव (19 वर्ष), दुहाटांड शास्त्री नगर, बैंकमोड़ 05. नितेश कुमार (19 वर्ष),



विकास नगर मटकुरिया, बैंकमोड़ 06. अजाद आलम (23 वर्ष), वासेपुर कम्पर मखडुमी रोड, बैंकमोड़ के रूप में हुई। तलाशी के

क्रम में अजाद आलम के कमर से खोसा हुआ एक देशी कट्ठा एवं मुकेश कुमार के पेट के पकैट से 3.15 एमएम का एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया। पूछताछ में नितेश कुमार ने बताया कि सीडी डीलक्स मोटरसाइकिल सं॰जेएच 10-बीबी 9690 एवं हीरो रैलेमर मोटरसाइकिल सं॰ जेएच 10-बीएस 8371 दोनों कल रात मटकुरिया से चोरी की थी।

हथियार के बारे में पूछने पर अजाद ने बताया कि उसने जम्गू पासवान से लिया था और सभी चोरी की नीयत से घूम रहे थे।अजाद आलम के

निशानदेही पर पुलिस ने सातवें आरोपी जम्गू पासवान (29 वर्ष), दुहाटांड काली मंदिर, धनसार को भी गिरफ्तार कर लिया।
बराहद सामान में - एक देशी कट्ठा, एक जिंदा गोली तथा दो चोरी की मोटरसाइकिल शामिल हैं।इस छापामारी दल में थाना प्रभारी मनोहर करमाली, पु॰अ॰नि॰ पवन कुमार रवि, प्रवीण सिंह चौधरी, राजेश कुमार लोहरा, सं॰अ॰नि॰ रमेश पासवान, सिटी हॉक्स एवं थाना सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

रात्री गश्ती के दौरान पुलिस को मिली बड़ी सफलता हथियार और चोरी की बाइक के साथ 7 गिरफ्तार

नवप्रदेश/धनबाद। जिले के धनसार थाना क्षेत्र में पुलिस ने रात्रि गश्ती के दौरान बड़ी कार्रवाई करते हुए हथियार और चोरी की दो मोटरसाइकिल के साथ सात युवकों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, दिनांक 22.08.2026 की रात करीब 03:30 बजे कला दल में शामिल पु॰अ॰नि॰ पवन कुमार रवि एवं सशस्त्र बल द्वारा गश्ती की जा रही थी।इसी दौरान दो मोटरसाइकिल पर सवार तीन-तीन

युवक पुलिस वाहन को देखते ही गाड़ी घुमाकर भागने लगे। पुलिस टीम ने पीछा कर गाँधीनगर शिव मंदिर के पास सिटी हॉक्स 33, 34 के सहयोग से घेराबंदी कर सभी को पकड़ लिया।भागने के संबंध में सतोषजनक जवाब नहीं देने पर जब नाम-पता पूछ गया तो उनकी पहचान -

01. मुकेश कुमार (25 वर्ष), डाक बंला, धनबाद 02. मो॰ साकित हुसैन (23 वर्ष), कुम्हारपट्टी मनईटांड, धनसार 03. किशन बासफोड़ (22 वर्ष),

गोल्फ ग्राउंड डोम बस्ती, धनबाद 04. बबलू यादव (19 वर्ष), दुहाटांड शास्त्री नगर, बैंकमोड़ 05. नितेश कुमार (19 वर्ष),

विकास नगर मटकुरिया, बैंकमोड़ 06. अजाद आलम (23 वर्ष), वासेपुर कम्पर मखडुमी रोड, बैंकमोड़ के रूप में हुई। तलाशी के

एक नजर

यूजीसी विनियम वापस लो, नहीं तो सड़क से सदन तक आंदोलन : दिलीप सिंह



नवप्रदेश/धनबाद। यूजीसी के नये कानून और उच्च शिक्षण संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने संबंधी प्रस्तावित विनियम 2026 के विरोध में रविवार को राजपूत विचार मंच की अहम बैठक गोसाइंडीह स्थित केंद्रीय कार्यालय में हुई। बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय अध्यक्ष डीएन सिंह ने की। बैठक में मंच ने सर्वसम्मति से प्रस्तावित विनियम का विरोध करने का निर्णय लिया। सदस्यों ने कहा कि यह विनियम एकतरफा है और इसे अविलंब वापस लिया जाना चाहिए।केंद्रीय अध्यक्ष डीएन सिंह ने कहा कि नये नियम में भेदभाव की परिभाषा में केवल सवर्ण वर्ग को संभावित दोषी मानने का प्रावधान किया गया है, जो संविधान के अनुच्छेद 14 में प्रदत्त समानता के अधिकार के विपरीत है। इस तरह के प्रावधान के खिलाफ सभी सवर्ण समाज को एक मंच पर आना होगा।धनबाद जिला अध्यक्ष दिलीप सिंह ने कहा कि यह विनियम समानता के नाम पर असमानता पैदा करने वाला है। यह उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ने वाले सामान्य वर्ग के छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है।।इसमें बिना ठोस जांच के किसी भी सवर्ण छात्र या शिक्षक को दोषी मान लेने का प्रावधान है, जिससे निदोषों का उत्पीड़न बढ़ेगा। सरकार और यूजीसी को इस पर पुनर्विचार करना चाहिए।दिलीप सिंह ने चेतावनी दी कि यदि यूजीसी अपने फैसले पर पुनर्विचार नहीं करता है, तो युवा मोर्चा सड़क से सदन तक लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करने का बाध्य होगा। बैठक में आंदोलन की आगे की रणनीति पर भी विस्तार से विमर्श किया गया। सभी सदस्यों ने एकजुट होकर आवाज उठाने पर सहमति जताई। इस मौके पर उमेश सिंह, आरपी सिंह, विवेकानंद सिंह, ददन सिंह, सीपी सिंह, पपू सिंह, अश्वयंवर सिंह समेत मंच के कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

लोयाबाद में कुरआन साइंस एगजीबिशन का आयोजन



नवप्रदेश/लोयाबाद। मकतब बाग-ए-आवशा, सेन्द्रा-मदनाडीह की ओर से रविवार को मदनाडीह पंचायत भवन में पहली बार कुरआन साइंस एग्जीबिशन-2026 का आयोजन किया गया।एग्जीबिशन में केजी से 12वीं तक के 31 छात्र-छात्राओं ने कुरआन की आयतों को विज्ञान, मॉडल और प्रयोगों के जरिए प्रस्तुत किया। बच्चों ने सूरज-चंद्र की गति, ब्रह्मांड का विस्तार, बिग बैंग थ्योरी, दो समुद्रों का न मिलना, पहाड़ों का कील होना, लोहे का आकाश से उतरना, फिंगरप्रिंट और शहद में शिफा जैसे विषयों पर मॉडल पेश किए।कार्यक्रम की शुरूआत कुरआन की तिलावत और नात से हुई। मुख्य अतिथि मौलाना गुलाम रसूल ने कहा कि कुरआन कायनात की हकीकतों को खोलने वाली किताब है। समाजसेवी निजामुद्दीन अंसारी ने बच्चों को मोमेंटो व मेडल देकर सम्मानित किया। आयोजक गुलाम गौस आसवी ने कहा कि कुरआन और साइंस में कोई टकराव नहीं है। मौके पर सैकड़ों अभिभावक व उल्लेमा मौजूद थे।

महिला उत्पीड़न के आरोपी के घर चिपकाया इश्तेहार



नवप्रदेश/लोयाबाद। केन्दुआडीह थाना में दर्ज महिला उत्पीड़न के कांड में फंसार चल रहे आरोपी के विरुद्ध न्यायालय द्वारा निर्गत इश्तेहार की तामीला पुलिस ने की है।मामला केन्दुआडीह थाना कांड संख्या 33/26 दिनांक 13/04/26 से संबंधित है। इस कांड के प्राथमिकी अभियुक्त बांसजोड़ा नियर शिव मंदिर, थाना लोयाबाद निवासी पारस राय, पिता स्वर्गीय गणेश राय के विरुद्ध माननीय न्यायालय से इश्तेहार निर्गत किया गया था।इश्तेहार का विधिवत तामिला केन्दुआडीह थाना के अवर निरीक्षक राकेश कुमार द्वारा किया गया। बताया जाता है कि उक्त कांड में आरोपी की पत्नी कंचन देवी द्वारा देहेज उत्पीड़न को लेकर प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 85, 115(2), 3(5) एवं देहेज प्रतिषेध अधिनियम की धारा 3/4 के तहत मामला दर्ज है।

लायंस क्लब सेंटैनियल ने रोपे 15 फलदार पौधे



नवप्रदेश/बाघमारा। लायंस क्लब बाघमारा सेंटैनियल ने पर्यावरण संरक्षण को लेकर पहल की है। द्वितीय उपाध्यक्ष सुमन कुमार के रामायण टाइटल्स शोरूम के पास स्थित बागान में 15 फलदार पौधे लगाए गए। क्लब अध्यक्ष दीपक प्रसाद की अग्रुवाई में आयोजित कार्यक्रम में उपाध्यक्ष सुमन कुमार, पूर्व अध्यक्ष लक्ष्मण रवानी, बिनोद मिश्रा और सावित्री पाल ने पौधरोपण किया। क्लब सदस्यों ने कहा कि पौधरोपण सिर्फ हरियाली नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ी के लिए उपहार है। छोटे प्रयासों से ही बड़ा परिवर्तन आता है। क्लब ने लोगों से पर्यावरण संरक्षण के अभियान में जुड़ने की अपील की है।

जन्माष्टमी महोत्सव को लेकर तैयारियां तेज, 5 सितंबर को निकलेगी भव्य शोभायात्रा

नव प्रदेश संवाददाता



सतगावां। आगामी जन्माष्टमी महोत्सव 2026 को लेकर रविवार को बासोडीह हटिया मैदान में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में महोत्सव को भव्य, शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने को लेकर आयोजन समिति का गठन किया गया तथा शोभायात्रा के रूट और सुरक्षा व्यवस्था पर विस्तार से चर्चा हुई।बैठक की अध्यक्षता प्रमुख प्रतिनिधि रामावतार चौधरी ने की, जबकि संचालन चंदन यादव ने किया। इसमें प्रखंड क्षेत्र के

पदभार संभालते ही एक्शन में आए डॉ. रजनीकांत

नवप्रदेश/चौपारण। सामुदायिक अस्पताल चौपारण के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी का पदभार संभालने के दूसरे दिन डॉ. रजनीकांत ने अस्पताल का निरीक्षण किया। उन्होंने ओपीडी, मेडिकल सेवा और इमरजेंसी व्यवस्था का जायजा लेकर स्वास्थ्यकर्मियों को मरीजों को बेहतर सुविधा देने और आपात स्थिति में तत्पर रहने का निर्देश दिया। उन्होंने कर्मियों से समन्वय के साथ कार्य करने तथा मरीजों और परिजनों से बेहतर व्यवहार की अपील की।मौके पर डॉ. रविकांत पांडेय, बीपीएम प्रवीण कुमार समेत अन्य स्वास्थ्यकर्मी मौजूद थे।

मेगा लीगल सशक्तिकरण शिबिर में एक करोड़ की परिसंपति वितरित

नवप्रदेश/चौपारण। प्रखंड मुख्यालय सभागार में रविवार को मेगा लीगल सशक्तिकरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामीणों को निशुल्क कानूनी सहायता और उनके अधिकारों की जानकारी दी गई। विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभकों के बीच करीब एक करोड़ रुपये की परिसंपति वितरित की गई, जबकि महिला समूहों को लगभग 30 लाख रुपये का चेक दिया गया। इस दौरान दो महिलाओं की गोद भराई और एक बच्ची का अन्नाग्रशान भी कराया गया।

शव लेकर लौट रही एंगुलेंस पेड़ से टकराई, एक घायल

नवप्रदेश/चौपारण। हजारीबाग से ईश्वर राणा का शव लेकर दैहर लौट रही एंगुलेंस रविवार सुबह करीब 4:20 बजे बिशनपुर पेट्रोल पंप के पास पेड़ से टकरा गई। बताया गया कि चालक जगदीश यादव को झपकी आने के कारण वाहन अनियंत्रित हो गया। दुर्घटना में प्रवेश राणा घायल हो गए, जिन्हें सामुदायिक अस्पताल चौपारण में उपचार के बाद घर भेज दिया गया। चालक सुरक्षित रहा। हादसे में एंगुलेंस क्षतिग्रस्त हो गई।

माउंट आबू से आई राखी से मनाया रक्षाबंधन उत्सव

नवप्रदेश/चौपारण। ब्रह्माकुमारी संस्था की ओर से रविवार को रक्षाबंधन उत्सव मनाया गया। माता प्रमिला ने दर्जनों बहनों और भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर शुभकामनाएं दीं। खास बात रही कि राखियां राजस्थान के माउंट आबू स्थित संस्था के मुख्यालय से भेजी गई थीं। बीके राजेंद्र भाई ने रक्षाबंधन के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसे प्रेम, विश्वास और सकारात्मक संकल्प का पर्व बताया। कार्यक्रम में लोगों ने भाईचारा और सद्भाव बनाए रखने का संकल्प लिया।

ईवागढ़ में 10 करोड़ से छह सड़कों का शिलान्यास

नवप्रदेश/ईचागढ़। मुख्यमंत्री ग्राम सड़क सुदृढ़ीकरण योजना के तहत रविवार को विधायक सविता महतो ने छह सड़कों का शिलान्यास किया।

करीब 17.09 किलोमीटर लंबी इन सड़कों के निर्माण पर लगभग 10 करोड़ रुपये खर्च होंगे। विधायक ने कहा कि सड़कों के निर्माण से दर्जनों गांवों की आवागमन व्यवस्था बेहतर होगी और ग्रामीणों को राहत मिलेगी। उन्होंने संवेदक को गुणवत्तापूर्ण और समय पर काम पूरा करने का निर्देश दिया।

13 हाथियों ने किसानों की धान की फसल रौंदी

नवप्रदेश/ईचागढ़। प्रखंड के तालापीड़ी, बिरटाटांड, जारगोडीह और सोड़ो क्षेत्र में शनिवार देर रात 13 जंगली हाथियों के झुंड ने दर्जनभर किसानों की धान की फसल नष्ट कर दी। वन विभाग के अनुसार हाथियों का झुंड कुटाम जंगल से निकलकर इन क्षेत्रों में पहुंचा है। फसल बर्बाद होने से किसान चिंतित हैं। ग्रामीणों ने वन विभाग से हाथियों को क्षेत्र से दूर भगाने और क्षतिपूर्ति का उचित मुआवजा जल्द देने की मांग की है।

कांडा अपहरण-हत्याकांड का खुलासा, दो गिरफ्तार

नवप्रदेश/कांड्रा। कांड्रा थाना क्षेत्र में तीन युवकों के अपहरण मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की निशानदेही पर गम्हारिया थाना क्षेत्र के राप्चा फुटबॉल मैदान के पीछेवनभूमि से जमीन में दफन रहलु हंसदा और तपन प्रधान के शव बरामद किए गए। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त बांस का बल्ला और दो मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं। मामले में अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

उत्कमिit उच्च विद्यालय पुरानी साहिबगंज का डीसी ने किया निरीक्षण

नवप्रदेश/साहिबगंज। उपायुक्त दीपक कुमार दुबे ने उत्कमिit उच्च विद्यालय पुरानी साहिबगंज का औपिक निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यार्थियों से संवाद कर पढ़ाई, विद्यालय की व्यवस्था और मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी ली। विद्यार्थियों ने मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता को लेकर शिकायत की। इस पर डीसी ने प्रधानाध्यापक से स्पष्टीकरण मांगने और जिला शिक्षा अधीक्षक को भोजन की गुणवत्ता की जांच कर आवश्यक कार्रवाई का निर्देश दिया। उन्होंने विद्यालय में स्वच्छता, अनुशासन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

दिनदहाई घर का ताला तोड़कर 45 हजार नकद समेत जेवर चोरी

नवप्रदेश/गुमला। शहर के खड़ियापाड़ा निवासी कमलेश गोप के घर में रविवार को दोपहर अज्ञात चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया। चोरों ने घर में रखे बक्से का ताला तोड़कर 45 हजार रुपये नकद, सोने का कंकन और चांदी के जेवर चोरी कर लिए। घटना के संबंध में कमलेश गोप ने गुमला थाना में आवेदन देकर अज्ञात चोरों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। आवेदन में बताया गया है कि रविवार को रात अठह वड़ोड़ी से घर आयोजित सत्यनारायण पूजा में शामिल होने गया था। दोपहर में जब वह वापस घर लौटा तो घर का सामान इधर-उधर बिखरा हुआ था। इसके बाद उसने बक्से की जांच की तो उसका ताला टूटा हुआ मिला। सामान मिलने पर बक्से में रखे 45 हजार रुपये नकद, सोने का कंकन और चांदी के जेवर गायब मिले। पीड़ित ने पुलिस से मामले की जांच कर चोरी में शामिल आरोपितों को गिरफ्तार करने की मांग की है।

जेजे कॉलेज बचाओ संघर्ष समिति की कोर कमिटी बैठक संपन्न

आंदोलन को गति देने का निर्णय

पंचायत से प्रखंड स्तर तक कमिटी गठन कर चलाया जाएगा जनजागरूकता अभियान, नवंबर में जिला मुख्यालय पर होगा विशाल धरना

नव प्रदेश संवाददाता कोडरमा। शिक्षा व शैक्षणिक संस्थान बचाओ, डेटे, बेटियों का भविष्य बचाओ, कोडरमा बचाओ आंदोलन को गति देने



कार्यकारी अध्यक्ष तथा अमन यादव को सुरक्षा व्यवस्था का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया। वहीं प्रमोद यादव को उप कोषाध्यक्ष, मंटू कुमार यादव को कोषाध्यक्ष और सुजीत कुमार सुमन को संगठन मंत्री की जिम्मेदारी दी गई। बैठक में तय

गुमला जिला के तीनों विधानसभा सीट जितने की हो तैयारी : सागर उरांव

नवप्रदेश/गुमला। भाजपा जिला कार्यालय डुमराडीह में भाजपा जिला अध्यक्ष सागर उरांव के अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण सांठगनिक बैठक संपन्न हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य जिले में संगठन को और अधिक धार कैसे मिले तथा नवीन और पुरातन कार्यकर्ता कैसे एक मंच पर आकर संगठन को मजबूत करें इस विषय पर चर्चा करना था। बैठक मे मुख्य रूप से उपस्थित डॉ दिनेश उरांव ने कहा सर्वप्रथम सभी कार्यकर्ताओं को संगठन के प्रति ईमानदार होना होगा तथा अनुभवी और समर्पित कार्यकर्ताओं का आज के युवाओं को अनुभव प्राप्त कर

ईद उल मिलादुन्नबी को लेकर सदर थाना परिसर में शांति समिति की बैठक सम्पन्न

नवप्रदेश/गुमला। सदर थाना परिसर में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सुरेश प्रसाद यादव की अध्यक्षता में ईद उल मिलादुन्नबी पर्व को लेकर शान्ति समिति की बैठक का आयोजन किया गया। आपसी भाईचारागी और शोहराद पूर्ण वातावरण में त्यौहार मनाने का निर्णय लिया गया। अनुजमन इस्लामिया के सदर मुशाहिद आजमी ने इस मौके पर कहा कि गुमला शहर में हर साल की भांति इस वर्ष भी भव्य तरीके से अंजुमन इस्लामिया और उलमाएं कराम की अगवाई में 26 अगस्त

गेरुआ रंग में रंगा बाबाधाम, अंतिम सोमवार को जलार्पण के लिए उमड़े शिवभक्त

देवघर। राजकीय श्रावणी मेला अंतिम पड़ाव की ओर बढ़ने के बावजूद आस्था और भक्ति के चरम पर है। सावन के अंतिम सोमवार को जलाभिषेक के लिए रविवार देर शाम से ही देवघर में कांवड़ियों की भीड़ बढ़ने लगी। इस वर्ष सावन में चार सोमवार पड़ने के कारण प्रत्येक सोमवार को बाबाधाम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। तीन सोमवार के बाद अब अंतिम सोमवार को जलार्पण के लिए बढ़ी संख्या में कांवड़िये देवघर पहुंच चुके हैं। देर रात तक शहर के विभिन्न हिस्सों के साथ-साथ बीएड कॉलेज परिसर में भी कांवड़ियों की अच्छी-खासी संख्या जमा हो गई। तिम सोमवार को लेकर जिला प्रशासन पहले से ही पूरी तरह मुस्तैज रहा। रविवार देर रात जिला स्तर के अधिकारियों ने स्वयं कांवरिया रूट का निरीक्षण किया और भीड़ की स्थिति के अनुसार व्यवस्थाओं को और सुदृढ़ किया। सुरक्षा व्यवस्था से लेकर श्रद्धालुओं की सुविधा तक हर पहलू पर विशेष नजर रखी गई। इससे पहले श्रावणी मेले के 25वें दिन रविवार तड़के बाबा बैद्यनाथ मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए।

अंतरजिला फुटबॉल टूर्नामेंट के आयोजन को लेकर किया गया पंचायत स्तरीय बैठक

नव प्रदेश संवाददाता/मरकच्ची। प्रखंड के तेरोडीह पंचायत स्थित बीचरिया चौक पर पूर्व की भांति पुनः फिर से इस वर्ष में होनेवाले अंतरजिला फुटबॉल टूर्नामेंट के आयोजन को लेकर रविवार को पंचायत स्तरीय बैठक का आयोजन पंचायत के वरिष्ठ समाजसेवी कृष्णदेव यादव के अध्यक्षता में किया गया। वहीं बैठक में पंचायत के समाज सेवियों और जनप्रतिनिधियों ने पहुंचकर उक्त टूर्नामेंट के आयोजन को लेकर कमिटी का गठन किया। जिसमें इस अंतरजिला फुटबॉल टूर्नामेंट के कमिटी के अध्यक्ष के रूप में पंचायत के वरिष्ठ समाजसेवी सह पूर्व मुखिया मनिंदर राम, उपाध्यक्ष के रूप में कृष्णदेव यादव, सचिव के रूप में संजय सिंह,उप सचिव नारायण कुमार दास, और कोषाध्यक्ष के रूप में प्रदीप राम का चुनाव सर्व सम्पति से किया गया। जहां संरक्षक के रूप में पंचायत समिति सदस्य दीपक राम , मुखिया दीपन पांसी,वरिष्ठ समाजसेवी राम प्रसाद साव समेत दर्जनों लोगों का चुनाव कियागया । वहीं बैठक के दौरान कमिटी के नव निर्वाचित अध्यक्ष मनिंदर राम ने बैठक को संबोधित करतेहुए बताया की समय बहुत कम है और चूँकि इस फुटबॉल टूर्नामेंट को शफल बनाने के लिए बहुत सारी तैयारियां भी करना है ताकी हम किसी भी हाल में सितंबर महीने यानी अगले महीने के शुरूआती सप्ताह में पहला उद्घाटन मैच का उद्घाटन कर सकें इसके लिए सबसे अधिक जरूरी कोष संग्रह का कार्य जरूरी है इसलिए पंचायत के सभी एक्टिव सदस्यों से आग्रह होगा की इस बुधवार को पुनः एक आवश्यक बैठक का आयोजन कर उद्घाटन मैच की तिथि को तय करलेना है। और इसके लिए पूरे तेरोडीह पंचायत के लोग पूरी तरह जो दायित्व उठें अगले बैठक में दिवाजया उरमें लग जाएं। वहीं बैठक में दामोदर कुशवाहा, राजेश कुशवाहा, अरुण सिंह, संजय राम, कृष्णदेव यादव, दीपक राम समेत दर्जनों लोग मौजूद थे।

तालाबंदी आंदोलन की सफलता की विस्तार से समीक्षा की गई।आंदोलन के दौरान छात्रों, अभिभावकों एवं आम लोगों से मिले समर्थन पर भी चर्चा की गई तथा आगे की रणनीति तैयार की गई।

बैठक में जेजे कॉलेज सहित कोडरमा जिले के तमाम डिग्री कॉलेजों को विनोबा भावे विद्याविद्यालय, हजारीबाग मात्र 55 कमी से हटाकर गिरिडीह 130 किलोमीटर विश्वविद्यालय से जोड़ने के सरकार के अव्यवहारिक निर्णय एवं जिले के जनप्रतिनिधियों की कथित उदासीनता से छात्र-छात्राओं के भविष्य पर प्रतिकूल

कलीडीह चौक, यादव चौक, पंचमोह, राउतडीह चौक एवं मस्जिद चौक गोहाल होते हुए वापस बासोडीह पहुंचेगी।आयोजन समिति के अनुसार जन्माष्टमी की पूजा पूर्व की भांति वेद मंदिर, बरियाराडीह में आयोजित की जाएगी। महोत्सव के दौरान शांति एवं विधि-व्यवस्था बनाए रखने को लेकर भी विशेष रणनीति तैयार की गई निर्णायक समिति में थाना प्रभारी बन्तू कुमार सिंह, जिला परिषद प्रतिनिधि धनंजय यादव, टेहरा पंचायत के मुखिया सदानंद कुमार, अजीत यादव, प्रमुख

है तो इस बैठक में आकर अपने विचार अवश्य दें तथा संगठन के मजबूती में अपनी भी भागीदारी सुनिश्चित करें! नगर परिषद में अध्यक्ष का पद भाजपा की झोली में जाने का सबसे बड़ा कारण यही

रहा कि पूरे गुमला नगर के कार्यकर्ता एकजुट होकर चुनाव लड़े ! यही मजबूती और एकजुटता जिले के सभी मंडलों के कार्यकर्ताओं को दिखाना है ताकि 2029 में विधानसभा का चुनाव सिसई, गुमला और बिशनपुर पुन भाजपा के झोली में आ जाए ! बैठक मे सत्यनारायण पटेल, निर्मल गोयल, श्यामसुंदर साहू, भूपन साहू, सुरेश नाथ सिंह, दिनेश्वर साहू , संदीप प्रसाद ,अमरमणि उरांव, सोमानी देवी, लक्ष्मी यादव, संजय वर्मा, अरविंद मिश्रा, बबलू सिंह आदि ने भी अपने अपने विचार रखे !

है तो इस बैठक में आकर अपने विचार अवश्य दें तथा संगठन के मजबूती में अपनी भी भागीदारी सुनिश्चित करें! नगर परिषद में अध्यक्ष का पद भाजपा की झोली में जाने का सबसे बड़ा कारण यही

के मस्जिदों और मदरसों और मकानो दुकानों आदि में सजावट का काम जोरों शोर से चल रहा है उन्होंने कहा कि जुलूस को कामयाब बनाने के लिए जिला प्रशासन को स्टू चार्ट अंजुमन द्वारा पहले दी जा चुकी है साथ उन्होंने कहा कि त्योहार को देखते हुए मुस्लिम मोहल्ला खासकर मस्जिद और मदरसा के समीप कूड़े कचरे को साफ सफाई कम्मे की आवश्यकता है।

बिजली पानी की आपूर्ति निश्चित हो तथा जुलूस केदिन ट्रैफिक की व्यवस्था जुलूस निकलने से लेकर समाप्त तक वाहनों का परिचालन बताया गया स्थान पर कंद हो

ताकि किसी को पेशानी ना हो साथी उन्होंने कहा कि मदरसा इस्लामिया गुमला जामा मस्जिद थाना रोड गुमला तथा बाजार ताड स्थित मोती मस्जिद तीनों स्थानों पर पानी की टैंकर की व्यवस्था नगर परिषद से करवने की मांग उठाने रखी, इस मौके पर अंजुमन के सचिव मकसूद आलम ने कहा कि वह जुलूस निहायत अदब और फ़ैतेमते के साथ निकली जाते है भारी भीड़ होती है इसलिए जुलूस के मैके पर फस्ट एड के लिए एम्बुलेंस तथा पानी का एक टैंकर साथ हो विधि व्यवस्था के लिए पुलिस प्रशासन तथा लाइट की व्यवस्था सुनिश्चित करने की बात कही

जलवायु अनुकूलन योजनाओं में शामिल होगी बच्चों की आवाज सुरसांग में बाल नेतृत्व संवाद कार्यशाला का आयोजन



भूमिका पर चर्चा की गई। साथ ही पंचायत (अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार) अधिनियम यानी पेसा के प्रावधानों तथा ग्राम सभा की भूमिका के बारे में भी जानकारी दी गई। कार्यशाला में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि बच्चों से जुड़ी समस्याओं और उनकी आवश्यकताओं की पहचान उनकी सक्रिय सहभागिता से की जाए। बच्चों के सुझाव एवं प्राथमिकताओं को जी पी डी पी तथा स्थानीय जलवायु अनुकूलन योजनाओं में शामिल करने से बाल-अनुकूल योजनाओं को प्राथमिकता देने और पंचायत स्तर पर बच्चों से संबंधित समस्याओं के प्रभावी समाधान में मदद मिलेगी। इस दौरान जन प्रतिनिधियों, ग्राम सभा सदस्यों, ग्राम प्रधानों, पंचायत सहायक, बच्चों एवं अन्य पंचायत हितधारकों को बाल-अनुकूल पंचायत के निर्माण और निर्णय

एक नजर

ध्वजाधारी धाम पदयात्रा को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियों का लिया जायजा

झरना कुंड धाम से ध्वजाधारी धाम तक आज निकलेगी लगभग 15 किलोमीटर की पदयात्रा

नव प्रदेश संवाददाता/कोडरमा। 24 अगस्त 2026 को झुमरी तिलैया स्थित झरना कुंड धाम से ध्वजाधारी धाम, कोडरमा तक लगभग 15 किलोमीटर की पदयात्रा आयोजित की जाएगी। पदयात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुगम यातायात, विधि-व्यवस्था, चिकित्सा सुविधा, पेयजल, स्वच्छता सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर व्यापक तैयारियों की गई हैं। पदयात्रा के उपरांत श्रद्धालुओं द्वारा ध्वजाधारी धाम में जलाभिषेक किया जाएगा। इसी क्रम में उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता एवं पुलिस अधीक्षक कुमार शिवाशीष द्वारा संयुक्त रूप से पदयात्रा को लेकर की गई तैयारियों का जायजा लिया गया। इस दौरान पदाधिकारियों द्वारा पदयात्रा मार्ग, यातायात व्यवस्था, श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की जानकारी ली गई। उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूरा करने तथा पदयात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की कठिनाई न हो, इसका विशेष ध्यान रखने का निर्देश दिया। उन्होंने सुरक्षा एवं विधि-व्यवस्था के साथ-साथ यातायात प्रबंधन, पेयजल, स्वच्छता एवं चिकित्सा सुविधा की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। पुलिस अधीक्षक ने पदयात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था एवं यातायात नियंत्रण को लेकर आवश्यक दिशा, निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित पुलिस पदाधिकारियों को संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखने तथा श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया। बैठक में अपर समाहार्त संजय पीएम कूजूर, अनुमंडल पदाधिकारी निर्मल सोरेन, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी प्रमोद कुमार, उप निवाचन पदाधिकारी विजय कुमार सोनी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी राम रतन वर्माबल सहित विभिन्न विभागों के दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बरकट्टा: केंदुआ में फुटबॉल टूर्नामेंट का भव्य आगाज, जानकी प्रसाद यादव ने फीता काटकर किया उद्घाटन

नव प्रदेश/बरकट्टा। विधानसभा क्षेत्र के चलकुशा प्रखंड अंतर्गत सेवादा पंचायत के ग्राम केंदुआ. 02



में प्रिंस वलब केंदुआ . 02 एवं फलाहुल मुस्लिमीन कमिटी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित फुटबॉल टूर्नामेंट का विधिवत शुभारंभ हुआ। टूर्नामेंट का उद्घाटन झारखंड राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष एवं बरकट्टा के पूर्व विधायक जानकी प्रसाद यादव ने फीता काटकर एवं फुटबॉल को किक मारकर किया।

ज्ञात हो कि कमिटी द्वारा प्रत्येक वर्ष 22 अगस्त को फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया जाता है। उद्घाटन समारोह में लगभग शामिल होने का अवसर मिलने पर जानकी प्रसाद यादव ने कमिटी के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव समेत सभी सदस्यों एवं केंदुआ. 02 के ग्रामीणों के प्रति अभिमान जताया। उद्घाटन में जोहार 11 एफसी और एचबी वलब पुरानामा के बीच खेला गया। दोनों टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक-एक गोल किया और मुकाबला बराबरी पर समाप्त हुआ। कमिटी द्वारा दोनों टीमों को पुनः खेलने का अवसर दिया जाएगा। मौके पर खेलप्रतियोगी में खासा उत्साह देखने को मिला। जानकी प्रसाद यादव ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में छिपी खेल प्रतिभाओं को मंच देने और युवाओं को खेल से जोड़ने की दिशा में ऐसे आयोजन बेहद सहायनी हैं। कार्यक्रम में पूर्व जिला परिषद उपाध्यक्ष हजारीबाग चंदन देवी, बरकट्टा उन्तरी जिला परिषद सदस्य कुमुकुम देवी, चलकुशा मुखिया संघ अध्यक्ष आलोक सिंह, मुखिया सुखदेव यादव, रामदेव यादव, देवेंद्र पांडेय, दयारथ यादव, केदार यादव, बाबूलाल यादव, लक्ष्मण यादव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं खेलप्रतियोगी मौजूद रहे।

झुमरी तिलैया में गूँजे हर. हर महादेव के जयकारे, 100 से अधिक नन्हें कांवड़ियों ने निकाली भव्य पदयात्रा

नव प्रदेश संवाददाता/झुमरी तिलैया। मारवाड़ी युवा मंच एवं प्रेरणा शाखा के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को शहर में भव्य बाल कांवड़ पदयात्रा निकाली गई। दोपहर 3 बजे चांडक कैंपस स्थित श्री राम जानकी मंदिर से शुरू हुई पदयात्रा में 100 से अधिक नन्हें कांवड़िए उत्साह के साथ शामिल हुए। कांवड़ियों ने धार्मिक जयकारों के बीच पदयात्रा करते हुए शतिला माता मंदिर, एड्डी बंगला पहुंचकर यात्रा का समापन किया। आयोजकों ने बताया कि बच्चों की सुविधा और सुरक्षा को लेकर यात्रा के दौरान विशेष व्यवस्थाएं की गई थीं। बाल कांवड़ पदयात्रा का उद्देश्य बच्चों में धार्मिक आस्था, संस्कार, अनुशासन और सामूहिक सहभागिता की भावना को बढ़ावा देना है। यात्रा के दौरान बच्चों का उत्साह देखते ही बन। समापन अवसर पर नन्हें कांवड़ियों को सम्मानित भी किया गया। मौके पर मारवाड़ी युवा मंच अध्यक्ष मोहित संधई, प्रेरणा शाखा अध्यक्ष आकृति चौधरी, सहायक मंत्री श्रेया केडिया, सारिका लहूा एवं चंद्रशेखर जोशी सहित कई सदस्य मौजूद रहे।

महेशपुर पुल पर तेज रफ्तार वाहन का कहर, चार महिलाएं घायल

खेत से घर लौट रही महिलाओं को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, दो की हालत गंभीर



नव प्रदेश संवाददाता/कोडरमा। डोमवांच थाना क्षेत्र के कोडरमा-गिरिडीह मुख्य मार्ग स्थित महेशपुर पुल के पास रविवार देर शाम तेज रफ्तार अज्ञात चार पहिया वाहन ने चार महिलाओं को टक्कर मारी दी। हादसे में सभी महिलाएं घायल हो गईं, जबकि एक महिला की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। घायलों की पहचान लक्ष्मी देवी (39), पति पवन कुमार मेहता, कंचन देवी (45), पति अशोक मेहता और कंचन देवी (36), पति राजेश मेहता, सभी निवासी बिधिन पिंडा कालीमंडा के रूप में हुई है। वहीं चौथी घायल महिला की पहचान नहीं हो सकी है। जानकारी के अनुसार, सभी महिलाएं महेशपुर स्टेशन की ओर स्थित अपने खेत से काम कर वापस घर लौट रही थीं। कुछ महिलाएं घास लेकर सड़क से गुजर रही थीं। इसी दौरान महेशपुर पुल के समीप तेज रफ्तार वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद चालक वाहन लेकर फरार हो गया। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए सभी घायलों को डोमवांच रेफरल अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल एक महिला को बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल कोडरमा रेफर किया गया। डोमवांच शहीद चौक दाब रोड में गाड़ी की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। खबर लिखने तक ब्रेजा गाड़ी संख्या जेचर 12 एम 5121 थाना ले जाने की तैयारी पुलिस कर रही है. वहीं आक्रोशित परिजनों ने आरोपी पर दोस कार्रवाई और ज़र रफ्तार और ड्रिंक एवं ड्राइव पर अंकुश लगाने की मांग किया है।

एसआईआर-2026 के तहत मतदान केंद्रों का निरीक्षण

नवप्रदेश/साहिबगंज। विशेष गहन पुरीक्षण (एसआईआर)–2026 के तहत निर्वाचन निबंधन पदाधिकारी सह हापुड समाहार्त विजय कुमार दास ने बरहेट प्रखंड के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने नए मतदाताओं के प्रप्रत्र-6 और प्रप्रत्र-8 की जांच की। संबंधित बीएलओ को निर्देश दिया गया कि पात्र नागरिकों का नाम मतदाता सूची में शामिल करने में किसी तरह की लापरवाही न हो। उन्होंने स्वच्छ एवं वृटिद्विहित मतदाता सूची तैयार करने पर जोर दिया।

बालिकाओं को शिक्षा, सुरक्षा और स्वास्थ्य के प्रति किया जागरूक
नवप्रदेश/साहिबगंज। बरहेट के जनता प्लास टू उच्च विद्यालय में बालिकाओं को शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य और सशक्तीकरण के प्रति जागरूक करने के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया। सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, बाल संरक्षण, डिजिटल साक्षरता, गुड टच-बैड टच, मासिक धर्म स्वच्छता, बाल विवाह रोकथाम और बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ सहित विभिन्न विषयों की जानकारी दी गई। किशोरियों को सेमेटरी पैड भी वितरित किए गए।

सदर अस्पताल के औपिक निरीक्षण में डीसी ने दिए सख्त निर्देश

नवप्रदेश/साहिबगंज। उपायुक्त दीपक कुमार दुबे ने सदर अस्पताल का औपिक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं और मरीजों को मिल रही सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों की समय पर उपस्थिति, सफाई, दवा उपलब्धता और मरीजों की सुविधा पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। अनुपस्थित पाए गए चिकित्सकों से स्पष्टीकरण मांगने का निर्देश दिया गया। डीसी ने अस्पताल में उपलब्ध दवाओं के अनुसार जेनेरिक दवा लिखने, जन औषधि केंद्र में पर्याप्त दवा रखने तथा वाडों में बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा।

गंगा का जलस्तर बढ़ा, बाढ़ से निपटने की तैयारी तेज

नवप्रदेश/साहिबगंज। गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर और संभावित बाढ़ की स्थिति को लेकर उपायुक्त दीपक कुमार दुबे ने संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने राहत शिविर तैयार रखने, पेयजल, भोजन, राशन, प्रकाश, शौचालय और दवाओं की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। नावों में पर्याप्त लाइफ जैकेट, बचाव दल और पुर्बल्लेस तैयार रखने को कहा गया। उपायुक्त ने अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने और किसी भी आपदा की स्थिति में लोगों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का निर्देश दिया।



5 करोड़ लोग भुखमरी की ओर

विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) की सुपर अल नीनो को लेकर जताई गई आशंका पूरी दुनिया के लिए गंभीर चेतावनी है। यदि शक्तिशाली अल नीनो की स्थिति बनती है तो अगले साल के अंत तक दुनिया के सबसे कमजोर क्षेत्रों में करीब 5 करोड़ अतिरिक्त लोग भुखमरी के कमार पर पहुंच सकते हैं। यह आंकड़ा केवल एक मौसम संबंधी संकेत का संकेत नहीं है, बल्कि वैश्विक खाद्य व्यवस्था की कमजोरियों को भी सामने लाता है। अल नीनो प्रशांत महासागर के पानी के असामान्य रूप से गर्म होने की प्राकृतिक मौसमी घटना है। इसका प्रभाव दुनिया के विभिन्न हिस्सों के मौसम पर पड़ता है। कहीं सूखा पड़ता है तो कहीं बाढ़ और अत्यधिक गर्मी की स्थिति पैदा होती है। सबसे ज्यादा चिंता कहीं को लेकर है, क्योंकि मौसम में मामूली बदलाव भी फसल उत्पादन और खाद्य आपूर्ति को प्रभावित कर सकता है। डब्ल्यूएफपी ने बहुत मजबूत अल नीनो की 81 प्रतिशत संभावना जताई है। उसके आकलन के अनुसार, गंभीर खाद्य असुरक्षा से जुड़ा रहे लोगों की संख्या करीब 4.9 करोड़ बढ़ सकती है और यह आंकड़ा 27.4 करोड़ तक पहुंच सकता है। मध्य अमेरिका और दक्षिणी अफ्रीका को सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में माना जा रहा है। दक्षिण अमेरिका और कैरेबियन क्षेत्र भी इसके प्रभाव से अछूते नहीं रहेंगे। इस संकेत का दूसरा बड़ा पहलू खाद्य कीमतों में संभावित वृद्धि है। किसी क्षेत्र में फसल खराब होने पर स्थानीय बाजार में आपूर्ति घटती है और कीमतें बढ़ती हैं। इसका सबसे ज्यादा असर गरीब और निम्न आय वर्ग के परिवारों पर पड़ता है। ऐसे परिवार अपनी आय का बड़ा हिस्सा भोजन पर खर्च करते हैं। महंगे अनाज पर उनके सामने पर्याप्त और पौष्टिक भोजन जुटाने का संकेत खड़ा हो जाता है। भारत के लिए भी यह चेतावनी बेहद महत्वपूर्ण है। देश की कृषि आज भी काफी हद तक मानसून पर निर्भर है। अल नीनो के कारण मानसून कमजोर या अनियमित रहने तो खरीफ फसलों पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। दूसरी ओर, अचानक अत्यधिक बारिश भी खेतों में खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचा सकती है। इसका असर अनाज, दाल, तिलहन और सब्जियों की कीमतों पर पड़ना स्वाभाविक है। इस संभावित संकेत से निपटने के लिए केवल मौसम का पूर्वानुमान पर्याप्त नहीं होगा। सरकार को खाद्यान्न भंडार की स्थिति मजबूत रखने, किसानों को मौसम आधारित सलाह देने, सिंचाई सुविधाओं का विस्तार करने और फसल बीमा तथा आपदा राहत व्यवस्था को प्रभावी बनाने पर ध्यान देना होगा। जल्दतर पड़ने पर गरीब परिवारों के लिए खाद्य सहायता का दावरा भी बढ़ाना होगा। सुपर अल नीनो को केवल प्राकृतिक आपदा मानकर छोड़ देना बड़ी भूल होगी। यह कृषि, खाद्य सुरक्षा, महंगाई और करोड़ों लोगों की आजीविका से जुड़ा संकेत बन सकता है। इसलिए दुनिया के देशों को चेतावनी के इस दौर को तैयारी के अवसर में बदलना होगा। समय रहते उठाए गए कदम ही करोड़ों लोगों को भुखमरी और खाद्य असुरक्षा से बचा सकते हैं।

मुद्दा

कांग्रेस कोलकाता अधिवेश में गाया गया वन्देमातरम्

आचार्य संजय तिवारी

बंकिम बाबू का आनंद मठ 1882 में प्रकाशित हो गया। इसके दसवें वर्ष जब इस उपन्यास से लेकर वन्देमातरम गीत को कांग्रेस के मंच पर 1892 में कलकत्ता अधिवेशन में गाने की बात आई उसी समय इसका विरोध शुरू हो गया। यद्यपि वन्देमातरम उसी समय बंगाल में जन गीत बन चुका था किंतु कांग्रेस के कुछ नेताओं और मुस्लिम प्रतिनिधियों को यह पसंद नहीं था। फिर 1905 से 1908 में बंगाल आंदोलन का दौर आया। वन्देमातरम इस आंदोलन का आधार गीत बन गया। अंग्रेजी हुकूमत ने इसका प्रभाव कम करने के लिए मुसलमानों को खूब उकसाया। बावजूद इसके 1906 में कलकत्ता के कांग्रेस अधिवेशन में इसे गाया गया। इसके बाद तो वन्देमातरम गीत भारत ही भारत की स्वाधीनता का गान बन गया। इस गीत ने क्रांतिकारियों को अपार ऊर्जा दी। फांसी पर झूलने वाले हर बलिदानी ने इसे ही गाया। भारत की स्वाधीनता के बाद अब जबकि भारत की संसद ने इसे राष्ट्रगान का दर्जा देकर इसके लिए प्रोटोकॉल निर्धारित कर दिए हैं तब भारत के मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस की आज की पहिंम कमेटी ने इसके संपूर्ण भाग को गाने से मना कर दिया है। समझ आता है, बात साफ है, मुस्लिम मुष्टिकरण के लिए कांग्रेस ऐसा कर रही है। 1947 से पहले ‘वदे मातरम्’ गीत का कुछ विरोध ब्रिटिश शासन द्वारा और बाद में 1930 के दशक में मुस्लिम लीग व मोहम्मद अली जिन्ना द्वारा किया गया था। अंग्रेजों ने इसे गाने पर प्रतिबंध लगाया था, वहीं राजनीतिक मंचो पर इस पर विवाद 1937 में सबसे प्रमुख रूप से उभरा था। औपनिवेशिक शासन के दौरान इस गीत को गाने या ‘आनंदमठ’ उपन्यास को रखने पर अंग्रेजों द्वारा जेल भेजने की धमकी दी जाती थी, जो निरंतर जारी रहा। 1937 के कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में मुस्लिम लीग ने इस आधार पर इसका विरोध किया कि इसमें भारत को देवी के रूप में देखा गया है। इस विवाद के समाधान के लिए जवाहरलाल नेहरू की अध्यक्षता में एक समिति बनी, जिसने बीच का रास्ता निकालते हुए इसके शुरुआती दो छंदों को ही राष्ट्रीय कार्यक्रमों के लिए स्वीकार किया। 1940 में मुस्लिम लीग के तीखे विरोध और जिन्ना के बयानों के बाद, राजनीतिक और सामाजिक मेल-मिलाप के मंचो पर इस पूरे गीत को न गाने के निर्देश तय किए गए, ताकि बढ़ते सांप्रदायिक तनाव को रोक़ा जा सके। सबसे महत्वपूर्ण घटना 1923 में घटी। यह संयोग है कि आज ही विष्णु दिगम्बर पलुस्कर की जयंती है। आपने इस महान देशभक्त शास्त्रीय संपीतकार का नाम कम ही सुना होगा। इसलिए आज इनका एक किस्सा सुन लीजिए, यकीन मानिए इसके बाद आप इनका नाम कभी नहीं भूलेंगे। ये उन दिनों की बात है जब कांग्रेस के अधिवेशन का शुभारंभ वंदेमातरम् के गाने से होता था। साल 1923 का अधिवेशन आंध्र प्रदेश में काकीनाडा में हुआ था और खिलाफत आंदोलन के नेता मोहम्मद अली जौहर (आजम खान की युविवर्सिटी वाले) उस समय गांधीजी की कृपा से कांग्रेस के अध्यक्ष थे। अधिवेशन में जब महान शास्त्रीय गायक विष्णु दिगम्बर पलुस्कर ने वन्देमातरम गीत प्रारम्भ किया तो मुहम्मद अली जौहर ने इसे इस्लाम विरोधी बताकर रोकना चाहा इस पर पलुस्कर ने कहा कि- ये कांग्रेस का मंच है, कोई मस्जिद नहीं और इसके बाद उन्होंने पूरे सुर के साथ वन्दे मातरम गाया। इस बात से मोलाना जौहर इतने बेइज्जत हुए कि मुंह छुआते हुए मंच से उतर गये। पलुस्कर जी जैसी हिम्मत अगर आजादी के बाद भी दिखाई गई होती तो वंदेमातरम गीत को आज इस तरह से अपमान सहन न करना पड़ता।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)



हृदयनारायण दीक्षित

स्वस्थ लोकतंत्र में ऐसे आन्दोलन जरूरी होते हैं लेकिन वामपंथी हिंसा के माध्यम से ही सारी समस्याओं का समाधान चाहते हैं। हम संविधान विहीन राष्ट्र की कल्पना भी नहीं कर सकते।

दिमागी नक्सली राज्यविहीन समाज चाहते हैं। वे संविधान का दुरुपयोग करते हैं, गलत व्याख्या करते हैं। धरना प्रदर्शनों में संविधान की प्रति दिखाते रहते हैं। उनका कोई देश नहीं होता। उनसे विचारधारा के आधार पर निपटना जरूरी है।



डॉ. मर्यंक चतुर्वेदी

दहेज के प्रश्न पर भी उपलब्ध सामग्री मनुस्मृति के अध्याय 3 के श्लोक 51 को उल्लेख करती है, जहाँ कन्या के विवाह के बदले शुल्क लेने की निंदा की गई है और लोभवश ऐसा करने वाले पिता की आलोचना की गई है। यह तथ्य आज के संदर्भ में इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे स्पष्ट होता है कि प्राचीन ग्रंथों की सामाजिक व्यवस्थाओं को समझते समय उनके भीतर मौजूद सुधारात्मक और नैतिक निर्देशों को भी देखा जाना चाहिए।

अभिव्यक्ति

लोकतंत्र और आंदोलन में अनुशासन की जरूरत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वाधीनता दिवस के अवसर पर लाल किले से विघटनकारी शक्तियों से सावधान रहने की अपील की है। मोदी का भाषण बार-बार पठनीय है। उन्होंने नक्सली हिंसा की ओर देश का ध्यान आकर्षित किया है। बताया है कि देश की धरती पर सक्रिय भारत विरोधी नक्सलियों का हमने सफाया कर दिया है। सब जानते हैं कि नक्सलपंथ संविधान, परम्परा, संस्कृति और कानून को नहीं मानते। उनका विचार हिंसा और सिर्फ हिंसा है। उनसे लड़ते हुए सुरक्षा बलों के हजारों नौजवान मारे गए हैं। वे राष्ट्रतोड़क हिंसावादी विचारधारा की मजबूती के लिए छद्म नामों से संगठन चलाते हैं। संविधान में उनकी आस्था नहीं है। देश को तोड़ने के लिए वे किसी भी सीमा तक जा सकते हैं। वे स्वयं को विद्वान कहते हैं। उनकी दृष्टि में शेष भारतीय सांप्रदायिक और संस्कृतिविहीन हैं।

नक्सली विचारधारा मार्क्सवाद का विस्तार है। इस विचारधारा में हिंसा और हत्या जैसे कृत्य निंदाीय नहीं हैं। लेनिन ने लिखा था, उत्पीड़ित वर्गों द्वारा उत्पीड़न के खिलाफ, भूतसों द्वारा भूस्वामियों पर चलाए जाने वाले अभियान को पूर्णातः प्रगतिशील मानते हैं। प्रगति प्रकाशन, मार्क्सो द्वारा प्रकाशित पुस्तक में सबकुछ जायज माना गया है। इस विचारधारा से पैदा संगठनों का काम सुव्यवस्थित रूप में चलता है। पढ़-लिख सकते वाले लोग शिक्षण संस्थाओं पर कब्जा करते हैं। ये यत्र-तत्र सर्वत्र हिंसक गतिविधियों का मनमाना विक्षेपण करते हैं। उन्हें समर्थन देते हैं। इनकी तुलना स्पेन के गृहयुद्ध (1938) में प्रचलित फिफथ कॉलिमिस्ट (पांचवां स्तंभ) से की जा सकती है। फ्रेंको के जनरल ने कहा था, हमारे चार दस्ते मैट्रुड पर हमलावर हैं। पांचवां कॉलिम पहले से ही शहर के भीतर मौजूद और सक्रिय है। तभी एक विशेष प्रकार को पत्रकारिता को पांचवां स्तंभ कहा गया।

भारत में पांचवें स्तंभकार (फिफथ कॉलिमिस्ट) सक्रिय हैं। वे हिंसक गतिविधियों का औचित्य सिद्ध करने में लगे रहते हैं। जंतर मंतर की अराजकता वाले अंश का समर्थन करने वाले कथित बुद्धिजीवियों के लेख और विक्षेपण ऐसे ही थे। नक्सलपंथी अपने मिशन में सक्रिय हैं। आईएसआई जैसी संस्थाओं से उनके रिश्ते हैं। कम्युनिस्ट विचारधारा के

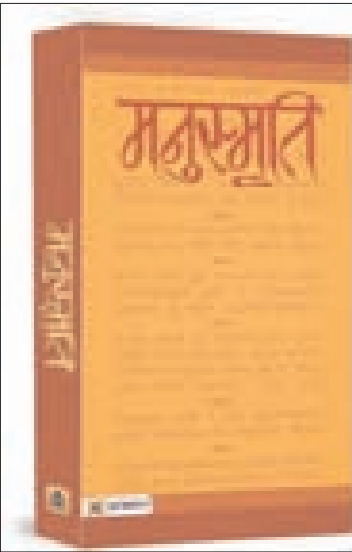


अनुसार संसदीय राजनीति में गरीबों मजदूरों और सर्वहारा वर्ग का कोई हितसाधन संभव नहीं है। जनसंग्राम और जनयुद्ध में ही सर्वहारा वर्ग का हित है। मार्क्स ऐंगल्स ने कम्युनिस्ट घोषणापत्र में सर्वहारा को लड़ाई का तत्व बताया था। इस लड़ाई में, सर्वहारा वर्ग केवल अपने को ही पुनर्जीवित नहीं करता। वह अपने साथ पूरी कौम और पूरे समाज को भी पुनर्जीवित करता है। प्रधानमंत्री ने ऐसी विचारधारा के लिए दिमागी नक्सल शब्द का प्रयोग किया है। स्वयं को सर्वाधिक शिक्षित और विद्वान मानने वाले पूर्व केन्द्रीय मंत्री पी. चिदम्बरम ने फौरन प्रतिक्रिया दी और कहा कि उन्हें दिमागी नक्सल होने पर गर्व है। तमाम अन्य लोगों ने भी प्रतिक्रियाएं दी हैं। दिमागी नक्सल विचारधारा के लोगों ने भारत को कभी एक राष्ट्र नहीं माना। उन्होंने भारतीय ज्ञान परम्परा और दर्शन का मजाक बनाया है। यहाँ के समाज को आत्महीन और छिछड़ा बताया है। उनके ज्ञान का सदुपयोग कग्रेस करती आई है। सोची-समझी रणनीति के तहत वे भारतीय श्रद्धा वाले महापुरुषों और प्रतीकों का अपमान करते रहे हैं। श्रीराम और श्रीकृष्ण को कल्पना बताते रहे हैं। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के परिसर में भारत विरोधी नारेबाजी के तार भारत तरे टुकड़े होंगे तक विस्तृत है। वे संवैधानिक संस्थाएं नहीं मानते। वे न्यायपालिका का आदर नहीं करते। कालं मार्क्स, लेनिन और

मनुस्मृति में स्त्री विमर्श : आलोचना का आधार गंभीर हो

राहुल गांधी ने पुणे के एक कार्यक्रम में मनुस्मृति के एक चर्चित श्लोक, न स्त्री स्वात्मन्यमर्हति का उल्लेख करते हुए उसके आधार पर मनुस्मृति की स्त्री-विषयक दृष्टि पर सवाल उठाया। अब असल प्रश्न यह है कि क्या किसी भी प्राचीन ग्रंथ का मूल्यांकन उसके एक अंश को संदर्भ से अलग करके किया जा सकता है? उपलब्ध सामग्री को अध्ययन के आधार पर यही निष्कर्ष निकलता है कि राहुल गांधी की स्त्री विषयक टिप्पणियों में गंभीर वैचारिक दोष है।

वास्तव में मनुस्मृति को समझने के लिए उसके पूरे सामाजिक और विधिक संदर्भ को देखना आवश्यक है। मनुस्मृति में स्त्री के सम्मान, मातुत्व, स्त्रीधन, पारिवारिक उत्तरदायित्व और वैवाहिक निष्ठा को लेकर अनेक स्पष्ट विधान मिलते हैं, इसलिए न स्त्री स्वात्मन्यमर्हति को पूरे ग्रंथ का प्रतिनिधि वाक्य मान लेना एकांगी निष्कर्ष होगा। मनुस्मृति के तीसरे अध्याय का प्रसिद्ध श्लोक है, यत्र नार्यस्तु पुत्र्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः। अर्थात् जहाँ नारियों का सम्मान होता है, वहाँ देवताओं का निवास माना गया है। अगर जहां उनका सम्मान नहीं होता, वहां किए गए कर्म निष्फल हो जाते हैं। यह श्लोक स्त्री को परिवार और सामाजिक जीवन की गरिमा के केंद्र में रखता है। यहां एक महत्वपूर्ण बात समझने की आवश्यकता है। स्त्री के सम्मान और उसकी सुरक्षा को सामाजिक दायित्व मानना अपने आप में स्त्री-विरोधी दृष्टिकोण नहीं कहा जा सकता। मनुस्मृति में माता के गौरव को अत्यंत ऊंचा स्थान दिया गया है। दूसरे अध्याय के 145वें श्लोक में माता को पिता से भी अधिक सम्मान का अधिकारी बताया गया है, सर्वत्र तु पितृन्माता गौरवेणातिरिचते। अर्थात् गौरव की दृष्टि से माता का स्थान एक हजार पिताओं से भी ऊपर बताया गया है। यदि राहुल गांधी मनुस्मृति की स्त्री-दृष्टि पर प्रश्न उठाते हैं तो सब श्लोक सहित उन सभी



प्रावधानों पर भी समान रूप से चर्चा होनी चाहिए जो स्त्री को परिवार की प्रतिष्ठा और नैतिक केंद्र मानते हैं। किसी एक कथन को लेकर पूरे ग्रंथ का चरित्र निर्धारित करना उसी प्रकार अंधूरा होगा, जैसे किसी आधुनिक संविधान की एक धारा के आधार पर उसके पूरे दर्शन को परिभाषित कर देना।

मनुस्मृति में स्त्रीधन की अवधारणा भी उल्लेखनीय है। उपलब्ध सामग्री में अध्याय 9 के श्लोक 194 का संदर्भ देते हुए बताया गया है कि विवाह और पारिवारिक अवसरों पर स्त्री को प्राप्त धन और आभूषण उसके अधिकार से जुड़े माने गए हैं तथा पुरुष द्वारा उस संपत्ति के अनुचित उपयोग को स्वीकार नहीं किया गया। यह तथ्य

माओत्सेतुंग इनके देवता हैं। इसी विचार के लोगों ने महात्मा गांधी तक को गालियां दी थीं। हिंसा ही उनकी दृष्टि में सारी समस्याओं का समाधान है। वे कथित रूप में सर्वहारा की तानाशाही लाना चाहते हैं। भिन्न-भिन्न नामों से काम करते हैं और हिंसा का प्रचार करते हैं। नक्सलपंथ भी इसी नाम बदलने की शैली से विकसित हुआ है। पश्चिम बंगाल के गांव नक्सलवादी में दो वर्गों में संघर्ष हुआ। इन्हीं लोगों ने एक गुट को संरक्षण दिया। इस काण्ड में तमाम हत्याएं हुई थीं। इन लोगों ने नक्सलवाड़ी गांव में हुए इस संघर्ष का नाम नक्सलपंथ रखा। नक्सलपंथ माओ से प्रेरित है। हिंसा और हत्या, लूटपाट और डकैती इनके सामान्य हथियार हैं। विश्वविद्यालय इस विचारधारा के प्रचार के लिए सरल और सुगम मार्ग प्रतीत होते हैं। दिल्ली के विश्वविद्यालय जब तब दिमागी नक्सली विचारधारा के प्रचार का अड्डा बन जाते हैं। जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शनों ने देश का दिल और सुगम मार्ग प्रतीत होते हैं। दिल्ली के विश्वविद्यालय अधिकार है। संविधान में विचार अभिव्यक्ति की आजादी का स्पष्ट उल्लेख है। लेकिन उसी अनुच्छेद 14 (1) में इस आजादी को लोकव्यवस्था के

अधीन संयमित किया गया है। अनुशासित आन्दोलन लोकतंत्र को मजबूत करते हैं। ऐसे अनुशासित आन्दोलन होते रहने चाहिए। लेकिन संसद, प्रधानमंत्री आदि संस्थाओं की गरिमा महिमा का अतिक्रमण संविधान सममत नहीं है। किसी भी आन्दोलनकारी को देश की संवैधानिक संस्थाओं को लतियाने की छूट नहीं दी जा सकती। कार्यपालिका संविधान चुनावी जनादेश के अधीन कार्य करती है। हजार दो हजार लोगों की भीड़ कार्यपालिका से जबरदस्ती कार्य नहीं करा सकती। आन्दोलनकारियों की मांगों पर विचार करना निर्वाचित सरकार का कर्तव्य है। स्वस्थ लोकतंत्र में ऐसे आन्दोलन जरूरी होते हैं लेकिन वामपंथी हिंसा के माध्यम से ही सारी समस्याओं का समाधान चाहते हैं। हम संविधानविहीन राष्ट्र की कल्पना भी नहीं कर सकते। दिमागी नक्सली राज्यविहीन समाज चाहते हैं। वे संविधान का दुरुपयोग करते हैं, गलत व्याख्या करते हैं। धरना प्रदर्शनों में संविधान की प्रति दिखाते रहते हैं। उनका कोई देश नहीं होता। उनसे विचारधारा के आधार पर निपटना जरूरी है। आइए, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के कुछ प्रसंगों को ध्यान में लेते हैं। संसद हमले के मुख्य आरोपित आतंकी अफजल गुरु को फांसी हुई थी। इस फांसी के विरोध में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में सभा हुई। इस कार्यक्रम में भारत विरोधी नारेबाजी की गई। इन लोगों ने भारत तरे टुकड़े होंगे जैसे राष्ट्रघाती नारे लगाए। नारेबाजी में अफजल हम शर्मिदा हैं, तरे कातिल ज़िंदा हैं, तुम कितने अफजल मारोगे घर-घर से अफजल निकलेगा जैसे नारों से देश शर्मिदा हुआ था। इसी नारेबाजी में ब्राह्मणवाद से आजादी, मुनुवाद से आजादी, राष्ट्रवाद से आजादी जैसे आपत्तिजनक नारे भी लगे थे। ऑल इंडिया स्टूडेंट फेडरेशन मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी को छात्र इकाई है। उपर्युक्त विवादित कार्यक्रम में कन्हैया कुमार, उमर खालिद, शेहला राशिद जैसे छात्रनेता देशतोड़क जमात में थे। देश के नक्सल प्रभावित राज्यों से इस विचारधारा का सफाया हो गया है। लेकिन ये लोग वेश बदलकर छोटे-मोटे आंदोलनों में चुपकैट कर जाते हैं। इनसे सतर्क रहना आवश्यक है।

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

कर रहे हैं, तो उन्हें भी पूरे पाठ, उसके ऐतिहासिक संदर्भ, विभिन्न वाद-परंपराओं और उसके भीतर मौजूद परस्पर भिन्न कथनों को सामने रखना चाहिए। आलोचना का अधिकार सबको है, लेकिन आलोचना का आधार भी उसना ही गंभीर होना चाहिए, जितना कि गंभीर आरोप उस पर सार्वजनिक रूप से लगाया जा रहा है। तार्किक रूप से सोचें, जो ग्रंथ एक तरफ नारी को साक्षात लक्ष्मी, पूजनीय और देवताओं के निवास का आधार बताता है, वही ग्रंथ कुछ श्लोकों बाद अचानक स्त्री को प्रताड़ना या अतिकार-हीन कैसे कह सकता है? यह अंतर्विरोध इस बात का अकाट्य प्रमाण है कि बाद के समय में स्वार्थी तत्वों और विदेशी षडयंत्रकारियों द्वारा इसमें मिलावट की गई थी। अब केंद्र एवं राज्य सरकारों के स्तर पर भी विचार कर लें, क्या हम अपनी स्त्रियों, युवतियों, माताओं को संरक्षण नहीं दे रहे, यदि दे रहे हैं। एक बेटी के जन्म से लेकर उसकी मृत्यु तक अनेक राजनीति, नियम, कानून हैं, जिनके माध्यम से आज भी हम अपने समाज की स्त्री को सम्मान दे रहे हैं, उसके हित एवं रक्षा के लिए क्यासंभव प्रयास कर रहे हैं, तब तो हम सब भी राहुल की भाषा में नारी का शोषण कर रहे हैं? ऐसे में कहना यही होगा कि असली समस्या मनुस्मृति से अधिक उस राजनीतिक शैली की है जिसमें जटिल परंपरागत ग्रंथों को कुछ चुने हुए उद्धरणों में समेटकर बिना पूर्ण अध्ययन किए ही राजनीतिक निष्कर्ष निकाल दिए जाते हैं। राहुल गांधी को यदि मनुस्मृति की आलोचना करनी है तो वे उसके प्रत्येक प्रांगरीक पक्ष पर बहस करें। सरस्वती जैसे विद्वानों ने कुछ श्लोकों को मूल मनु की शिक्षाओं से असंगत माना। कई भाषा विद्वा भी यह बता चुके हैं। यही बात राहुल गांधी की टिप्पणी को भी लागू होती है। यदि वे मनुस्मृति के किसी श्लोक को आधार बनाकर उसकी आलोचना

वन्दे मातरम् : राष्ट्रभाव, राष्ट्रीय सम्मान व 2026 का नया कानूनी संरक्षण



कैलाश चन्द्र

आस्था अपनी जगह है। असहमति अपनी जगह है। कानून अपनी जगह है। मातृभूमि के प्रति सम्मान भी अपनी जगह है। मातृभूमि के सम्मान से समझौता कैसे सम्भव है? किसी भारतीय से उसकी पूजा पद्धति पूछे बिना भी यह कहा जा सकता है कि जिस भूमि ने उसे जन्म दिया, उसके प्रति सम्मान रखो।

वन्दे मातरम् का अल्प विरोध भी दिमागी नक्सलवाद और अलगाववादी मानसिकता का प्रतीक है। यह कहना तभी सार्थक होगा जब हम इस कथन को राजनीतिक आपत्ति के बजाय राष्ट्रभाव, इतिहास और संवैधानिक कर्तव्य के व्यापक संदर्भ में समझें। वन्दे मातरम् भारत के राष्ट्रीय जीवन का कोई सामान्य गीत नहीं है। बंकिमचन्द्र चट्टोपाध्याय की यह रचना उन्नीसवीं शताब्दी में जनमी, स्वतंत्रता आंदोलन में राष्ट्रीय चेतना का शक्तिशाली उद्घोष बनी और स्वतंत्र भारत में राष्ट्रीय गीत के रूप में प्रतिष्ठित हुई। इसका पहला ज्ञात प्रकाशन 7 नवम्बर 1875 को बांगदर्शन में हुआ और बाद में 1882 में आनन्दमठ में इसे सम्मिलित किया गया। 1896 में रवीन्द्रनाथ ठाकुर ने इसे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशन में गाया और 1905 के स्वदेशी आंदोलन के दौरान यह औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध राष्ट्रीय प्रतिरोध का प्रमुख उद्घोष बन गया, इसलिए वन्दे मातरम् को दो शब्दों के शाब्दिक अर्थ में सीमित करके देखना उसके डेढ़ शताब्दी की गौरवशाली का प्रयोग होना अन्यायपूर्ण होगा। माता यहां मातृभूमि का प्रतीक है। वह भूमि जिसने अपने संतानों को जन्म दिया, उनका वातन किया और जिसके लिए स्वतंत्रता सेनानियों ने अपना जीवन समर्पित किया।

तथ्यात्मक ईमानदारी यह भी मांग करती है कि हम यह स्वीकार करें कि मूल विस्तृत कविता के बाद के पदों में दुर्गा, कमला और वाणी जैसे हिन्दू धार्मिक सांस्कृतिक प्रतीकों का प्रयोग हुआ है। इसलिए किसी धार्मिक व्यक्ति को इन पदों के प्रति अपनी धार्मिक संवेदना व्यक्त करने का अधिकार है। इस तथ्य से वन्दे मातरम् के राष्ट्रीय और ऐतिहासिक अर्थ समझ नहीं हो जाते।

यही साहित्य और राजनीति के बीच का अंतर समझना आवश्यक है। कविता में रूपक, मानवीकरण, प्रतीक और सांस्कृतिक बिम्बों का प्रयोग होता है। राष्ट्र को जीवंत बनाने की मातृभूमि संबंधी सांस्कृतिक चेतना की अभिव्यक्ति है। यह आवश्यक नहीं कि मातृभूमि को माता कहने वाला व्यक्ति किसी विशेष धार्मिक पूजा पद्धति को स्वीकार कर रहा हो। इसी कारण वन्दे मातरम् को हिन्दू बनाम मुसलमान के प्रश्न में बदल देना उसके व्यापक राष्ट्रीय अर्थ को संकुचित करना है। भारतीय नागरिक की धार्मिक आस्था अपनी जगह है और मातृभूमि के प्रति उसका नागरिक भाव अपनी जगह। दोनों को अनिवार्य रूप से परस्पर विरोधी मानना भारत की बहुलतापूर्ण राष्ट्रीय परंपरा को समझने में असफल होना है।

फिर भी राष्ट्रीय प्रतीक के प्रति असहमति और उसके जानबूझकर अपमान या व्यवधान से स्पष्ट अंतर होना चाहिए। किसी व्यक्ति की निजी धार्मिक अथवा बौद्धिक असहमति अपने आप में वही बात नहीं है जो किसी राष्ट्रीय गीत के गायन को जानबूझकर रोकना या बाधित करना है। यही अंतर 2026 के नए कानून को समझने में निर्णायक है।

राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम



यहां एक महत्वपूर्ण कानूनी सावधानी आवश्यक है। इसका अर्थ यह नहीं है कि जो व्यक्ति वन्दे मातरम् नहीं गाएगा उसे स्वतः तीन वर्ष की जेल होगी। कानून अपराध को जानबूझकर रोकने या व्यवधान उत्पन्न करने से संबंधित है। अर्थात् न गाना और दूसरों को गाने से जानबूझकर रोकना राष्ट्रीय रूप से एक ही बात नहीं है, इसलिए राष्ट्रीय सम्मान की रक्षा करते समय कानून की वास्तविक सीमा को भी सम्मान देना होगा। राष्ट्रभक्ति का अर्थ कानून की अतिरिजित व्याख्या करना नहीं, बल्कि कानून को ठीक ठीक समझना है।

2026 का परिवर्तन फिर भी ऐतिहासिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण है। इससे वन्दे मातरम् को राष्ट्रगान के साथ धारा 3 की विशेष वैधानिक सुरक्षा प्राप्त हुई है। इससे यह राष्ट्रगान नहीं बन जाता। जन गण मन राष्ट्रगान और वन्दे मातरम्

राष्ट्रीय गीत के रूप में अपनी अलग औपचारिक पहचान बनाए रखते हैं। इसी प्रकार 2026 में गृह मंत्रालय ने वन्दे मातरम् के आधिकारिक गायन और उसके राष्ट्रगान के साथ संबंध को लेकर नया प्रोटोकॉल भी जारी किया। जब दोनों का गायन या वादन एक ही चीज नहीं है। धार्मिक संवेदना और राष्ट्र विरोध एक ही चीज नहीं है। इसी प्रकार राष्ट्रभक्ति और धार्मिक एकरूपता भी एक ही चीज नहीं है। वन्दे मातरम् की वास्तविक शक्ति इसी व्यापकता में है कि यह गीत भारत की मातृभूमि को संबोधित करता है। यह उस भूमि को नमन करता है जिसके लिए स्वतंत्रता सेनानियों ने जले भरी, लाटियों खाईं, गोलियों झेलीं और अपने जीवन का बलिदान दिया। इसका राष्ट्रीय अर्थ किसी एक राजनीतिक दल, किसी एक वर्तमान नेता या किसी एक समुदाय से बड़ा है। 1875 की साहित्यिक रचना से लेकर 1905 के

स्वदेशी आंदोलन, 1937 के राष्ट्रीय उपयोग पर हुए विमर्श, 24 जनवरी 1950 के संविधान सभा के निर्णय और 2026 के नए वैधानिक संरक्षण तक वन्दे मातरम् की यात्रा बताती है कि यह भारत की राष्ट्रीय स्मृति का जीवंत हिस्सा है। अतः आज आवश्यकता किसी समुदाय को से होना चाहिए। किसी व्यक्ति के गीत न गाने या धार्मिक आपत्ति व्यक्त करने को स्वतः नक्सलवादी या अलगाववादी घोषित करना तथ्य और कानून दोनों की दृष्टि से उचित नहीं होगा। ऐसे शब्द तब अधिक सार्थक होते हैं जब किसी व्यक्ति या संगठन के व्यापक व्यवहार में राष्ट्र विरोधी हिंसा, संवैधानिक व्यवस्था के विरुद्ध सक्रियता या अलगाववादी राजनीति अथवा व्यावहारिक जैसे दोस तत्व मौजूद हों, इसलिए अधिक मजबूत राष्ट्रीय तर्क यह है कि राष्ट्रीय प्रतीकों के प्रति जानबूझकर अवमानना, व्यवधान और अपमान की मानसिकता को सामान्य या गौरवपूर्ण राजनीतिक संस्कृति नहीं

भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था असहमति का अधिकार देती है। असहमति और विघटन एक ही चीज नहीं है। धार्मिक संवेदना और राष्ट्र विरोध एक ही चीज नहीं है। इसी प्रकार राष्ट्रभक्ति और धार्मिक एकरूपता भी एक ही चीज नहीं है। वन्दे मातरम् की वास्तविक शक्ति इसी व्यापकता में है कि यह गीत भारत की मातृभूमि को संबोधित करता है। यह उस भूमि को नमन करता है जिसके लिए स्वतंत्रता सेनानियों ने जले भरी, लाटियों खाईं, गोलियों झेलीं और अपने जीवन का बलिदान दिया। इसका राष्ट्रीय अर्थ किसी एक राजनीतिक दल, किसी एक वर्तमान नेता या किसी एक समुदाय से बड़ा है। 1875 की साहित्यिक रचना से लेकर 1905 के

स्वदेशी आंदोलन, 1937 के राष्ट्रीय उपयोग पर हुए विमर्श, 24 जनवरी 1950 के संविधान सभा के निर्णय और 2026 के नए वैधानिक संरक्षण तक वन्दे मातरम् की यात्रा बताती है कि यह भारत की राष्ट्रीय स्मृति का जीवंत हिस्सा है। अतः आज आवश्यकता किसी समुदाय को से होना चाहिए। किसी व्यक्ति के गीत न गाने या धार्मिक आपत्ति व्यक्त करने को स्वतः नक्सलवादी या अलगाववादी घोषित करना तथ्य और कानून दोनों की दृष्टि से उचित नहीं होगा। ऐसे शब्द तब अधिक सार्थक होते हैं जब किसी व्यक्ति या संगठन के व्यापक व्यवहार में राष्ट्र विरोधी हिंसा, संवैधानिक व्यवस्था के विरुद्ध सक्रियता या अलगाववादी राजनीति अथवा व्यावहारिक जैसे दोस तत्व मौजूद हों, इसलिए अधिक मजबूत राष्ट्रीय तर्क यह है कि राष्ट्रीय प्रतीकों के प्रति जानबूझकर अवमानना, व्यवधान और अपमान की मानसिकता को सामान्य या गौरवपूर्ण राजनीतिक संस्कृति नहीं

भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था असहमति का अधिकार देती है। असहमति और विघटन एक ही चीज नहीं है। धार्मिक संवेदना और राष्ट्र विरोध एक ही चीज नहीं है। इसी प्रकार राष्ट्रभक्ति और धार्मिक एकरूपता भी एक ही चीज नहीं है। वन्दे मातरम् की वास्तविक शक्ति इसी व्यापकता में है कि यह गीत भारत की मातृभूमि को संबोधित करता है। यह उस भूमि को नमन करता है जिसके लिए स्वतंत्रता सेनानियों ने जले भरी, लाटियों खाईं, गोलियों झेलीं और अपने जीवन का बलिदान दिया। इसका राष्ट्रीय अर्थ किसी एक राजनीतिक दल, किसी एक वर्तमान नेता या किसी एक समुदाय से बड़ा है। 1875 की साहित्यिक रचना से लेकर 1905 के

स्वदेशी आंदोलन, 1937 के राष्ट्रीय उपयोग पर हुए विमर्श, 24 जनवरी 1950 के संविधान सभा के निर्णय और 2026 के नए वैधानिक संरक्षण तक वन्दे मातरम् की यात्रा बताती है कि यह भारत की राष्ट्रीय स्मृति का जीवंत हिस्सा है। अतः आज आवश्यकता किसी समुदाय को से होना चाहिए। किसी व्यक्ति के गीत न गाने या धार्मिक आपत्ति व्यक्त करने को स्वतः नक्सलवादी या अलगाववादी घोषित करना तथ्य और कानून दोनों की दृष्टि से उचित नहीं होगा। ऐसे शब्द तब अधिक सार्थक होते हैं जब किसी व्यक्ति या संगठन के व्यापक व्यवहार में राष्ट्र विरोधी हिंसा, संवैधानिक व्यवस्था के विरुद्ध सक्रियता या अलगाववादी राजनीति अथवा व्यावहारिक जैसे दोस तत्व मौजूद हों, इसलिए अधिक मजबूत राष्ट्रीय तर्क यह है कि राष्ट्रीय प्रतीकों के प्रति जानबूझकर अवमानना, व्यवधान और अपमान की मानसिकता को सामान्य या गौरवपूर्ण राजनीतिक संस्कृति नहीं

भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था असहमति का अधिकार देती है। असहमति और विघटन एक ही चीज नहीं है। धार्मिक संवेदना और राष्ट्र विरोध एक ही चीज नहीं है। इसी प्रकार राष्ट्रभक्ति और धार्मिक एकरूपता भी एक ही चीज नहीं है। वन्दे मातरम् की वास्तविक शक्ति इसी व्यापकता में है कि यह गीत भारत की मातृभूमि को संबोधित करता है। यह उस भूमि को नमन करता है जिसके लिए स्वतंत्रता सेनानियों ने जले भरी, लाटियों खाईं, गोलियों झेलीं और अपने जीवन का बलिदान दिया। इसका राष्ट्रीय अर्थ किसी एक राजनीतिक दल, किसी एक वर्तमान नेता या किसी एक समुदाय से बड़ा है। 1875 की साहित्यिक रचना से लेकर 1905 के

विशेष पेज

भक्ति, आस्था और पुण्य का महापर्व

सावन की अंतिम सोमवारी आज

श्रावण मास की अंतिम सोमवारी आज, शिवभक्तों के लिए विशेष पुण्यदायी दिन है। इस दिन भगवान शिव की विधिवत पूजा-अर्चना करने से समस्त पापों का नाश होता है और जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और आरोग्य की प्राप्ति होती है।

ॐ नमः शिवाय

शिव ही सृष्टि के कर्ता,
शिव ही पालनकर्ता,
शिव ही संहारकर्ता,
शिव ही परम सत्य हैं।

सावन की अंतिम सोमवारी का महत्व

सावन मास भगवान शिव को अत्यंत प्रिय है। इस माह की प्रत्येक सोमवारी का विशेष महत्व होता है, लेकिन अंतिम सोमवारी को विशेष फलदायी माना गया है। इस दिन व्रत, जलाभिषेक और पूजा करने से रोग, दोष और कष्ट दूर होते हैं तथा मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।



पूजा विधि



प्रातः ब्रह्ममुहूर्त में उठें और स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण करें।



शिवलिंग का जल, दूध, दही, घी, शहद और गंगाजल से अभिषेक करें।



बेलपत्र, धतूरा, आक के फूल, भांग, चंदन और अक्षत अर्पित करें।



महादेव को धूप, दीप, नैवेद्य अर्पित करें और आरती करें।



“ॐ नमः शिवाय” मंत्र का जप करें और शिव चालीसा का पाठ करें।

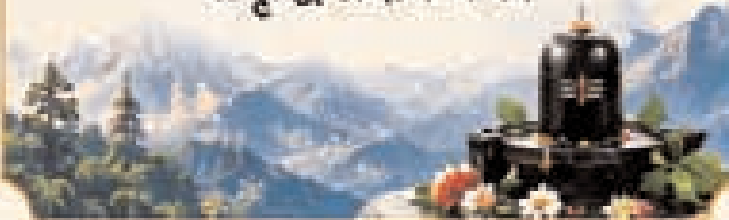
शिवभक्तों के लिए विशेष सलाह

- भीड़ से बचें और अनुशासन बनाए रखें।
- जलाभिषेक करते समय पर्यावरण को स्वच्छ रखें।
- प्लास्टिक का उपयोग न करें, स्वच्छता का ध्यान रखें।
- बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों की सहायता करें।



हर हर महादेव

भोलेनाथ आप सभी पर अपनी कृपा बनाए रखें और आपके जीवन में सुख, शांति, स्वास्थ्य और समृद्धि प्रदान करें।



व्रत के नियम

- सोमवार को व्रत रखें और सात्विक भोजन करें।
- लहसुन, प्याज, मांसाहार और मद्यपान से बचें।
- ब्रह्मचर्य का पालन करें और मन, वचन, कर्म से शिवभक्ति करें।
- जरूरतमंदों को दान करें।



ॐ बोल बम! हर हर महादेव! ॐ

सावन की अंतिम सोमवारी की हार्दिक शुभकामनाएं!



संक्षिप्त समाचार

दिलीप ट्रॉफी: तुषार-तनुश की शानदार गेंदबाजी, 251 रनों पर सिमटी नॉर्थ जोन की पहली पारी

बेंगलुरु,

दिलीप ट्रॉफी 2026 का दूसरा क्वार्टर फाइनल मुकाबला नॉर्थ जोन और वेस्ट जोन के बीच खेला जा रहा है। पहली पारी में नॉर्थ जोन के बल्लेबाजों का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा और पूरी टीम 251 रन बनाकर ऑलआउट हुई। इसके जवाब में पहले दिन का खेल खत्म होने तक वेस्ट जोन ने 2 विकेट खोकर 31 रन बनाए हैं। वेस्ट जोन की शुरूआत भी पहली पारी में खराब रही है और दिन का खेल खत्म होने तक टीम ने 2 विकेट खोकर 31 रन बना लिए हैं। पृथ्वी शॉ बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और 21 गेंदों में 22 रन बनाने के बाद आउट हुए। वहीं, हरविक देसाई को 3 रनों के स्कोर पर अर्शदीप सिंह ने पवेलियन भेजा। स्टंप्स होने तक वेस्ट जोन की तरफ से मुशरी खान 6 और शिवालिक शर्मा बिना खाता खोले क्रीज पर बने हुए हैं। इससे पहले, नॉर्थ जोन की शुरूआत भी बेहद खराब रही। यश धुल 9 रन बनाकर शार्दुल ठाकुर की गेंद पर आउट हुए। इसके बाद कमरान अकमल भी अच्छी शुरूआत का फायदा नहीं उठा सके और 26 रन बनाकर आउट हुए। तीसरे विकेट के लिए आयुष दोसेजा और आयुष बदोनी ने मिलकर 72 रनों की अहम साझेदारी निभाई। दोसेजा 110 गेंदों में 4 चौकों की मदद से 42 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, बदोनी अपना अर्धशतक पूरा करने के बाद 51 रन बनाकर पवेलियन लौटे। अब्दुल समद सिर्फ 6 रन ही बना सके, जबकि कलान और विकेटकीपर बल्लेबाज कन्हैया वाधवान 37 गेंद खेलने के बाद सिर्फ 5 रन ही बना सके। निशांत सिंधु महज 15 रन बनाकर मुकेश चौधरी का शिकार बने। हालांकि, अंशुल कंबोज ने अंत में आतिशी बल्लेबाजी करते हुए 52 गेंदों में 60 रनों की दमदार पारी खेली। उन्होंने अपनी इस पारी में 5 चौके और पांच छक्के लगाए। अर्शदीप 4 रन ही बना सके। गेंदबाजी में वेस्ट जोन की तरफ से तनुश कोटियान ने 72 रन देकर 4 विकेट चटकाए, जबकि तुषार देशपांडे ने 57 रन खर्च करते हुए चार विकेट निकाले। वहीं, मुकेश चौधरी और शार्दुल ठाकुर को एक-एक विकेट मिला।

विपक्षी खिलाड़ी को थप्पड़ मारने के बाद मेस्सी पर कार्रवाई



फिलाडेल्फिया।

मेजर लीग सॉकर (MLS) के तहत बुधवार को फिलाडेल्फिया यूनियन के खिलाफ मैच रद्दर की बराबरी पर समाप्त होने के बाद इंटर मियामी के लियोनेल मेस्सी पर जुमाना लगाया गया है। मैच के दौरान फिलाडेल्फिया के विवन सुलिवान को थपड़ मारने के कारण उन पर यह कार्रवाई की गई है। tZ वर्षीय मेस्सी ने मैच के अंत की ओर सुलिवान के सिर के पीछे थपड़ मारा था। गेंद पास करने के बाद सुलिवान ने खुद को कोहनी मारने का आरोप लगाते हुए मेस्सी ने मैदान पर ही असंतोष जताया था। मेस्सी के थपड़ के बाद सुलिवान गुस्से में आ गए लेकिन रेफरी ने तुरंत हस्तक्षेप करके स्थिति को नियंत्रण में ले लिया। टछर ने मेस्सी पर जुमाना लगाए जाने की पुष्टि की है लेकिन राशि का खुलासा नहीं किया है। अपने पिता के निधन के बाद पहली बार मैदान पर उतरे मेस्सी ने सुबारू पार्क में मियामी के लिए दूसरा गोल किया था। उक्त मैच में सुलिवान से भिड़ने वाले मेस्सी अकेले खिलाड़ी नहीं थे। मियामी के इथान फ्रे को भी टछर ने जुमाना लगाया है। बॉक्स के भीतर संतुलन खोकर सुलिवान के गिरने के बाद दोनों खिलाड़ी आपस में उलझ पड़े थे और उस दौरान फ्रे ने सुलिवान की गर्दन पकड़ ली थी। उत्तेजित हुए उस मैच के इंजरी टाइम में मियामी के यानिक ब्राइट और सुलिवान के भाई कैवन दोनों ने लाल कार्ड प्राप्त किए थे। समीक्षा के बाद कैवन पर लगाया गया एक मैच का प्रतिबंध हटा लिया गया है।

यह एक शानदार सफर रहा, बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल जीतने पर बोलीं गायत्री गोपीचंद नई दिल्ली,

भारत की बैडमिंटन खिलाड़ी गायत्री गोपीचंद ने बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप में अपने सफर को शानदार बताया। उन्होंने त्रिश्रा जॉली संग मिलकर घरेलू सरजमीं पर हुए इस टूर्नामेंट में देश को एकमात्र मेडल दिलाया। इस उपलब्धि से जुड़ी भावनाओं से अभिभूत गायत्री ने कहा कि यह उनके लिए बहुत खास पल था। त्रिश्रा और गायत्री की जोड़ी को सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, वह ब्रॉन्ज मेडल जीतने में सफल रहीं।

इस भारतीय जोड़ी का शानदार सफर तब खत्म हुआ जब मौजूदा चैंपियन चीन की लियू शेंग शू और टैन निंग ने वापसी करते हुए उन्हें सेमीफाइनल में 18-21, 21-13, 21-8 से हराया। हार के बावजूद, त्रिश्रा और गायत्री ने वर्ल्ड चैंपियनशिप में भारत के लिए 15 साल बाद महिला डबल्स का पहला मेडल जीता। इससे पहले 2011 में ज्वाला गुप्ता और अश्विनी पोनप्पा ने ब्रॉन्ज मेडल जीता था। गायत्री ने आईएनएस से कहा, मुझे लगता है कि यह शानदार रहा है। मुझे लगता है कि यह एक अद्भुत सफर रहा है। यह भारतीय जोड़ी चोटों के कारण बिना ज्यादा लय के टूर्नामेंट में उतरी थी। त्रिश्रा को इस साल की शुरूआत में टखने में चोट लगी थी, जिससे वह तीन महीने तक कोर्ट से दूर रही थीं।

हालांकि, फिलीपींस चैलेंज में उनके प्रदर्शन ने उन्हें यह भरोसा दिलाया कि वे दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों का मुकाबला कर सकती हैं। गायत्री ने कहा, मुझे लगता है कि इस टूर्नामेंट में आते समय हम बस खुद पर भरोसा करना चाहते थे और मुझे लगता है कि फिलीपींस चैलेंज के बाद हमारे अंदर वह लय आ गई थी। इस वजह से उस टूर्नामेंट में जिस तरह से हमने खेला, उसके बाद हम काफी आत्मविश्वास से भरे हुए थे, क्योंकि हमने वहां कुछ अच्छी जोड़ियों को हराया था। इस टूर्नामेंट में आते समय हमें भरोसा था कि हम इस स्तर पर खेल सकते हैं। इसके बाद त्रिश्रा और गायत्री ने शुरूआती राउंड में स्पेन और अमेरिका की जोड़ियों को हराकर अपना आत्मविश्वास बनाए रखा। फि्र क्वार्टर फाइनल में उन्होंने टूर्नामेंट का एक बड़ा उलटफेर करते हुए चीन की चौथी वरीयता प्राप्त जिया यी फैन और झांग शु जियान को चौका दिया और अपना मेडल पक्का कर लिया। गायत्री ने कहा, शुरूआती कुछ राउंड में भी मुझे लगता है कि हमने स्पेन और अमेरिका के खिलाफ खेला और वे सभी इस स्तर पर, यानी सबसे ऊंचे स्तर पर बहुत अच्छा खेल रही थीं। इसी कारण उन जोड़ियों को हराने के बाद मुझे लगता है कि हमारा आत्मविश्वास और बढ़ गया क्योंकि वे बहुत अच्छा बैडमिंटन खेल रही थीं।

विशाखापत्तनम में ब्रिक्स देशों की सहमति, खेल, तकनीक और नवाचार में बढ़ेगा सहयोग

विशाखापत्तनम,

आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में ब्रिक्स खेल मंत्रियों की बैठक 2026 सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस बैठक में सदस्य देशों ने आपसी सहयोग, संवाद, सम्मान और समावेशिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ब्रिक्स खेल संयुक्त घोषणापत्रको सर्वसम्मति से अपनाया। बैठक का मुख्य उद्देश्य खेलों के विकास और सदस्य देशों के बीच खेल संबंधों को और मजबूत बनाना था। भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता 2026 के तहत आयोजित इस महत्वपूर्ण बैठक में विभिन्न सदस्य देशों के खेल मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। सभी प्रतिनिधियों ने खेलों के माध्यम से युवाओं के विकास, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और स-स्क्रुतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया। बैठक को संबोधित करते हुए केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि



ब्रिक्स देशों को एक ऐसी खेल स-झेदारी विकसित करनी चाहिए जो केवल घोषणाओं तक सीमित न रहे, बल्कि वास्तविक सहयोग का मजबूत मंच बने। उन्होंने एथलीटों और कोचों के आदान-प्रदान, संयुक्त प्रतियोगिताओं के आयोजन तथा खेल विज्ञान और तकनीकी ज्ञान साझा करने जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की बात कही। मनसुख मंडाविया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत खेल क्षेत्र में बड़े बदलाव ला रहा है। सरकार खिलाड़ियों को

जमीनी स्तर से लेकर अंतरराष्ट्रीय मंच तक बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने बताया कि भारत खेल उपकरण निर्माण क्षेत्र को भी मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इसके लिए जल्द ही खेल सामग्री निर्माण क्लस्टर को बढ़ावा देने वाली योजना शुरू की जाएगी, जिससे निवेश बढ़ेगा और घरेलू निर्माण को प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने वैश्विक कंपनियों, तकनीकी संस्थानों और निवेशकों को भारत में निवेश करने का आमंत्रण देते हुए

कहा कि मेक इन इंडिया, प्ले इन इंडिया और ग्रो विद इंडिया जैसे अभियानों के माध्यम से भारत खेल उद्योग का प्रमुख केंद्र बन सकता है।केंद्रीय मंत्री ने पैरा-खेलों और महिला खिलाड़ियों के विकास पर भी विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत खेलों को अधिक समावेशी बनाने के लिए लगातार कदम उठा रहा है ताकि सभी वर्गों को समान अवसर मिल सकें। भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के दौरान खेल क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए तीन प्रमुख पहलों की घोषणा की गई। पहली पहल ब्रिक्स खेल प्रौद्योगिकी वर्किंग ग्रुप है। यह समूह खेल विज्ञान, एथलीट प्रदर्शन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), डिजिटल परिवर्तन, नवाचार और खेल प्रश-त्सन जैसे क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करेगा। भारत इसमें विशेषज्ञों की मदद भी उपलब्ध कराएगा। दूसरी पहल ब्रिक्स स्पोर्ट्स मैनुफैक्चरिंग कॉन्वलेव है। इस प्रस्ताव को सदस्य देशों का व्यापक समर्थन मिला। इसका पहला

संस्करण नवंबर 2026 में राजस्थान के उदयपुर में आयोजित करने का प्रस्ताव रखा गया है। इस सम्मेलन में खेल उपकरण निर्माण, नई तकनीकों, गुणवत्ता मानकों, व्यापार और आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बनाने जैसे विषयों पर चर्चा होगी। इसमें निमार्ता, निर्यातक, निवेशक, स्टार्टअप और शोध संस्थान एक मंच पर आएंगे। तीस-री पहल ब्रिक्स पारंपरिक और स्वदेशी खेल प्रदर्शन गेम्स 2026 है, जिसका आयोजन 12 और 13 अक्टूबर 2026 को गुजरात के अहमदाबाद में किया जाएगा। इन खेलों का उद्देश्य ब्रिक्स देशों की पारंपरिक और स्थानीय खेल विरासत को प्रदर्शित करना और उसे संरक्षित करना है। यह आयोजन प्रतिस्पर्धा के बजाय स-स्क्रुतिक आदान-प्रदान और आपसी समझ को बढ़ावा देने पर केंद्रित होगा। बैठक की औपचाि-रक शुरूआत से पहले विशाखापत्तनम में ब्रिक्स फ्रेंडशिप साईक्लिंग इवेंट का आयोजन

किया गया। यह कार्यक्रम फिट इंडिया संडे ऑन साईकिल अभियान के 87वें संस्करण का हिस्सा था। इसमें डॉ. मनसुख मंडाविया, खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे और मिश्र, इथियोपिया, इंडोनेशिया, यूएई, ईरान तथा साउथ अफ्रीका के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस आयोजन के जरिए फिटनेस, स्वस्थ जीवनशैली और देशों के बीच दोस्ती का संदेश दिया गया। बैठक के अंत में सभी सदस्य देशों ने खेलों के माध्यम से सहयोग को आगे बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने विश्वास जताया कि ब्रिक्स देशों के बीच यह साझेदारी भविष्य में खेल विकास और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के नए अवसर पैदा करेगी। यह बैठक भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता की थीम मनबूती, इनोवेशन, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुई।

विमेंस डीपीएल: प्रज्ञा-सिमरन की शतकीय साझेदारी, राइडर्स ने खोला जीत का खाता

नई दिल्ली,

ईस्ट दिल्ली राइडर्स ने प्रज्ञा रावत और सिमरन बहादुर की शतकीय साझेदारी के दम पर र-विवार को सेंट्रल दिल्ली क्वींस के खिलाफ 19 रन से जीत हासिल की। इसी के साथ रा-इडर्स ने विमेंस दिल्ली प्रीमियर लीग 2026 में जीत का अपना खाता खोल लिया है। सुपरस्टार्स ने अपना पहला मैच गंवाया था, जिसके बाद अगले मुकाबले में जीत के साथ यह टीम व्वाइंट्स टेबल में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है, जबकि क्वींस लगातार दूसरा मैच गंवाकर चौथे पायदान पर खिसक गई। अरुण जेटली स्टेडियम में पहले बल्लेबाजी करने उतरी ईस्ट दिल्ली टाइगर्स

ने निर्धारित ओवरों में 2 विकेट खोकर 174 रन बनाए। इस टीम को 12 के स्कोर पर सलामी बल्लेबाज आर्ना डुडेजा के रूप में पहला झटका लग गया था। आर्ना टीम के खाते में सिर्फ 6 रन का योगदान दे सकीं। इसके बाद प्रज्ञा रावत ने मोर्चा संभाला। उन्होंने वंशिका लीला के साथ दूसरे विकेट के लिए 35 गेंदों में 44 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 56 के स्कोर तक पहुंचाया। वंशिका 22 गेंदों में 30 रन बनाकर आउट हुईं, उनकी इस पारी में 1 छक्का और 3 चौके शामिल रहे। यहां से प्रज्ञा ने सिमरन बहादुर के साथ तीसरे विकेट के लिए 73 गेंदों में 118 रन की अटूट स-

ाझेदारी करते हुए टीम को विशाल स्कोर तक पहुंचाया। सिमरन 36 गेंदों में 8 बारंड्री के साथ 60 रन बनाकर नाबाद रहीं, जबकि प्रज्ञा ने 55 गेंदों में 8 चौकों के साथ नाबाद 70 रन बनाए। विपक्षी खेमे से सुमित सोनी और मेधावी बिधूड़ी ने 1-1 विकेट हासिल किया। इसके जवाब में सेंट्रल दिल्ली क्वींस निर्धारित ओवरों में 7 विकेट खोकर 155 रन ही बना सकी। इस टीम को दीक्षा शर्मा और साची की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरूआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों ने 52 गेंदों में 59 रन की साझेदारी की। साची 21 गेंदों में 17 रन बनाकर पवेलियन लौटीं, जिसके बाद

दीक्षा ने आरुषि गोयल के साथ दूसरे विकेट के लिए 40 गेंदों में 64 रन जोड़े। दीक्षा 51 गेंदों में 86 रन बनाकर आउट हुईं; उनकी इस पारी में 4 छक्के और 10 चौके शामिल रहे। टीम को 123 के स्कोर पर दूसरा झटका लगा, जिसके बाद विकेटों का पतझड़ शुरू हो गया। आलम यह रहा कि बल्लेबाजी क्रम में उतरीं शीर्ष-4 बल्लेबाजों के अलावा, किसी अन्य ने दहाई का आंकड़ा नहीं छुआ। विपक्षी खेमे से पूर्वा सिवाच ने 24 रन देकर 4 विकेट हासिल किए, जबकि भारती रावल को 2 विकेट हाथ लगे। इनके अलावा, सिमरन बहादुर ने 1 विकेट चटकाया।

अस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश को पारी और 51 रन से हराया, श्रृंखला बराबर की

काठमांडू।

अस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट में शानदार जीत हासिल की है। अस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश को एक पारी और ५१ रन से पराजित करते हुए दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला 1-1 की बराबरी पर समाप्त की है। मैकाय में हुए मुकाबले में बांग्लादेश की बल्लेबाजी अस्ट्रेलियाई गेंदबाजी के सामने लाचार नजर आई। पहली पारी में ५५१ रन पर ही ऑलआउट होने वाली बांग्लादेशी टीम दूसरी पारी में भी 2४१ रन पर सिमट गई, जिससे अस्ट्रेलिया ने दो दिनों के भीतर ही प्रभावशाली जीत दर्ज कर ली। अस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में ५११ रन बनाए थे। टीम के लिए कैमरून ग्रीन ने ५४१ रनों का योगदान दिया। अस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश पर 16५ रनों की बढ़त हासिल की थी। गेंदबाजी ने अस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क नायक साबित हुए। उन्होंने मैच में कुल 1११ विकेट चटकाए। पहली पारी में ५



विकेट लेने वाले स्टार्क ने दूसरी पारी में चार और विकेट झटक कर बांग्लादेशी बल्लेबाजी क्रम को ध्वस्त कर दिया। नाथन लियोन ने भी महत्वपूर्ण तीन विकेट हासिल किए। बांग्लादेश की तरफ से दूसरी पारी में भी किसी बल्लेबाज ने उल्लेखनीय प्रतिक्रोध नहीं दिखाया।

अस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजों और स्पिनरों के दबाव को न झेल पाने के कारण बांग्लादेश 2४१ रन पर ऑलआउट हो गया। इससे पहले डार्विन में खेले गए पहले टेस्ट मैच में बांग्लादेश ने अस्ट्रेलिया को ९ विकेट से हराकर अस्ट्रेलियाई धरती पर ऐतिहासिक पहली टेस्ट जीत दर्ज की थी।

लेकिन दूसरे टेस्ट में अस्ट्रेलिया ने शानदार वापसी करते हुए सीरीज को 1-1 की बराबरी पर ला खड़ा किया है। दोनों टीमों के बीच दूसरा टेस्ट मात्र दो दिनों में ही समाप्त हो गया। अस्ट्रेलिया ने गेंदबाजी में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पूरे मुकाबले में बांग्लादेश को दबाव में बनाए रखा।

दूसरा टेस्ट: पड़िकल की बैक-टू-बैक सेंचुरी, पहले दिन भारत ने जड़ा तिहरा शतक

कोलंबो,

भारत ने श्रीलंका के खिलाफ सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब में जारी दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन शानदार बल्लेबाजी की। मेहमान टीम ने देवदत्त पंडिकल की शतकीय पारी के दम पर दिन की समाप्ति तक 85 ओवरों का सामना करते हुए 5 विकेट गंवाकर 300 रन बना लिए हैं। टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम के लिए सलामी जोड़ी के रूप में यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ने 37 रन की साझेदारी की। केएल राहुल 33 गेंदों में 3 बारंड्री के साथ 18 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके बाद देवदत्त पंडिकल ने मोर्चा संभाला। उन्होंने जायसवाल के साथ दूसरे विकेट के लिए 29 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 66 के स्कोर तक पहुंचाया। जायसवाल अर्धशतक से महज 5



रन दूर रह गए। उन्होंने 53 गेंदों में 9 चौकों के साथ 45 रन की पारी खेली। यहां से कप्तान शुभमन गिल ने पंडिकल के साथ तीसरे विकेट

के लिए 120 रन जुटाकर टीम को 186 के स्कोर तक पहुंचाया। गिल ने 108 गेंदों का सामना करते हुए 6 चौकों के साथ 50 रन बनाए।

ऋषभ पंत पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे। वह सिर्फ 3 ही रन बना सके थे। पारी के 58वें ओवर की पहली ही गेंद पर

लाहिरू कुमारा की गेंद उनकी बाएं हाथ की कलाई पर लगी, जिसके बाद पंत को तेज दर्द के कारण मैदान छोड़ना पड़ा। उस समय भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज 15 गेंदों का ही सामना कर सके थे। रवींद्र जडेजा, पंत के स्थान पर बल्लेबाजी के लिए उतरे। उन्होंने पंडिकल के साथ 74 रन जोड़े। पंडिकल 193 गेंदों में 12 चौकों के साथ 117 रन बनाकर आउट हुए। इससे पिछले मैच में पंडिकल ने 167 रन की शतकीय पारी खेली थी। भारत को 296 के स्कोर पर चौथा झटका लगा। इसके बाद टीम के खाते में सिर्फ 15 ही रन जुड़ सके थे कि जडेजा भी अपना विकेट गंवा बैठे, जिन्होंने टीम इंडिया के खाते में 43 रन का योगदान दिया। दिन की समाप्ति तक ध्रुव जुरेल 7 रन, जबकि सारांश जैन 4 रन बनाकर नाबाद

रहे।मेजबान श्रीलंका की तरफ से असिथा फर्नांडो 46 रन देकर 3 विकेट हासिल कर चुके हैं। वहीं, लाहिरू कुमारा और केशरा नुवानथा ने 1-1 विकेट अपने नाम किया है। भारतीय टीम इस मैच में यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, देवदत्त पंडिकल, शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल, सारांश जैन, मानव कुथारा, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कुष्णा के साथ उतरी है। वहीं, श्रीलंका की प्लेइंग इलेवन में लाि-हरू उदारा, कामिल मिशारा, पसिंदु सोरियाबंदरा, कामिंडु मेडिस, धनंजय डी सिल्वा (कप्तान), सोनल दिनुशा, निरोशन डिकवेला (विकेटकीपर), केशर नुवांथा, प्रभात जयसूर्या, लाहिरू कुमारा और असिथा फर्नांडो शामिल हैं।

ध्यान की अवस्था में शक्ति हम से बात कर सकती है और हम उसे सुन सकते हैं। यदि हम उसके निर्देशों का अनुसरण करें, तो यह और भी स्पष्ट रूप से बात करेगी। ध्यान के बाद आंतरिक शक्ति और जीवन के रूपांतरण में विश्वास ही वह तार जो हमें उससे जोड़ता है। जब हम अपने चेतन मन और उस शक्ति के साथ स्पष्ट संपर्क बना लेते हैं, तो परिणाम और भी अच्छे होते हैं, क्योंकि तब हमारी आत्मा हमें ये संदेश अधिक स्पष्ट व प्रभावी तरीके से भेज सकता है।

प्रार्थना

जो हमें हमारे पिछले जन्मों के ऋण से उबार सके

आंतरिक शक्ति ही वह आधार है, जो मनुष्य से उसके अपने संबंधों को परिभाषित करती है। यह मानव जीवन का एक विस्मयकारी घटक है, जिस पर हमारी सामान्य सफलता सर्वाधिक निर्भर करती है। यह शक्ति हमारे व्यक्तित्व और दैनिक जीवन के लिए निरंतर संदेश भेज कर प्रभावित करती रहती है। ये संदेश हमें अंतर्ज्ञान, प्रेरणा और मौलिक विचारों के रूप में मिलते हैं।

ये बताते हैं कि अपने विवेक में उदात्त-आत्मा हमसे क्या करना चाहती है। यदि हम इन संकेतों को समझें और उनके अनुसार काम करें, तो हमारा जीवन रचनात्मक हो जाएगा। हम देखेंगे कि जीवन की हर दिशा में सब कुछ अच्छा व सफलतादायक हो रहा है। हम अपने मन को शांत और स्थिर करके इन संदेशों को प्रभावी तरीके से ग्रहण कर सकते हैं। नियमित ध्यान इसका एक अच्छा उपाय है। ध्यान की अवस्था में शक्ति हम से बात कर सकती है और हम उसे सुन सकते हैं। यदि हम उसके निर्देशों का अनुसरण करें, तो यह और भी स्पष्ट रूप से बात करेगी। ध्यान के बाद आंतरिक शक्ति और जीवन के रूपांतरण में विश्वास ही वह तार जो हमें उससे जोड़ता है। जब हम अपने चेतन मन और उस शक्ति के साथ स्पष्ट संपर्क बना लेते हैं, तो परिणाम और भी अच्छे होते हैं, क्योंकि तब हमारी आत्मा हमें ये संदेश अधिक स्पष्ट व प्रभावी तरीके से भेज सकता है। इसके प्रति अविश्वास संपर्क को बिगाड़ता है और कुछ मामलों में तो इसे नष्ट ही कर देता है। तब हम प्रायः अंतश्चेतना के निर्देश के बिना आसानी से भटक जाते हैं, तब परिणाम असफलता के रूप में मिलता है। यदि हम आंतरिक शक्ति की बात सुनें और उसके संदेश का पालन करें, तो भय या चिंता दूर हो जाएगी। हम स्थिर संतुलित हो जाएंगे। जो भौतिक सफलता के बड़े कारक हैं। हम जीवन और मृत्यु दोनों के भय से मुक्त हो जाते हैं। हम जानते हैं कि सब कुछ विवेक से प्रेरित है और परिणाम आध्यात्मिक दृष्टि से बहुत अच्छा होगा। हम अपनी आंतरिक शक्ति से प्रार्थना करके, उससे बातचीत करके, चर्चा करके अच्छे-अच्छे परिणामों में वृद्धि कर सकते हैं, क्योंकि यह तो हमारे सांस लेने से भी अधिक निकट है। तब यह हमें सुनेगी और विवेकपूर्ण प्रत्युत्तर देगी। कुछ लोग इसे ईश्वर से प्रार्थना करना कहते हैं। एक ही बात है, क्योंकि यह चिरंतन अंतश्चेतना है। प्रार्थना करके हम अपने लिए एक नवीन सार्थक भाग्य का निर्माण करते हैं, जो हमारे पिछले जन्मों के ऋण से हमें उबार सके।

नकारात्मक ऊर्जा समाप्त होती है और...

भारतीय संस्कृति और धर्म में शंख का बड़ा महत्व है। शंख को लक्ष्मीप्रिया, लक्ष्मी भ्राता, लक्ष्मी सहोदर आदि नामों से जाना जाता है। श्री विष्णु जी के चार आयुधों में शंख को भी एक स्थान मिला है। मन्दिरों में आरती के समय शंखध्वनि का विधान है। हर पूजा में शंख का महत्व है। शंख भिन्न-भिन्न आकृति व अनेक प्रकार के होते हैं। शंख संहिता के अनुसार सभी प्रकार के शंखों की स्थापना घरों में की जा सकती है। प्रमुखता से शंखों को तीन भागों में विभक्त किया गया है जैसे

वामावर्ती शंख - वामावर्ती बजने वाले शंख होते हैं उनका मुंह बाईं ओर होता है तथा ये बाईं ओर से खुलते हैं।

मध्यावर्ती शंख - मध्यावर्ती का मुख बीच से खुला होता है। मोती शंख मध्यावर्ती होता है।

दक्षिणावर्ती शंख - दक्षिणामुखी एक विशेष प्रकार का दुर्लभ

अद्भुत चमत्कारी शंख दाहिने तरफ खुलने की वजह से दक्षिणावर्ती शंख कहलाते हैं। इस तरह के शंख सहज रूप से सुलभ नहीं हो पाते हैं। आकाश में नक्षत्र मंडल में विशेष शुभ नक्षत्र के प्रभाव से दक्षिणावर्ती शंख की उत्पत्ति समुद्र के गर्भ से होती है। यह शंख अपने चमत्कारी प्रभाव के कारण दुर्लभ व मूल्यवान भी होता है।

- इसकी नित्य आराधना करने से धन की कमी नहीं होती।
- इसमें जल भरकर श्री सूक्त का पाठ करके उस जल को दुकान, ऑफिस में छिड़कने से व्यापार में बढ़ोतरी होती है।
- इससे पितरों को तर्पण करने से पितृ - दोष की शांति होती है।
- इससे घर की नकारात्मक ऊर्जा समाप्त होती है।



108 मनकों का रहस्य

श्रद्धा, भक्ति और समर्पण की प्रतीक माला के 108 मनके अपने में गूढ़ अर्थ संजोए हैं। भारतीय मुनियों ने एक वर्ष में 27 नक्षत्र बताए हैं। प्रत्येक नक्षत्र के चार चरण हैं, इस प्रकार 108 चरण होते हैं। माला का एक-एक मोती नक्षत्र के एक-एक चरण का प्रतिनिधित्व करता है। इसीलिए ज्योतिर्विज्ञान में यह संख्या शुभ मानी जाती है। ज्योतिष के अनुसार ब्रह्मांड को 12 भागों में विभाजित किया गया है।

इन 12 भागों के नाम मेष, वृष, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या, तुला, वृश्चिक, धनु, मकर, कुंभ और मीन हैं। इन 12 राशियों में नौ ग्रह सूर्य, चंद्र, मंगल, बुध, गुरु, शुक, शनि, राहु और केतु विचरण करते हैं। अतः ग्रहों की संख्या 9 का गुणा किया जाए राशियों की संख्या 12 में तो संख्या 108 प्राप्त हो जाती है। माला के मोतियों की संख्या 108 संपूर्ण

ब्रह्मांड का प्रतिनिधित्व करती है। मन, वचन और कर्म से जो हिंसा आदि पाप होते हैं, वे 36 प्रकार के होते हैं। इन्हें स्वयं करने, दूसरों से कराने तथा करते हुए को सराहने से यह संख्या 36 का तीन गुना यानी 108 हो जाती है। इन 108 पापों (बुरे कामों) से मुक्ति के लिए माला का जप किया जाता है। बौद्ध मत में भी यह संख्या शुभ मानी जाती है। बुद्ध के जन्म के समय 108 ज्योतिषियों के उपस्थित रहने की बात कही जाती है। बौद्ध धर्म में आस्था रखने वाले देश जापान में श्राद्ध के अवसर पर 108 दीपक जलाने की प्रथा है। वस्तुतः माला का उपयोग मन की एकाग्रता के लिए किया जाता है। विद्वानों का मानना है कि जप के माध्यम से मन के मतवाले घोड़े को नियंत्रण में रखा जा सकता है, जिससे अपार भौतिक व आध्यात्मिक उपलब्धियां प्राप्त हो जाती हैं। माना जाता है कि माला फेरते समय अंगूठे व अंगुलियों के मध्य घर्षण से एक प्रकार की विद्युत उत्पन्न होती है, जो धमनियों द्वारा सीधे हृदय चक्र को प्रभावित करती है। इससे मन स्थिर होता है। यह तभी प्रभावी होता है, जब जप करने वाले के मन का मैल धुला हुआ हो....

पांच पतियों के साथ रहते हुए भी द्रौपदी पतिव्रता कैसे?

पुरुष भले ही कई स्त्रियों से संबंध रखे लेकिन स्त्री का किसी दूसरे पुरुष से संपर्क होने पर उसे गलत नजरों से देखा जाने लगता है। स्त्रियों के लिए नियम बनाया गया है कि वह अपने पति के अलावा किसी अन्य के प्रति अनुराग की भावना मन में नहीं लाए। जो स्त्री ऐसा करती है उसे पतिव्रता कहा जाता है। महाभारत काल में महाराज द्रुपद की पुत्री द्रौपदी का विवाह पांच पुरुषों के साथ हुआ था। पांच पुरुषों के साथ संबंध बनाने के बावजूद द्रौपदी को सीता के समान पतिव्रता कहा गया है।

इसका कारण मात्र एक है कि, द्रौपदी पांचों पुरुषों की व्याहता पत्नी थी। द्रौपदी ने कभी भी अपने पांच पतियों के अलावा किसी और की ओर अनुराग प्रदर्शित नहीं किया। कीचक और जरासंध ने द्रौपदी के मान को भंग करने का प्रयास भी किया लेकिन द्रौपदी ने विषम परिस्थिति में संयम का पालन किया और अपने सतीत्व की रक्षा की। लेकिन सवाल उठता है कि शक्तिशाली राजा द्रुपद ने पांच पुरुषों के साथ अपनी पुत्री का विवाह करना कैसे स्वीकार किया। इस संदर्भ में कथा है कि महर्षि व्यास ने महाराज द्रुपद को बताया कि दिव्य दृष्टि देकर पांचों पुरुषों यानी पांचों पाण्डवों के पूर्व जन्म का ज्ञान कराया। द्रुपद ने जाना कि पांचों पाण्डव असल में पांच इन्द्र हैं जो देवताओं के कार्य को पूरा करने के लिए प्रकट हुए हैं। द्रौपदी स्वर्ग की लक्ष्मी हैं जिनका विवाह ब्रह्मा जी ने पांचों पाण्डवों से निश्चित किया है। इस सत्य को जानकर द्रुपद ने पांचों पाण्डवों के साथ द्रौपदी का विवाह कर दिया।

आर्थिक परेशानी के यह कारण हो सकते हैं

धन को आदर दें

संसार का नियम है कि आप जब किसी को आदर देते हैं तभी वह आपके पास ठहरता है। यही बात धन के साथ लागू है। कुछ लोगों की आदत होती है कि वह रुपया गिनते समय खूब लगाकर गिनती करते हैं जो अनुचित तरीका है। ऐसे करने से धन का अपमान होता है।

सोते समय ऐसी गलती नहीं करें

सोना सिर्फ आपके आराम के लिए और शरीर की थकान मिटाने के लिए नहीं है। शास्त्रों में शयन को योग क्रिया कहा गया है जो व्यक्ति के मस्तिष्क और बौद्धिक क्षमता को प्रभावित करता है। इससे आपकी आर्थिक स्थिति भी प्रभावित होती है। जो व्यक्ति धन और देवी लक्ष्मी की कृपा चाहते हैं उन्हें सोने से पहले बिस्तर को अच्छी तरह से साफ कर लेना चाहिए। बेहतर तरीका यह है कि सोने से पहले बिछावन पर साफ चादर बिछा लें। गंदे और अपवित्र स्थान पर शयन करने से नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव बढ़ जाता है। इससे मन में नकारात्मक विचार आते हैं, शरीर में ऊर्जा की कमी महसूस होती है।

भोजन का आदर करें

लक्ष्मी का एक स्वरूप अन्न भी है। इस रूप से देवी लक्ष्मी शरीर का पोषण करती है। भारत सहित दुनिया के अनेक देशों में लक्ष्मी के इस स्वरूप की पूजा होती है। इसलिए जब भोजन सामने आए तब उसे आदर पूर्वक प्रसाद समझकर ग्रहण करना चाहिए। भोजन करते समय पूरा भोजन करने के बाद उठना चाहिए। एक बार उठ जाने के बाद फिर से वही भोजन करना जूटन खाना कहलाता है जिससे लक्ष्मी नाराज होती है। भोजन करते समय पैर भोजन की ओर नहीं हो इसका ध्यान रखें। कुछ लोग क्रोध आने पर भोजन की थाली

फेंक देते हैं, इस तरह की आदत धन वैभव एवं पारिवारिक सुख के लिए नुकसान दायक होता है।

झाड़ू रखें छुपाकर

झाड़ू का उपयोग भले ही घर की गंदगी साफ करने के लिए किया जाता है लेकिन इसका आपकी समृद्धि में बड़ा ही महत्व है। शास्त्रों में कहा गया है कि झाड़ू को हमेशा छुपाकर रखना चाहिए। ताकि बाहर से आने वाले व्यक्ति की नजर इस पर नहीं जाए। झाड़ू को हमेशा आदर के साथ रखना चाहिए। कभी भी पटक कर या पैरों मारकर झाड़ू का अपमान नहीं करें। अगर आप किराए के मकान में रहते हैं तो घर बदलते समय झाड़ू को साथ जरूर लेकर जाएं।

ऐसे सिर नहीं खुजाएं

आमतौर पर सिर में खुजाहट होने पर सभी व्यक्ति सिर खुजा लेते हैं। इसमें कुछ बुराई भी नहीं है लेकिन अगर आप अपने दोनों हाथों से सिर में खुजली करना शुरू कर देते हैं तो यही शास्त्रानुसार गलत हो जाता है। दोनों हाथों से सिर खुजाना शुभ नहीं माना जाता है। इससे लक्ष्मी अप्रसन्न होती है।

इस समय कंधी नहीं करें

बालों को संवारने के लिए दिन में भले ही आप जितनी बार चाहें कंधी

कर लें, लेकिन शाम ढलने के बाद कंधी नहीं करें। रात में कंधी करना और सोते समय झ्र लगांना धन के लिए नुकसानदायक माना गया है।

पत्नी और बेटी के साथ ऐसा नहीं करें

पत्नी को शास्त्रों में गृहलक्ष्मी कहा गया है। जबकि बेटी और अविवाहित कन्याओं को देवी का स्वरूप माना गया है। जो व्यक्ति इनका अपमान करते हैं। इन पर हाथ उठाते हैं उनके घर की सुख शांति चली जाती है। धन का क्षय भी लगातार होता रहता है।

ऐसे बढ़ाएं अपना धन

लक्ष्मी की कृपा बनी रहे इसके लिए गैर जरूरी खर्चों पर अंकुश रखें और संचय की आदत डालें। संचय का मतलब सिर्फ बैंक में जमा करना नहीं है। संचय का तात्पर्य है कि अपनी आय से कुछ धन जरूरत मंदों को दान दें। असली संचय इसे कहा गया है। जो व्यक्ति इस प्रकार का संचय करता है उसकी जमा पूंजी में निरंतर वृद्धि होती है।



RJD के फेसबुक पेज पर अभद्र टिप्पणी का आरोप BJP ने तेजस्वी यादव समेत कई लोगों के खिलाफ थाने में दी शिकायत

निरंकार भास्कर

नवप्रदेश/पटना। राष्ट्रीय जनता दल के आधिकारिक फेसबुक पेज से भाजपा के खिलाफ कथित तौर पर अभद्र और आपत्तिजनक टिप्पणी किए जाने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी ने इस मामले में सबूतों के साथ पटना के कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई है। भाजपा ने मामले में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव समेत कई लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। प्रदेश भाजपा के मीडिया प्रभारी दानिश इकबाल ने शनिवार को कोतवाली थाने में आवेदन देकर तेजस्वी यादव के अलावा कमलेश यादव और एक यूट्यूब चैनल से



जुड़े संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। कोतवाली थानेदार अजय कुमार ने बताया कि शिकायत की जांच की जा रही है और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। वीडियो में भाजपा कार्यकर्ताओं के

खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी का आरोपदानिश इकबाल ने अपने आवेदन में बताया कि वह वीरचंद पटेल पथ स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में मीडिया संबंधी कार्य कर रहे थे। इसी दौरान उनकी नजर राजद के आधिकारिक फेसबुक

पेज पर पोस्ट किए गए एक वीडियो पर पड़ी।

भाजपा नेता का आरोप है कि वीडियो में भाजपा कार्यकर्ताओं के खिलाफ आपत्तिजनक और अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि वीडियो

बिहार में स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना से जुड़े संस्थानों की होगी जांच, 30 दिसंबर तक पूरी करनी होगी स्थलीय जांच

शिक्षा विभाग ने संस्थानों से 1 सितंबर से 30 नवंबर तक पोर्टल पर मांगे दस्तावेज, जिला स्तर पर गठित समिति करेगी सत्यापन

नवप्रदेश/पटना। बिहार सरकार ने स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना से जुड़े शैक्षणिक संस्थानों को लेकर सख्त सख्त अपनाया है। राज्य सरकार ने योजना के तहत सूचीबद्ध निजी शिक्षण संस्थानों की भौतिक जांच कराने का फैसला किया है। शिक्षा विभाग ने सभी संबंधित संस्थानों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों की जांच के लिए जिला स्तर पर समिति गठित करने का निर्देश दिया है। यह प्रक्रिया शैक्षणिक सत्र 2026-27 को ध्यान में रखते हुए की जा रही है। शिक्षा विभाग ने संबंधित संस्थानों



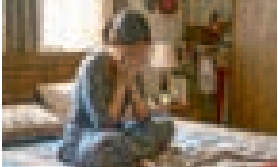
को निर्धारित पोर्टल पर अपनी आवश्यक जानकारी और अभिलेख 1 सितंबर से 30 नवंबर 2026 तक उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। संस्थानों द्वारा उपलब्ध कराए गए दस्तावेजों के आधार पर जिला शिक्षा पदाधिकारी की अध्यक्षता में गठित समिति जांच करेगी। जांच के दौरान निजी संस्थानों में उपलब्ध भूमि, भवन,

आधारभूत संरचना और शैक्षणिक वातावरण की स्थिति का सत्यापन किया जाएगा। संस्थानों में न्यूनतम ग्रेड-सी स्तर की आधारभूत सुविधाओं, राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क की वार्षिक रैंकिंग में स्थान अथवा राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (NBA) से मान्य पाठ्यक्रम संचालित किए जाने की स्थिति की भी जांच की जाएगी। विभाग ने निर्देश दिया है कि संबंधित संस्थानों की स्थलीय जांच की प्रक्रिया 30 दिसंबर 2026 तक पूरी कर ली जाए। जांच समिति में भूमि और भवन से संबंधित जानकारी रखने वाले पदाधिकारियों को भी शामिल किया जा सकता है। पंचायती राज विभाग की अंकेक्षक परीक्षा में 1248 अभ्यर्थी सफलपटना। बिहार लोक सेवा

मुजफ्फरपुर में नाबालिग बेटी से पिता पर दुष्कर्म का आरोप विरोध करने पर मारपीट और धमकी; आरोपी गिरफ्तार

नवप्रदेश/मुजफ्फरपुर। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के एक थाना क्षेत्र के गाँव में नाबालिग पुत्री के साथ उसके पिता द्वारा लंबे समय से वौन उत्पीड़न किए जाने का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में पीड़िता के बयान के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई है।

पीड़िता ने पुलिस को बताया कि उसकी मां का वर्ष 2019 में निधन हो चुका है और उसके दो छोटे भाई हैं। आरोप है कि करीब डेढ़ वर्ष से पिता उसके साथ जबरदस्ती करता था। विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की जाती और धमकी दी जाती थी। पीड़िता के अनुसार, उसने 17 अगस्त को अपने बड़े पिता और बड़ी मां को मामले की जानकारी दी। उनके पूछताछ करने पर आरोपी ने कथित तौर पर उन्हें भी हथियार दिखाकर धमकाया। इसके बाद शुक्रवार को जब आरोपी ने फिर से उसके साथ जबरदस्ती करने का प्रयास किया तो पीड़िता ने डायल-112 पर



सूचना दी। सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पीएसआई अनुराधा सहाय ने बताया कि आरोपी को शनिवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। वहीं, पीड़िता को महिला हेल्पलाइन की देखरेख में सौंपा गया है। मामले में पुलिस आरोपी की जांच कर रही है। जमीन विवाद में दो भाइयों के बीच मारपीट, आरोपी गिरफ्तार मुजफ्फरपुर के सरैया थाना क्षेत्र के बहिलवारा खोरमपुर तिवारी टोला में जमीन विवाद को लेकर दो भाइयों के बीच मारपीट हो गई। आरोप है कि चंदू तिवारी ने अपने भाई राजेश्वर कुमार पर धारदार हथियार से हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गए। जखमी राजेश्वर तिवारी की शिकायत पर सरैया थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई। उन्होंने

बिहार में आरक्षण की सीमा बढ़ाने के मुद्दे को उपेंद्र कुशवाहा ने दी हवा

नवप्रदेश/पटना। बिहार में आरक्षण की सीमा बढ़ाने का मुद्दा एक बार फिर जोर पकड़ता नजर आ रहा है। राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) के प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा ने कहा है कि पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार ने राज्य में आरक्षण का दायरा बढ़ाकर 65 प्रतिशत करने का निर्णय लिया था, लेकिन यह लागू नहीं हो सका। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी इस आरक्षण सीमा को लागू करने के लिए आगे काम करेगी। पार्टी कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उपेंद्र कुशवाहा ने बिहार सरकार को साफ़ आयोग के गठन की भी मांग की। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और छात्रों के हितों को ध्यान में रखते हुए इस दिशा में ठोस पहल जरूरी है। निशांत कुमार को लेकर भी बोले कुशवाहाउपेंद्र कुशवाहा नेपूर्वमुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार को लेकर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार को विचारधारा की विरासत आगे बढ़े, इसकी चिंता उन्हें भी है। उन्होंने कहा कि उन्होंने भी कभी जदयू को सौंपने का काम किया है।कुशवाहा ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार और उनके बेटे दीपक कुमार में उनके लिए कोई अंतर नहीं है। दोनों देश का भविष्य हैं और निशांत कुमार भी उनके बेटे के समान हैं।राजगीर में हुआ तीन दिवसीय विमर्श शिविरबिहार के नालंदा जिले के राजगीर स्थित कन्वेंशन सेंटर में राष्ट्रीय लोक मोर्चा का तीन दिवसीय द्विविमर्श शिविरहू आयोजित किया गया। शिविर का उद्घाटन पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने किया। इस दौरान पार्टी के संगठन को मजबूत करने और आगामी राजनीतिक रणनीति को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने लंबे शासनकाल के दौरान बिहार के विकास को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि पिछले 20 वर्षों में बिहार के विभिन्न क्षेत्रों में विकास हुआ है, जिसमें केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार का भी सहयोग रहा है।



भाकपा माले ने बिक्रमगंज में किया कार्यकर्ता कन्वेंशन

नवप्रदेश/बिक्रमगंज। पार्टी कार्यालय पर भाकपा-माले, प्रखंड कमिटी के नेतृत्व में कार्यकर्ता कन्वेंशन किया गया. कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पार्टी के जिला सचिव कामरेड जवाहरलाल सिंह ने कहा कि - मोदी सरकार के फासीवादी नीतियों के खिलाफ किसान, मजदूर,महिलाएं,छात्र-युवा व समाज का सभी उत्पीड़ित समुदाय अपनी-अपनी मांगों के सुवाल पर आंदोलनरत हैं.बेरोजगारी,महंगाई चरम पर है और मोदी सरकार भ्रष्टाचार में आकंट दूबी हुई है.संविधान व लोकतंत्र को समाप्त किया जा रहा है.देश विस्फोट के सहाने पर खड़ा है.देश का निजाम मोदी ने 15

अगस्त को लाल किले के प्राचिर से कहा कि देश को दिमागी नक्सल से खतरा है. दिमागी नक्सल से मुक्त करना होगा.देश में चल रहे छात्र-युवाओं के आंदोलन को बदनाम करने और उसके बाद दमन अभियान चलाने की योजना है.मोदी सरकार की कॉरपोरेट परस्त व फासीवादी नीतियों के खिलाफ उठने वाले हर आवाज को कभी अर्बन नक्सल, टुकड़े-टुकड़े गैंग, खालिस्तानी,उपद्रवी का टप्पा लगा देते है.और उसके बाद दमन चलाते है.यह डरा हुआ निजाम है. बिहार सरकार के संरक्षण में दलितों, महिलाओं,अतिपिछड़ों पर समती ताकतों का हमला बढ़ा है.दिनारा थाना के मिल्की मनहारी



में चन्देश्वर चौधरी को मजदूरी मांगने पर गोली मार देने,जहानाबाद में पासवान जाती की महिलाओं का समंती ताकतों द्वारा बुरी तरह पिटाई कर पेर तोड़ देने की घटना के रूप में सामने आई है.

सरकारी स्कूल किसी दल या विचारधारा की जागीर नहीं है.वे संविधान,समानता और धर्मनिरपेक्षता मूल्यों पर चलते हैं.सरकारी संपत्ति को एक विशेष रंग में रंगना और उसका बदलना न सिर्फ सरकारी खजाने का दुष्प्रयोग है.बल्कि यह बिहार के गरीब,दलित, पिछड़े और अल्पसंख्यक बच्चों की शिक्षा पर वैचारिक कब्जा करने की कोशिश है.शिक्षा का काम वैज्ञानिक सोच पैदा करना है,भगवा प्रचार करना नहीं.यह घोर आपत्तिजनक कार्रवाई है.बिहार सरकार अखिलेश इस फैसले को वापस ले और सभी ६५१ विद्यालयों को उनके पुराने स्वरूप और नाम में बहाल करे.

कामरेड जवाहरलाल सिंह' ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि मोदी सरकार के फासीवादी नीतियों के खिलाफ व्यापक कि साा'नों, मजदूरों, छात्र-युवाओं,समाज के सभी उत्पीड़ित समुदाय को संगठित करने और व्यापक जन भागीदारी के आधार पर आंदोलन संगठित करने का कार्यभार आप के कंधे पर है.इसके लिए पार्टी के प्रखंड, सचिव कृष्णा मेहता पार्टी ब्रांच को सुदृढ़ करते हुए बड़े पैमाने पर छात्र-युवाओं,महिलाओं को पार्टी सदस्य के रूप में भरती करने का कार्यभार कार्यकर्ता कन्वेंशन की अध्यक्षता बिक्रमगंज प्रखंड कमिटी के सचिव कृष्णा मेहता ने किया

एक नजर

पुलिस अधीक्षक ने डालमियानगर थाने का किया निरीक्षण, विधि-व्यवस्था की समीक्षा कर दिए आवश्यक निर्देश

नवप्रदेश/डेहरी/डालमियानगर। रोहतास के नवपदस्थापित पुलिस अधीक्षक मिस्टर राज पदभार ग्रहण करने के बाद से ही सक्रिय नजर आ रहे हैं। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक द्वारा लगातार विभिन्न थानों का निरीक्षण कर पुलिस व्यवस्था और विधि-व्यवस्था की स्थिति का जायजा लिया जा रहा है। इसी कड़ी में 23 अगस्त 2026 को पुलिस अधीक्षक मिस्टर राज ने डालमियानगर थाना का निरीक्षण किया। इस दौरान डेहरी अंचल के पुलिस निरीक्षक शेर सिंह यादव तथा डालमियानगर थानाध्यक्ष राजीव रंजन राय सहित थाना के अन्य पुलिस पदाधिकारी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने थाने में विधि-व्यवस्था की स्थिति, पुलिसिंग एवं लखित मामलों की समीक्षा की। उन्होंने पुलिस पदाधिकारियों को क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने, अपराध नियंत्रण तथा आम लोगों की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि जिले में बेहतर पुलिसिंग के लिए थाना स्तर पर लगातार निगरानी और समीक्षा की जाएगी। उनके लगातार थाना निरीक्षण से पुलिस महकमे में भी सक्रियता बढ़ी है।

सावन के लिए SSB ने बढ़ाई चौकसी कमांडेंट ने किया दौरा व निरीक्षण

नवप्रदेश/बगहा/वाल्मीकिनगर/संवाददाता। अंतिम सावन सोमवारी के महेनजर वाल्मीकिनगर स्थित कोलेश्वर, जटाशंकर धाम एवं क्षेत्र में आयोजित होने वाले विशाल सावन मेले में भारत-नेपाल

आवागमन के लिए रस्द द्वारा सुरक्षा इंतजाम किया गया है।कमांडेंट श्री तपेश्वर सबित राउत के दिशा-निर्देश में दिनांक 23/08/2026 से ही सभी सीमा चौकियों को हाई अलर्ट में रखा गया है व सुरक्षा के व्यापक एवं कड़े इंतजाम कर दिए गए हैं। कमांडेंट श्री तपेश्वर सबित राउत ने स्वयं कल शाम से आज दोपहर तक सीमा क्षेत्र में रहकर वाल्मीकि आश्रम, जटाशंकर मंदिर, कोलेश्वर मंदिर, त्रिवेणी घाट व वाल्मीकिनगर क्षेत्र का निरीक्षण किया तथा जवानों से बात किया और स्पष्ट निर्देश दिया कि मेले में आने वाले किसी भी श्रद्धालु को किसी प्रकार की असुविधा न हो और सुरक्षा में कोई चूक न हो।साथ ही रस्द का राहत व बचाव दल एवं मेडिकल टीम को किसी भी इमरजेंसी के लिए 24 घंटे हाई अलर्ट में रखा गया है।मेले को शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित बनाने के लिए रस्द 21वीं वाहिनी पूरी तरह प्रतिबद्ध है व सभी जवान पूर्ण निष्ठा के साथ अपने ड्यूटी पर मुस्तेद हैं।

शीरे से बने इथेनॉल से शुगर मिल को हो रही है अतिरिक्त आमदनी-पं०भरत उपाध्याय

नवप्रदेश/पश्चिम चंपारण/मधुबनी। प्रख्यात पर्यावरणविद् एवं पूर्व प्राचार्य पं०भरत उपाध्याय ने प्रबुद्ध जन के साथ एक वैचारिक गोष्ठी में कहा कि - लोगों में भ्रम हो गया है कि, गन्ने से इथेनॉल बन रहा है, इसलिए चीनी महगी हो रही है। यह बिल्कुल बकवास है। उन्होंने स्पष्ट करते हुए कहा कि चीनी कैसे बनती है और एथेनॉल कैसे बनता है पहले इसकी जानकारी प्राप्त करें! आज इथेनॉल नहीं बिक रहा होता तो चीनी और महगी मिलती। वास्तव में गन्ने से मुख्य रूप से चीनी बनाई जाती है। चीनी बनाने के बाद गन्ने का खोई निकलता है, यह बॉयलर में जलाने के काम आता है, इसके अलावा इससे पपर और पार्टिकल बोर्ड बनाया जाता है। लगभग 10 किलोग्राम गन्ने से एक किलोग्राम चीनी बनती है, बाकी सब खोई, शीरा और मैल बन जाता है। मैल से जैविक खाद बनाई जाती है। शीरे से जो एथेनॉल बनता है उससे पहले लेकल शराब और स्पीट बनती थी। शराब और स्पीट की खपत बहुत कम है, इसलिए पहले बड़े-बड़े गड्डे में शीरे को डाल दिया जाता था। या फिर नालों में बहा दिया जाता था। जब से एथेनॉल को पेट्रोल में मिस्र किया जाने लगा है तब से शीरे को फेंकना बंद हो गया है और इससे शुगर मिल को अतिरिक्त आमदनी हो रही है। अतः यह कहना कि एथेनॉल बनाने के कारण चीनी कम बन रही है और इस कारण चीनी महगी हो रही है गलत बात है। चीनी महगी होने के अन्य कारण हो सकते हैं, कपा उत्पादन और ईंधन की महंगाई। साथ ही सरकार का सही प्रतिनिधित्व का ना होना। अगर वास्तव में एथेनॉल बनाना बंद हो जाए तो चीनी 100 प्रति किलोग्राम के आसपास मिलेगी! गोष्ठी में प्रमुख रूप से पूर्व प्राचार्य राणा प्रताप सिंह, प्रधानाचार्य जगदीश नारायण सिंह, दिनेश कुमार गुप्ता, सुनील कुमार सिंह, आकाश मिश्रा सहित दर्जनों लोग उपस्थित रहे।

नवविवाहिता का फंदे से लटका मिला शव, फैली

सनसनी, मचा कोहराम

नवप्रदेश/बेतिया। इन दिनोंअधिकतर ग्रामीण क्षेत्रों में,दहेज हेतु जो विवाहिता का हत्या, आत्महत्या का होनाआम बात बन गई है,यह घटना चरम सीमा पर भी पहुंच गई है। मायके पक्ष वाले को बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इतना ही नहीं विवाहिता का दहेज हत्या,भूमि के विवाद में हत्या,प्रेमप्रसंग में हत्या,आपसी पति-पत्नी कलह में हत्या की घटना निर्यादन सुनने और देखने को मिल रही है,मगर इस पर किसी स्तर से भी अंकुश लगाने की कोशिश नहीं की जा रही है,यह सब घटनाएं एक सभ्य परिवार, समाज के लिए मुंह पर कलंक का टीका है। इसी क्रम में संवाददाता को एक घटना के बारे में पता चला है कि श्रीनगर पूरुहा थाना क्षेत्र के पूरुहाजह पत्तोजीरा गांव में एक नव-विवाहिता का शव उसके कमरे में फंदे से लटका हुआ मिला पुलिस को सूचना मिलते ही घटनास्थल पर पहुंचकर शव कोअपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जीएमसीएचर बेतिया भेज दिया। जतुक की पहचान, पूरुहा पटवारीया गांव के मिश्रुन महतो की19 वर्षीय पत्नी,नेहा कुमारी के रूप में की गई है। मृतिका पूर्वी चंपारण जिला के गोविंदगंज थाना क्षेत्र के सरैया पिपरा गांव निवासी, संतोष महतो की पुत्री है। मृतिका के पति गुरजरात में रहकर मजदूरी का काम करता है।मृतिका की पीता, संतोष महतो ने सुरंगाल पक्ष पर किसी तरह का आम लेना नहीं लगाया, ना ही थाने में कोई आवेदन दिया थानाअध्यक्ष,अमित कुमार पाल ने संवाददाता को बताया कि मृतिका के परिवारजनों कीओर से कोईआवेदन प्राप्त नहीं हुआ है।

छात्रों में विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाने को प्रतियोगिता आयोजित

नवप्रदेश/पैरो। पीरो अनुमंडल मुख्यालय स्थित प्रोप्रियेटर ट्यूशन सेंटर के तलाबचायन में विज्ञान प्रतियोगिता का विधिवत आयोजन किया गया। छात्र-छात्राओं विज्ञान के प्रति रुचि पैदा करने, मैट्रिक इंटरमीडिएट व विभिन्न प्रतियोगि

परीक्षाओं की तैयारी के उद्देश्य से आयोजित इस प्रतियोगिता में कक्षा 7से 12 तक के बड़ी तादाद में छात्र-छात्राओं ने काफी उत्साह के साथ भाग लिया। इस प्रतियोगिता परीक्षा में मैट्रिक व इंटरमीडिएट के लिए निर्धारित सिलेबस से संबंधित विज्ञान के वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे गए थे। प्रतियोगिता के आयोजक मंडल के सदस्य उम्रेन्द्र कुमार पांडेय व सत्येन्द्र कुमार पांडेय ने बताया कि यह प्रतियोगिता मैट्रिक व इंटरमीडिएट परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्र-छात्राओं के लिए काफी उपयोगी साबित होगी। इससे बच्चों को वस्तुनिष्ठ प्रश्नों को निर्धारित समय के अंदर सजी से हल करने तथा महत्वपूर्ण वैज्ञानिक तथ्यों व अवधारणाओं का अभ्यास होगा। साथ ही उन्हें परीक्षा की तैयारी का मूल्यांकन करने तथा आत्मविश्वास पैदा करने में सहयोग मिलेगा। श्री पांडेय ने कहा कि संस्थान की ओर से समय-समय पर इस तरह की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता रहा है ताकि बच्चों में प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित हो और वे तन्मयता से पढ़ाई करें। यहां आयोजित विज्ञान प्रतियोगिता परीक्षा का संचालन शिक्षिका नीतू शर्मा व खुशी मिश्रा ने किया। प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को शिक्षक दिवस के मौके पर पुरस्कृत किया जाएगा।

कन्या उच्च विद्यालय चरपोखरी मे भवन निर्माण कार्य कराने की मांग

नवप्रदेश/चरपोखरी/भोजपुर। प्रखंड मुख्यालय प्रोजेक्ट बालिका उच्च विद्यालय चरपोखरी मे पुराने भवन जर्जर हो गया है। भवन का छत का सेलिंग गीर रहा है। कुछ दिन पूर्व छत के सेलिंग पढ़ाई के दौरान गीर जाने से छात्राएं जख्मी हो गई थी। विद्यालय का भवन जर्जर हो चुका है। जर्जर भवन मे विद्यालय चलाना खतरे मोल लेना है। विद्यालय प्रबंधकारणी सदस्य चरपोखरी निवासी पता सिंह ने जिला शिक्षा पदाधिकारी भोजपुर प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी चरपोखरी से उच्च विद्यालय मे नये भवन का निर्माण कार्य कराने की मांग की। पता सिंह ने बताया कि विद्यालय का भवन जर्जर हो चुका है। इस भवन मे पठन-पाठन कार्य करना ठीक नहीं है। भवन निर्माण कार्य को लेकर कई बार विभाग को। सूचना दी गई है।

काली कोसी नदी में निशुल्क नाव सेवा शुरू विद्यार्थियों को राहत

नवप्रदेश/बेलदौर। फैजरी में काली कोसी नदी पार कर पढ़ाई के लिए आने-जाने वाले सैकड़ों विद्यार्थियों को बड़ी राहत मिली है। जिला परिषद अध्यक्ष कृष्णा कुमारी यादव की पहल पर नदी में मोटर चालित बड़ी नाव उपलब्ध कराई गई है। नाव से ग्रामीणों और विद्यार्थियों को निःशुल्क नदी पार कराया जा रहा है। रविवार को नवपदस्थापित अंचलाधिकारी रवी राज ने राजस्व कर्मचारी सत्यनारायण झा के साथ घाट पहुंचकर नाव संचालन का निरीक्षण किया। उन्होंने नाविकों से व्यवस्था की जानकारी ली और यात्रियों से भी बातचीत की। नाविकों ने समय पर तेल उपलब्ध नहीं होने की समस्या बताई। सीओ ने समस्या के समाधान का भरोसा दिया और यात्रियों से सुविधित तरीके से नाव का उपयोग करने की अपील की।

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेश में एक ही परिवार के चार सदस्य मृत मिले



ढाका।

बांग्लादेश के रंगपुर में एक ही परिवार के चार सदस्य अपने ही घर में संदिग्ध अवस्था में मृत पाए गए हैं। मृतकों में ४० वर्षीय सेवानिवृत्त शिक्षक गणपति चक्रवर्ती, उनकी २५ वर्षीय पत्नी प्रीतिलता, २३ वर्षीय बेटी अगामी और 15 वर्षीय बेटा प्रियम हैं। शनिवार रात रंगपुर के दशपाड़ा क्षेत्र में स्थित घर का ताला तोड़कर पुलिस ने चारों के शव बरामद किए हैं। परिवार के सदस्यों से गुरुवार से संपर्क न हो पाने पर रिश्तेदार घर पहुंचे थे। पुलिस के अनुसार मां और बेटी के शव सीढ़ी के पास, गणपति चक्रवर्ती का शव छत पर और 1९ वर्षीय प्रियम का शव पलंग के नीचे मिला था। घटना के कारण, मृत्यु के समय और परिस्थितियों के बारे में अब तक स्पष्ट जानकारी प्राप्त नहीं हुई है। रंगपुर महानगर पुलिस के साथ क्रिमिनल इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट (सीआईडी) और डिटेक्टिव ब्रांच (डीबी) घटना की जांच कर रहे हैं। रिश्तेदारों ने बताया है कि मृतक गणपति चक्रवर्ती की किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी। पुलिस का कहना है कि जांच आगे बढ़ने के बाद ही चारों की मौत के वास्तविक कारण और घटना के लिए जिम्मेदार लोगों का खुलासा हो पाएगा।

ऑस्ट्रेलिया में स्तनधारी जीव में एच-5 बर्ड फ्लू का पहला संक्रमण पुष्ट



ऑस्ट्रेलिया में पहली बार स्तनधारी जीव में एच-५ बर्ड फ्लू का संक्रमण पुष्ट हुआ है। दक्षिण ऑस्ट्रेलिया राज्य में लॉना नोच्ड फर सोल नामक समुद्री स्तनधारी जीव में वायरस का संक्रमण दिखने के बाद अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है। कृषि, मत्स्य पालन और वन मंत्री जूली कॉलिन्स ने बताया कि संक्रमित सील दक्षिण ऑस्ट्रेलिया की राजधानी एडिलेड से लगभग 1५५ किलोमीटर दक्षिण में स्थित बीचपोर्ट में मिली। ऑस्ट्रेलिया में स्तनधारी जीव में एच-५ बर्ड फ्लू का संक्रमण पुष्ट होने की यह पहली घटना है, कॉलिन्स ने पत्रकारों को बताया। उन्होंने कहा कि संक्रमित जंगली पक्षियों या उनके साझा पर्यावरण के संपर्क में आने के बाद सील में वायरस फैला हो सकता है। उन्होंने उल्लेख किया कि अब तक इस घटना के किसी अन्य बीमार या मृत समुद्री स्तनधारी जीव से संबंधित होने का कोई प्रमाण नहीं मिला है। अधिकारियों के अनुसार, पूरे ऑस्ट्रेलिया में एच५१ बर्ड फ्लू के ९2५ संक्रमण पुष्ट हुए हैं। उनमें से 1५1 घटनाएं दक्षिण ऑस्ट्रेलिया में देखी गई हैं। यद्यपि, अधिकारियों ने बताया है कि ऑस्ट्रेलिया की कुक्कट पालन और कृषि उत्पादन प्रणाली में एच-५ बर्ड फ्लू का संक्रमण फैलने का कोई प्रमाण नहीं मिला है।

इरान को कभी भी परमाणु हथियार प्राप्त न करने देने की ट्रम्प की चेतावनी

वाशिंगटन डीसी।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि इरान को कभी भी परमाणु हथियार प्राप्त नहीं करने देना चाहिए। वाशिंगटन और तेहरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच उन्होंने होर्मुज जलमार्ग को अमेरिकी क्षेत्र के रूप में वर्णित किया है, ऐसा अल जजीरा ने बताया है। साउथ कैरोलिना के मर्टल बीच में आयोजित एक सभा को संबोधित करते हुए ट्रम्प ने कहा, ह्दहम उन्हें परमाणु हथियार रखने नहीं दे सकते हैं, यदि ऐसा हुआ तो आप लोगों को बहुत बुरे परिणाम देखने पड़ेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि इरान भले ही समझौता करना चाहे लेकिन वाशिंगटन अपनी शर्तों के विपरीत समझौता स्वीकार नहीं करेगा। मर्टल बीच जाने से पहले पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने दावा किया था कि रणनीतिक जलमार्ग पर अमेरिका का पूर्ण नियंत्रण है। इससे पहले ट्रम्प ने सोशल मीडिया ट्यूथ सोशल पर उस जलमार्ग को नया अमेरिकी क्षेत्र के रूप में चित्रित करने वाली एआई-जेनरेटेड तस्वीर साझा की थी। इरान ने ट्रम्प के दावे को पूरी तरह से खारिज कर दिया है। ईरानी उप-विदेश मंत्री काजेम गरीबाबदी ने चेतावनी दी है कि होर्मुज जलमार्ग पर अमेरिकी राष्ट्रपति का भ्रम जल्द ही सुधारा जाएगा। इसी तरह इरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रमुख मोहसेन रजाई ने होर्मुज जलमार्ग को फिर से खोलने में अमेरिका के असमर्थ होने की बात कहते हुए ट्रम्प की टिप्पणियों की आलोचना की है। राष्ट्रपति ट्रम्प ने हाल ही में इरान के खिलाफ कड़ी आर्थिक कार्रवाई की घोषणा करते हुए तेहरान का समर्थन करने वाले देशों को भी चेतावनी दी थी। दूसरी ओर ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बागेर गालिबाफ ने स्पष्ट किया है कि जब तक अमेरिका नाकाबंदी हटाने और ईरानी संपत्ति को मुक्त करने जैसे अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा नहीं करता, तब तक होर्मुज जलमार्ग फिर से नहीं खोला जाएगा।

ब्लॉखो के साथ जीने वाले मार्कोस का 80 वर्ष की उम्र में निधन



स्पेन में सिएरा मोरेना का भेड़िया लड़का के रूप में जाने जाने वाले मार्कोस रोड्रिगेज पन्तोहा का ५५ वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। उनके बचपन का अधिकांश समय ईसाओं की पहुंच से दूर स्पेन के दूरदराज पहाड़ी क्षेत्र सिएरा मोरेना में बीता था। शुरूआती जीवन में हुई एक दुखद घटना के बाद परित्यक्त हुए वह असाधारण रूप से 1९ वर्षों तक भेड़ियों के झुंड के साथ बड़े हुए थे। बाद में रोड्रिगेज मानव समाज में लौट आए और ९५५१ में रंते नामक एक छोटी बस्ती में रहने लगे। स्थानीय सरकार सैन सिब्राओ दास विनास के अनुसार पिछले सप्ताह ५५ वर्ष की आयु में वहीं उनका निधन हो गया। रोड्रिगेज को जीवन के अंतिम वर्षों में जानने वाले आतुरो अक्रोर्मेस ने स्पेन के सार्वजनिक प्रसारक आरटीवीई से कहा, वह मिट्टी, हवा, बारिश और शिकार करने वाली गुफाओं से बने इंसान थे।

गाजा में शव दफनाने के लिए भी नहीं मिल रही जगह

गाजापट्टी।

इजरायली युद्ध के कारण गाजा में हजारों शव अस्थायी स्थानों पर दफनाए गए हैं। अब नियमित कब्रिस्तान स्थलों पर भी शव दफनाने के लिए जगह का अभाव होने लगा है। गाजा की येलो लाइन के नजदीक गोली लगने से मारे गए अपने पिता मोहम्मद के लिए २० वर्षीय ओमर अलझसवही को कब्र की तलाश करनी पड़ी। गाजा सिटी के जैतून क्षेत्र में रहने वाले ५५ वर्षीय मोहम्मद 1५ जून को सड़क किनारे की एक छोटी चायझर्काफों की दुकान पर काम कर रहे, तभी उनकी गर्दन में गोली लगी थी। गोली लगते ही उनकी मौत हो गई थी। पिता को दफनाने के लिए ओमर जैतून कब्रिस्तान पहुंचे। वहां कब्रें एक दूसरे के काफी करीब थीं। उनमें से ज्यादातर गाजा में जारी इजरायली युद्ध में मारे गए लोगों की थीं। जगह के अभाव और युद्ध के कारण उत्पन्न कठिन परिस्थितियों की वजह से कई कब्रों पर मृतक का नाम लिखा कागज केवल पत्थर से दबाकर रख दिया गया है। कड़्यों की व्यवस्थित रूप से कब्र तक नहीं बनाई जा सकी है। मैं कब्रिस्तान के

बीच में खड़ा हुआ और चारों तरफ मैंने कई कब्रें देखीं। वहां रेत के ढेर थे और उनके नीचे लोग दफनाए गए थे,ओमर ने अल जजीरा को बताया। एक कब्र पर शहीद का नाम लिखे कागज के साथ केवल एक पत्थर था। युद्ध से पहले जैसी कब्र बनाने या व्यवस्थित रूप से तैयार करने की स्थिति नहीं थी, उन्होंने कहा। गाजा में अभी एक कब्र बनाने में करीब ५५५ शेकेल यानी डॉलर खर्च होते हैं। वह रकम जुटाने में असमर्थ होने के बाद ओमर के परिवार को दूसरा विकल्प तलाशना पड़ा। नई कब्र बनाने के लिए जगह भी नहीं थी। इसलिए आमेर ने पिता के शव को दादा की कब्र में ही दफना दिया। युद्ध के बीच गाजा में स्वास्थ्य, स्थानीय प्रशासन आदि सेवा प्रणालियां लगभग ध्वस्त हो चुकी हैं। इजरायली हमलों के जोखिम के कारण युद्ध के दौरान हजारों मृत फिलिस्तीनी लापता की सूची में रखे गए हैं। उनमें से कई को घरों के बगीचों, तंबूओं, विस्थापितों के शिविरों, स्कूलों या अस्पताल परिसर में ही दफनाया गया था। अक्टूबर २०२५ में अमेरिका की मध्यस्थता में युद्धविराम होने के बाद गाजा में



इजरायली हमले कुछ कम होने की छोटी अवधि में परिवारों ने मलबे या अस्थायी कब्रों से अपनों के शव निकालकर अन्यत्र स्थानांतरित करना शुरू किया। युद्धविराम की घोषणा के बाद से ही कम से कम १ हजार ९५५ फिलिस्तीनी मारे गए हैं और उन सभी के लिए कब्र की आवश्यकता है। गाजा के अधिकारियों के अनुसार अस्पताल परिसर में मौजूद सात सामूहिक कब्रों से ५९2 फिलिस्तीनियों के शव निकाले गए हैं। इजरायली हमले कुछ समय के लिए कम होने का अवसर पाकर मोहम्मद के परिवार ने भी उनका शव निकालकर अंतिम संस्कार के लिए कब्रिस्तान में स्थानांतरित किया था। गाजा में कब्रों का यह अभाव युद्ध शुरू होने के

बाद से मारे गए ५1 हजार से अधिक फिलिस्तीनियों के कारण ही नहीं हुआ है। इजरायली हमलों से कब्रिस्तानों को भी ध्वस्त कर दिया गया है। गाजा के धार्मिक मामलों और वक्फ मंत्रालय के अनुसार युद्ध शुरू होने के बाद से ५५ से अधिक कब्रिस्तान नष्ट हो गए हैं। इजरायली सेना ने अपने नियंत्रण वाले क्षेत्रों में कब्रिस्तानों में जाने पर कड़े प्रतिबंध लगाए हैं। इससे शव दफनाने की जगह और सीमित हो गई है। इजरायली बमबारी और विस्थापन के आदेशों के कारण लाखों फिलिस्तीनी घर छोड़ने को मजबूर हुए हैं। इस दौरान पहले कब्रों के लिए आरक्षित कई जगहें विस्थापितों के लिए आश्रय स्थलों में बदल गई हैं। गाजा के

अधिकारियों के अनुसार कब्र के पत्थर जैसी आवश्यक सामग्रियों की कमी के कारण अभी शव दफनाने में x५५ शेकेल (९९ डॉलर) से 1 हजार शेकेल (11५ डॉलर) तक खर्च होता है। उचित कब्र का पत्थर तैयार करने के लिए पैसे जुटाने में असमर्थ रहने तक ध्वस्त इमारतों की ईंटेंझपत्थरों, मिट्टी या टिन की चादरों को अस्थायी कब्र चि के रूप में उपयोग किया जाता है। गाजा के ४५ कब्रिस्तानों में से अधिकांश युद्ध शुरू होने से पहले ही अपनी क्षमता की सीमा तक पहुंच चुके थे, वक्फ मंत्रालय के संचार अधिकारी इकरामी अलझमदल्लाल ने बताया। उपलब्ध कब्र की जगह के अभाव के कारण हमें नया कब्रिस्तान बनाना आवश्यक है, उन्होंने अल जजीरा से कहा। मंत्रालय नए कब्रों के लिए जगह तलाश रहा है। अस्थायी रूप से दफनाए गए शवों को कब्रिस्तान में स्थानांतरित करना भी एक चुनौती बना हुआ है। ह्दश्व स्थानांतरित करने का काम अनियंत्रित रूप से नहीं किया जा सकता है। इसके लिए वक्फ मंत्रालय, स्थानीय सरकार और संबंधित सरकारी

निकायों के साथ समन्वय करना होगा, मदल्लाल ने कहा। गाजा पर युद्ध अपने व्यावसायिक जीवन का सबसे कठिन समय रहा है, पिछले 12 वर्षों से अधिक समय से शव दफनाने का काम कर रहे ५५ वर्षीय तफेश अबू हाताब ने बताया। वह जिस खान यूनिंस कब्रिस्तान में काम करते हैं, वहां युद्ध शुरू होने के समय करीब ४५ कब्रें थीं। अब वहां करीब ६ हजार कब्रें हैं। युद्ध के एक चरण में तफेश को रोजाना करीब 1५ कब्रें खोदनी पड़ी थीं। ह्दइतना भयानक रक्तपात हुआ समय हमने कभी नहीं देखा था, उन्होंने कहा, ह्ददजर्जनों शहीदों को दफनाना न पड़े ऐसा कोई दिन नहीं जाता। उन्होंने बताया कि वे जिन अधिकांश शवों को दफनाते हैं, वे महिलाओं और बच्चों के होते हैं। उनमें नवजात शिशु भी शामिल होते हैं। जब इजरायली बम पूरी इमारतों, वाहनों या तंबूओं को ध्वस्त कर देते हैं, तो कभी-कभी एक ही परिवार के सभी सदस्यों के शव कब्रिस्तान पहुंच जाते हैं। ह्दवे हमारे घर हमारे ही सिर पर गिरा देते हैं और उसी घर के मलबे से हम अपनी कब्रें बनाते हैं, तफेश ने कहा।

अमेरिकी आर्थिक दबाव अभियान में शामिल न होने की ईरान की चेतावनी

तेहरान।

ईरान के एक वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी ने पड़ोसी तथा अन्य देशों को ईरान के खिलाफ अमेरिकी आर्थिक दबाव अभियान में शामिल न होने की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि अमेरिकी अभियान का साथ देने वाले देशों के साथ तेहरान शत्रु के रूप में व्यवहार करेगा। ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव मोहसेन रेजाई ने सरकारी प्रसारक आईआरआईबी टीवी के साथ साक्षात्कार में कहा कि ईरान शुरूआत में संबंधित देशों से बातचीत कर अमेरिका द्वारा संचालित कहे जाने वाले आर्थिक युद्ध में शामिल न होने का आग्रह करेगा। यदि वे देश अमेरिकी अभियान का समर्थन करते रहे तो ईरान उनके हितों के खिलाफ कार्रवाई करेगा, उन्होंने ऐसी चेतावनी



दी। क्षेत्रीय देशों द्वारा अमेरिकी दबाव अभियान का समर्थन किए जाने पर होर्मुज जलडमरूमध्य और फारसी खाड़ी से होने वाले तेल निर्यात को रोक दिया जाएगा, उन्होंने यह बात कही। रेजाई ने जून में तेहरान और वाशिंगटन के बीच हुए सहमति पत्र (एमओयू) के तहत अमेरिका द्वारा अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा नहीं किए जाने तक होर्मुज जलडमरूमध्य बंद रहने का दावा

इतिहास से ही रूस के लिए अभिशाप क्यों बनता आ रहा है अगस्त का महीना?

मॉस्को।

रूस में अगस्त के महीने को लंबे समय से राजनीतिक तथा आर्थिक संकट के साथ जोड़कर देखा जाता रहा है। ब्लैक अगस्त या अगस्त का अभिशाप कही जाने वाली यह धारणा हालिया घटनाक्रमों के साथ फिर से चर्चा में आई है। यूक्रेन युद्ध में अपेक्षित सैन्य सफलता हासिल न कर पाना, रूसी शहरों में यूक्रेनी ड्रोन तथा हमलों का बढ़ना, ईधन की कमी और महंगाई होना तथा रूबल का कमजोर होना—इन सबसे राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर दबाव बढ़ गया है। रूस में अगस्त को संकट के महीने के रूप में देखने की परंपरा नई नहीं है। वर्ष 1991 के अगस्त में सोवियत कम्युनिस्ट कट्टरपंथियों ने तत्कालीन नेता मिखाइल गोबाचोव के



खिलाफ असफल तख्तापलट का प्रयास किया था। उस घटना ने सोवियत संघ के विघटन को तेज कर दिया था। वर्ष 1998 के अगस्त में रूस गंभीर वित्तीय संकट में फंस गया। घरेलू ऋण पर डिफॉल्ट हो गया और रूबल के मूल्य में भारी गिरावट आई। उसके ठीक एक साल बाद, वर्ष 1999 के अगस्त में लड़ाकू समूहों के दक्षिणी रूसी गणराज्य दोगेस्तान में प्रवेश करने के बाद दूसरा चेचेन युद्ध शुरू हुआ। इसी संघर्ष ने तत्कालीन

राजनीतिक रूप से अपरिचित पूर्व केजीबी अधिकारी पुतिन को सत्ता के शीर्ष स्तर तक पहुंचने का रास्ता दिखाया। पुतिन उसी वर्ष के अंत में राष्ट्रपति बोरिस येल्टसिन द्वारा अचानक सत्ता हस्तांतरण किए जाने के बाद रूस के नेतृत्व में पहुंचे। लेकिन अगस्त का अभिशाप पुतिन के शासनकाल में भी नहीं रुका। वर्ष 2000 के अगस्त में रूसी परमाणु पनडुब्बी कुर्स्क डूब गई, जिसमें 118 नौसैनिकों की मौत हो गई।

पूर्वी जापान में5.9 तीव्रता का भूकंप, 23 लोग घायल

टोक्यो।

पूर्वी जापान में रविवार सुबह ५.2 तीव्रता का भूकंप आया है। भूकंप के कारण विभिन्न चार प्रिफेक्चर में कम से कम २३ लोग घायल हो गए हैं। अधिकारियों ने बताया है कि घायलों में से अधिकांश की स्थिति सामान्य है। भूकंप के बाद सुनामी का कोई खतरा नहीं बताया गया है।

जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के अनुसार स्थानीय समयानुसार सुबह २ बजे इबाराकी प्रिफेक्चर को केंद्रबिन्दु बनाकर भूकंप आया। भूकंप की गहराई केंद्र से करीब x५ किलोमीटर नीचे थी। अमेरिकी भूगर्भ सर्वेक्षण (यूएसजीएस) ने भूकंप की प्रारंभिक तीव्रता ५.५ बताई है। भूकंप से साइतामा और कानागावा में नौ-नौ लोग, चिबा में चार लोग तथा इबाराकी में एक व्यक्ति घायल हुआ है। अधिकारियों ने बताया है कि ज्यादातर लोग उस समय घायल हुए जब सो रहे लोगों ने भूकंप के झटके महसूस किए और घबराकर बिस्तर से उठते समय गिर गए या फर्नीचर और दरवाजों से टकरा गए। कानागावा के योकोहामा में ५५ वर्ष की उम्र के आसपास की एक महिला बिस्तर से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई है। स्थानीय मीडिया ने बताया है कि उनकी कमर में चोट लगी है। भूकंप के बाद टोक्यो और नारिता हवाई अड्डे को जोड़ने वाली एक्सप्रेस रेल सेवा सहित पूर्वोत्तर क्षेत्र की कुछ स्थानीय रेल सेवाओं में देरी हुई थी। हालांकि, ईस्ट जापान रेलवे ने बताया है कि शिन्कान्सेन बुलेट ट्रेन सेवा सामान्य रूप से संचालित हो रही है। भूकंप से हुए नुकसान की स्थिति का जायजा लेने के लिए जापान सरकार ने आपातकालीन कार्यदल का गठन किया है। प्रधानमंत्री सानाए ताकाइची ने सोशल मीडिया एक्स के माध्यम से जानकारी दी है कि सरकार स्थिति का आकलन कर रही है।

मजबूत नेता की छवि बनाने में साले खर्च किए, अब जेनजी शैली के रील्स बना रहे हैं मोदी

भारत के कई जेनजी पीढ़ी के युवा नरेंद्र मोदी को अपने दोस्त के रूप में न देख सकते हों। लेकिन भारतीय प्रधानमंत्री तो उनके साथ मित्र की शैली में संवाद करने का प्रयास कर रहे हैं। 75 वर्षीय मोदी ने लंबे समय से योजनाबद्ध भाषण, औपचारिक प्रसारण और सावधानीपूर्वक तैयार की गई सार्वजनिक उपस्थिति के माध्यम से खुद को मजबूत नेता के रूप में प्रस्तुत किया है। लेकिन पिछले कुछ सप्ताह में युवाओं के बीच लोकप्रिय फोटो तथा वीडियो प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर उनकी शैली कुछ अनौपचारिक दिखने लगी है। एक महीने पहले तक मोदी के इंस्टाग्राम पर काफी चुनकर रखे गए पोस्ट ही दिखते थे। अब वहां ह्दकैटडह्द यानी स्वाभाविक दिखने वाली सामग्री भी जुड़ी है। इसमें गेट रेडी विद मी शैली के रील से लेकर युवा

को दोस्तों कहते हुए संबोधित किए गए सेल्फी शैली के वीडियो तक हैं। दिल्ली में आयोजित एक दक्षांत समारोह में छात्रों को संबोधित करने के क्रम में मोदी ने जेनजी के बीच लोकप्रिय एक वाक्यांश ह्दरकेट, चिप और ड्रोन बनाने वाले अपने वंश में पहला व्यक्ति समेत कहना भी भूला नहीं। मोदी को इंस्टाग्राम पर 10 करोड़ 60 लाख से अधिक लोगों ने फॉलो किया है। इसके साथ ही वह इस प्लेटफॉर्म पर सबसे ज्यादा फॉलो किए जाने वाले राजनीतिक नेताओं में से एक हैं। लेकिन इंस्टाग्राम पर मोदी की संवाद की शैली इससे पहले उनकी टीम या भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सोशल मीडिया रणनीति का मुख्य विषय नहीं था। साल 2014 का चुनाव जीतने में सहयोग पहुंचाने वाली डिजिटल रणनीति में उत्कृष्ट माने

जाते आए भाजपा ने भी युवाओं से सोशल मीडिया के माध्यम से संवाद करने की शैली में अभी परिवर्तन करना शुरू किया है दिखता है। इसका एक प्रमुख कारण इसी वर्ष भारत में हुए युवा प्रदर्शन बने हैं। व्यंग्यात्मक ककरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेतृत्व में आगे बढ़ा उक्त आंदोलन शुरू में मीम, ला-इवस्ट्रीम और इंस्टाग्राम रील्स के माध्यम से फैला था। बाद में यह आंदोलन इतना प्रभावशाली बना कि एक केंद्रीय मंत्री को भी इस्तीफा देना पड़ा। सीजेपी शुरुआत में एक मजाक के रूप में बना था। लेकिन ऑनलाइन में प्राप्त ध्यान को सड़क प्रदर्शन और राजनीतिक दबाव में रूपांतरित करने की उसकी क्षमता ने भाजपा को अप्रत्याशित रूप से चकित कर दिया। लेखक तथा टिप्पणीकार अनुराग मिनुस वर्मा के अनुसार हिंदू राष्ट्रवादी भाजपा

ने एक दशक से अधिक समय से व्हाट्सएप समूह, फेसबुक पेज और एक्स अकाउंट के माध्यम से अपना संदेश फैलाकर भारत की सबसे शक्तिशाली राजनीतिक ऑनलाइन संरचनाओं में से एक बनाया है। लेकिन युवा भारतीयों ने सामग्री और राजनीति को अलग ढंग से उपभोग करते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार भारत की 60 प्रतिशत से अधिक आबादी 35 वर्ष से कम उम्र की है। साल 1997 से 2012 के बीच जन्मी जेनजी पीढ़ी साल 2029 के आम चुनाव तक में भारत के सबसे बड़े मतदाता समूहों में से एक बनेने की अपेक्षा की गई है। इसलिए उन्हें अपने पक्ष में लाने के लिए इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म पर पहुंचना महत्वपूर्ण होता है। पारंपरिक राजनीतिक संदेशों की तुलना में व्यक्तिगत और कम औपचारिक सामग्री यहाँ अधिक प्रभाव डाल सकती है।

अमेरिकी टैरिफ के जवाब में पचास प्रतिशत टैरिफ लगा रहा है कनाडा

ओटावा।

अमेरिका द्वारा कनाडा से आयात होने वाले लगभग 20 अरब डॉलर मूल्य के सामानों पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाने के बाद कनाडा ने भी इसके प्रतिशोध में डॉलर बराबर डॉलर शुल्क लगाने की घोषणा की है।

कनाडा के साथ व्यापार समझौते का प्रयास असफल होने के बाद अमेरिका द्वारा तीन दिन आगे खिसकाया गया टैरिफ शनिवार से लागू हो गया था। इसे कि जवाब में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने ईंट का जवाब पत्थर से देते हुए अमेरिका से आयात होने वाली विभिन्न वस्तुओं पर समान दर से प्रतिशोधात्मक शुल्क लगाने की घोषणा की। कनाडा का नया



शुल्क आगामी 8 सितंबर से लागू होगा। यह स्टील, डेयरी उत्पाद, विद्युत तथा घरेलू उपकरण, कृषि उपकरण, पल्प तथा कागज और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसी वस्तुओं पर

लागू होगा। ओटावा में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कार्नी ने कहा कि अमेरिका द्वारा पिछले दिनों रखी गई नई शर्तें कनाडा के लिए आर्थिक रूप से अव्यवहारिक

और अनुचित थीं। उनके अनुसार उन शर्तों ने संभावित व्यापार समझौते से कनाडा को मिलने वाले लाभ पर ही प्रश्न चि लगा दिया है। कार्नी ने कहा, ह्दउन्होंने बहुत अधिक मांगा, लेकिन बदले में बहुत कम प्रस्ताव रखा,ह्द। व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए कनाडा कुछ कदम उठाने को तैयार था। पिछले वर्ष अमेरिका के खिलाफ लगाए गए प्रतिशोधात्मक शुल्क हटाने तथा अमेरिकी मदिरा उत्पादों को कनाडा की दुकानों में पुनः बिक्री की अनुमति देने का प्रस्ताव भी कनाडा ने आगे बढ़ाया था। लेकिन ऑटोमोबाइल जैसे प्रमुख उद्योगों के लिए आवश्यक आर्थिक शर्तों पर अमेरिका सहमत नहीं हुआ था, ऐसा कनाडा का कहना है। महत्वपूर्ण खनिजों के विषय में कनाडा अमेरिका को विशेष या एकाधिकार पहुंच नहीं दे सकता है, यह बात कार्नी ने स्पष्ट

की। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और प्रधानमंत्री कार्नी तथा दोनों देशों के उच्च व्यापार अधिकारियों के बीच पिछले एक सप्ताह से लगातार सीधी बातचीत हो रही थी। इससे पहले ट्रम्प ने नए शुल्क को लागू करने की समय-सीमा तीन दिन आगे बढ़ाई थी। इसी क्रम में ट्रम्प ने सप्ताह की शुरूआत में ह्दहम कनाडा के साथ समझौते पर पहुंच गए हैं कहा था। लेकिन समझौते का अंतिम दस्तावेज तैयार होना बाकी बताया गया था। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीयर ने शनिवार को आरोप लगाया कि कनाडा ने पहले से सहमत शर्तों के अनुसार व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने से इनकार कर दिया है। उनके अनुसार प्रस्तावित समझौते में स्टील, एल्यूमिनियम, ऑटोमोबाइल और लकड़ी के सामानों में उल्लेखनीय शुल्क कटौती तथा आर्थिक एवं राष्ट्रीय

सुरक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण स-झिदारी की व्यवस्था थी। ग्रीयर ने दावा किया कि कनाडा ने नई माँगें जोड़ने के साथ ही पहले की गई कुछ प्रतिबद्धताओं से पीछे हटने के कारण दोनों पक्षों के बीच पिछले दिनों बने सहमति के संतुलन को बिगाड़ दिया है। कनाडा द्वारा अमेरिकी शुल्क के जवाब में प्रतिशोधात्मक कदम उठाने की घोषणा के बाद अमेरिका ने भी कनाडा के खिलाफ और अधिक कदम उठाने के संकेत दिए हैं। ग्रीयर ने कहा कि अमेरिका कनाडा के इस कदम के जवाब में अपने प्रतिकारी उपायों को आगे बढ़ाएगा, हालांकि उन्होंने इसका विस्तृत विवरण सार्वजनिक नहीं किया। ट्रम्प के दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद से अमेरिका-कनाडा व्यापार संबंध और अधिक तनावपूर्ण होते जा रहे हैं।